पैसा आधारित ऑनलाइन गेम गंभीर सामाजिक मुद्दा : वैष्णव
-12

जीएसटी सुधारों पर राज्यों से बनाएंगे आम सहमति
- 12

रूस ने दिलाया भरोसा, भारत पर ट्रंप के लगाए प्रतिबंधों से निपटने में सक्षम
- 13

सौरभ चौधरी और सुरुचि इंदर सिंह की जोड़ी ने जीता कांस्य
- 14

आज का मौसम

31.0⁰ अधिकतम तापमान

26.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.44

सूर्यास्त 06.40

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 12:45 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 21 अगस्त 2025, वर्ष 4, अंक 1, पृष्ठ 14 मूल्य 5 रुपये

ब्रीफ न्यूज

मोदी करेंगे विकास कार्यों का लोकार्पण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को बिहार और पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे और 18,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार मोदी शुक्रवार को सुबह लगभग 11 बजे बिहार के गया में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 13,000 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। उसी दिन शाम को कोलकाता में नवनिर्मित खंडों पर मेट्रो ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे। कोलकाता में 5,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे।

29 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिलों में बुधवार को 55 .5 लाख के इनामी 29 नक्सलियों ने पुलिस व सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। दंतेवाड़ा जिले में 21 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें से 13 पर कुल 25 लाख 50 हजार का इनाम घोषित था। सभी आत्मसर्पित माओवादी अपने-अपने क्षेत्र में नक्सली बंद सप्ताह के दौरान रोड खोदना, पेड़ काटना, नक्सली बैनर, पोस्टर एवं पाम्प्लेट लगाने जैसी घटनाओं में शामिल रहे हैं। वहीं बस्तर अंचल में कुल 30 लाख के इनामी आठ नक्सलियों ने बुधवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इनमें छह पुरुष और दो महिला शामिल हैं।

सज्जन की याचिका पर 24 सितंबर को सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में सुनाई गई सजा के खिलाफ कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार और पार्टी के पूर्व पार्षद बलवान खोखर द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई 24 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति जे .के . माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने बुधवार को मामले की सुनवाई टाल दी क्योंकि सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश नहीं हो सके। जुलाई 2024 में उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई से खोखर की राहत के अनुरोध वाली याचिका पर जवाब देने को कहा था। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2018 में खोखर की उम्रकैद बरकरार रखी थी।

गंभीर अपराधों में पीएम-सीएम को हटाने का विधेयक लोस में पेश, जेपीसी को भेजा

विपक्षी दलों के सदस्यों ने किया सदन में हंगामा, गृहमंत्री शाह पर फेंके कागज

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने बुधवार को दूरगामी परिणामों वाले एक संविधान संशोधन विधेयक समेत तीन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को विचारार्थ भेज दिया। इन विधेयकों को पेश किए जाने और अन्य मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच सदन की बैठक चार बार के स्थगन के बाद गुरुवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किए। बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया। समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे और यह अपनी रिपोर्ट अगले संसद सत्र के प्रथम सप्ताह के अंतिम दिन तक पेश करेगी। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 में प्रधानमंत्री, मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराध के आरोपों में पद से हटाने का प्रावधान है। विपक्ष के सदस्यों ने विशेष रूप से इस विधेयक को पेश किए जाने पर जोरदार विरोध दर्ज कराया। विपक्ष की ओर से एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, कांग्रेस के मनीष तिवारी और केसी वेणुगोपाल, आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन और सपा के धर्मेंद्र यादव ने विधेयकों को पेश किए जाने का विरोध किया।

प्रेमचंद्रन ने कहा कि तीनों विधेयकों को सदन में पेश करने की सरकार को इतनी हड़बड़ी क्यों है? इस पर गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रेमचंद्रन जल्दबाजी की बात कर रहे हैं, लेकिन इसका सवाल इसलिए नहीं उठता क्योंकि मैं इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को सौंपने का अनुरोध करने वाला हूं। संयुक्त समिति लोकसभा और राज्यसभा में पक्ष और विपक्ष के सदस्यों को मिलाकर बनेगी और इस पर विचार करके विधेयक को आपके सामने लाएगी। कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने कहा कि भाजपा के लोग कह रहे हैं कि यह विधेयक राजनीति में शुचिता लाने के लिए लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्या मैं गृह मंत्री से पूछ सकता हूं कि जब वह गुजरात के गृह मंत्री थे, उन्हें गिरफ्तार किया गया था तब क्या उन्होंने नैतिकता का ध्यान रखा था? गृह मंत्री ने जवाब में कहा कि मैं रिकॉर्ड स्पष्ट करना चाहता हूं। मैंने गिरफ्तार होने से पहले नैतिकता के मूल्यों का हवाला देकर इस्तीफा भी दिया और जब तक अदालत से निर्दोष (साबित) नहीं हुआ, तब तक मैंने कोई संवैधानिक पद स्वीकार नहीं किया। मैं तो चाहता हूं कि नैतिकता के मूल्य बढ़ें। हम ऐसे निर्लज्ज नहीं हो सकते कि हम पर आरोप लगें और हम संवैधानिक पद पर बने रहें। इस दौरान कुछ सदस्यों को गृह मंत्री के सामने कागज फाड़कर फेंकते हुए देखा गया। एसआईआर के मुद्दे पर सदन की बैठक दो बार स्थगित हुई।

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक लोकसभा में पारित

लोकसभा ने ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने एवं शैक्षणिक और सामाजिक ऑनलाइन खेलों को बढ़ावा देने वाले एक विधेयक को पारित कर दिया तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि समाज में एक बहुत बड़ी बुराई आ रही है जिससे बचने के लिए इस विधेयक को लाया गया है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के सांसदों के हंगामे के बीच ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक, 2025 को सदन में पारित कराने के लिए रखते हुए वैष्णव ने कहा कि 'ऑनलाइन मनी गेम' आज समाज में बड़ी चिंता का विषय बन गया है और कई ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें इसकी लत लग जाती है तथा जिंदगी भर की बचत (ऑनलाइन) गेम में उड़ा देते हैं।

संसद ने दी आईआईएम संशोधन विधेयक को मंजूरी

संसद ने गुवाहाटी में भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) की स्थापना के प्रावधान वाले एक विधेयक को बुधवार को मंजूरी दे दी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि केंद्र सरकार ने इसके लिए 550 करोड़ रुपये के आर्थिक अनुदान की व्यवस्था की है तथा संस्थान में मौजूदा शैक्षणिक सत्र से ही दाखिला शुरू हो जाएगा। राज्यसभा ने आज भारतीय प्रबंध संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2025 को चर्चा एवं शिक्षा मंत्री के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे मंगलवार को ही पारित कर चुकी है। उच्च सदन में विधेयक पर चर्चा एवं पारित किए जाने के दौरान कई विपक्षी दलों के सदस्य अनुपस्थित थे। विपक्षी सदस्यों ने बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की अनुमति नहीं दिए जाने के विरोध में सदन से वाकऑउट किया।

ओडिशा में अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली/बालासोर, एजेंसी

- सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों पर खरी उतरी

भारत ने अपनी सामरिक सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से अग्नि-5 का परीक्षण किया गया और यह मिसाइल सभी परिचालन एवं तकनीकी मापदंडों पर खरी उतरी। बयान के मुताबिक, मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का 20 अगस्त को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। परीक्षण में मिसाइल सभी परिचालन और तकनीकी मापदंडों पर खरी उतरी। यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया।

रक्षा सूत्रों ने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 11 मार्च 2024 को इसी परीक्षण रेंज से मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल तकनीक का इस्तेमाल करके अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया था। विभिन्न दूरमापी और रडार केंद्रों से इस पूरे परीक्षण पर नजर रखी गई और यह मिसाइल सभी निर्धारित मापदंडों पर खरी उतरी। भारत ने पहली बार अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण 19 अप्रैल 2012 को चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से किया था। तब इस मिसाइल को हिंद महासागर में एक निर्दिष्ट बिंदु पर प्रक्षेपित किया था। यह मिसाइल अधिकतम 600 किमी की ऊंचाई पर जा सकती है और करीब 5,000 किमी तक मार कर सकती है।

उपराष्ट्रपति चुनाव

नई दिल्ली में बुधवार को राजग के उपराष्ट्रपति प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन ने निर्वाचन अधिकारी को नामांकन पत्र सौंपा, इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

राजग प्रत्याशी राधाकृष्णन ने दाखिल किया नामांकन

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने गए राधाकृष्णन के साथ राजग के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी को नामांकन पत्रों के चार सेट सौंपे, जो उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी हैं। नामांकन पत्रों के चार सेट में मोदी, सिंह, शाह और जदयू नेता राजीव रंजन सिंह मुख्य प्रस्तावक हैं। उपराष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार के नामांकन पत्र पर 20 निर्वाचकों द्वारा प्रस्तावक और 20 अन्य निर्वाचकों द्वारा अनुमोदक के रूप में हस्ताक्षर करना आवश्यक होता है।

जन सुनवाई के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला

जानलेवा हमले में सीएम के हाथ, कंधे और सिर में चोटें आईं

- राजकोट निवासी आरोपी गिरफ्तार हत्या के प्रयास का केस दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को सुबह सिविल लाइंस स्थित उनके कार्यालय पर आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति ने हमला कर दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस हमले को मुख्यमंत्री की हत्या की सुनियोजित साजिश का हिस्सा बताया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, राजकोट (गुजरात) निवासी 41 वर्षीय आरोपी सकरिया राजेशभाई खिमजीभाई को हिरासत में लिया गया है और उससे खुफिया ब्यूरो (आईबी) और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम पूछताछ कर रही है।

उन्होंने बताया कि हमला सुबह करीब सवा आठ बजे हुआ। पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री के हाथ, कंधे और सिर में चोटें आई हैं। जांच से जुड़े एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह एक गंभीर हमला था और जानलेवा भी हो सकता था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और आरोपी सकरिया राजेशभाई खिमजी।

हमलावर पर गुजरात में दर्ज हैं पांच मामले

हमलावार पर गुजरात में पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें चाकू से हमले के दो और आबकारी अधिनियम के तीन मामले शामिल हैं। आरोपी के पास कोई हथियार नहीं था। उसके पास एक बैग था जिसमें कपड़े और कुछ कागज थे। पुलिस ने हमले के सिलसिले में हत्या के प्रयास के आरोप में एक प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बंठिया ने बताया कि सिविल लाइंस थाने में उस पर कथित तौर पर हमला करने और लोक सेवक को उसके कर्तव्य निर्वहन में बाधा डालने का भी मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों ने बताया कि खिमजीभाई दो दिन पहले दिल्ली आया था और उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस में रुका था।

हमले से पहले की मुख्यमंत्री आवास की रेकी

आधिकारिक सूत्रों ने शालीमार बाग स्थित गुप्ता के आवास से मिले सीसीटीवी फुटेज का हवाला देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पर हमला एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था। सीसीटीवी फुटेज से साफ पता चलता है कि हमलावर ने हमले की तैयारी 24 घंटे पहले से शुरू कर दी थी। सीसीटीवी फुटेज में बुधवार को आरोपी मुख्यमंत्री आवास की ओर जाते हुए दिख रहा है। वीडियो में आरोपी परिसर की रेकी करता, मुख्यमंत्री आवास के दृश्य रिकॉर्ड करता दिख रहा है। वह एक दिन पहले अपने दौरे के दौरान फोन पर बात करता हुआ दिख रहा है।

चिकित्सा के यूजी और पीजी कोर्स में बढ़ेंगी 8000 सीटें

- एनएमसी प्रमुख ने दी जानकारी

नई दिल्ली। इस शैक्षणिक सत्र में देश में चिकित्सा के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में कुल 8,000 सीट बढ़ाए जाने की उम्मीद है और इसके मद्देनजर चिकित्सा महाविद्यालयों का मूल्यांकन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के प्रमुख डॉ. अभिजात शेठ ने यह जानकारी दी। इस वर्ष जुलाई में सीबीआई द्वारा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के अधिकारियों, बिचौलियों और निजी चिकित्सा महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों के एक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था। सीबीआई द्वारा जांच शुरू किए जाने के बाद एनएमसी ने सीट की संख्या बढ़ाने या नए पाठ्यक्रम शुरू करने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी।

9वीं के छात्र ने शिक्षक को मारी गोली

संवाददाता, काशीपुर

- स्कूल में वारदात, डांट से नाराज था, टिफिन में लाया था तमंचा

अमृत विचार : काशीपुर में एक पब्लिक स्कूल में बुधवार सुबह कक्षा नौ के छात्र ने शिक्षक को तमंचे से गोली मार दी। आरोप है कि दो दिन पहले एक सवाल का जवाब नहीं देने पर शिक्षक ने कक्षा में छात्र को डांटा था। घायल शिक्षक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी छात्र हिरासत में है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट ने घटनास्थल से साक्ष्य जमा किए हैं।

पुलिस के अनुसार, भौतिक विज्ञान के शिक्षक गगनदीप सिंह कोहली (37) सुबह करीब पौने दस बजे क्लास लेने कक्षा नौ में पहुंचे। क्लास समाप्त होते ही मध्यांतर हो गया।

सभी छात्र कक्षा से बाहर निकलने लगे। तभी एक छात्र ने अपने टिफिन से तमंचा निकालकर गगनदीप पर फायर झोंक दिया। गोली दाहिने कंधे के नीचे लगी। आरोपी छात्र को अन्य शिक्षकों ने दबोच लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी ली।

> आरोपी नाबालिग है। शिक्षक की तहरीर पर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को किशोर न्यायालय में पेश कर बाल सुधार गृह भेजा जाएगा।
> -अभय सिंह, एएसपी काशीपुर।

नफरती भाषण मामले में अब्बास अंसारी को राहत

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई सजा पर लगाई रोक

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व विधायक और मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को हेट स्पीच (नफरती भाषण) मामले में राहत देते हुए ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई सजा पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति समीर जैन द्वारा दिए गए इस फैसले के बाद अब्बास की विधानसभा सदस्यता बहाल होने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। अब मऊ की सदर विधानसभा सीट पर उप चुनाव नहीं होगा।

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से मऊ सदर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक रहे अब्बास अंसारी ने चुनावी सभा के दौरान राज्य सरकार के अधिकारियों को सपा के सत्ता में आने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। जिसके बाद उन पर हेट स्पीच और आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज हुआ। मऊ की एमपी-एमएलए कोर्ट ने अब्बास को दो साल कैद की सजा सुनाई थी, दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। इसी फैसले के कारण एक जून को विधानसभा सचिवालय ने मऊ सदर सीट को रिक्त घोषित कर दिया था यानी उनकी विधायकी खत्म हो गई थी।

प्रधानमंत्री ने नवीन पटनायक से हाल पूछा

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से फोन पर बात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। बीजू जनता दल (बीजद) प्रमुख द्वारा जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री ने पटनायक के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और कहा कि ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता को कुछ दिन आराम करना चाहिए। विपक्ष के नेता के कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अस्पताल में भर्ती नवीन पटनायक से आज बात की। प्रधानमंत्री ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पटनायक को रविवार शाम निर्जलीकरण की शिकायत के बाद 'एसयूएम अल्टीमेट मेडिकेयर' में भर्ती कराया गया था।

खाद संकट

सीमावर्ती जिलों में चौकसी बढ़ी, खाद तस्करों और माफिया पर नजर

खाद की कालाबाजारी पर सख्ती, योगी बोले- भंडारण न हो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने उर्वरक की ओवररेटिंग करने वालों को भी दी चेतावनी

अमृत विचार : राज्य सरकार ने फिर साफ किया है कि प्रदेश में कहीं भी उर्वरकों की दिक्कत या कमी नहीं है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों से अपील की कि खाद का भंडारण न करें। जितनी आवश्यकता है, उतना खाद लें, जब-जब आवश्यकता है, तब-तब खाद लें। हर जिले में शिकायत प्रकोष्ठ है। किसी भी परेशानी की स्थिति में अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने उर्वरक की ओवररेटिंग, कालाबाजारी करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी है।

वहीं, राज्य में खाद को लेकर मची ऊहापोह के बीच कृषि विभाग ने सभी 18 मंडलों में खाद की उपलब्धता व बिक्री की जानकारी सार्वजनिक की है। विभाग के अनुसार खरीफ सत्र 2024 में इस अवधि (18 अगस्त) तक 36.76 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री हुई थी, वहीं इस वर्ष अब तक 42.64 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री की जा चुकी है। ऐसे में पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अभी तक अधिक खाद वितरण किया जा चुका है।

दूसरी ओर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा है कि किसानों को किसी भी हाल में निराश नहीं होने दिया जाएगा। राज्य सरकार और प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना है। सीमावर्ती जिलों में खाद की तस्करी रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने दोहराया कि असली किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी, लेकिन जमाखोरी, कालाबाजारी और तस्करी करने वाले माफियाओं को हर हाल में सख्त कार्रवाई झेलनी पड़ेगी।

तीन जनपदों के जिला कृषि अधिकारी निलंबित

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में खाद और यूरिया की कोई कमी नहीं है। दिक्कत केवल जमाखोरी, कालाबाजारी और तस्करी करने वाले तत्व पैदा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 1196 फुटकर विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त किए जा चुके हैं। 132 थोक विक्रेताओं को नोटिस, 13 को निलंबन और 4 का लाइसेंस रद्द किया गया है। 93 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। सीतापुर, बलरामपुर और श्रावस्ती के जिला कृषि अधिकारियों को निलंबित किया गया है। वहीं, महाराजगंज और सिद्धार्थनगर जैसे सीमावर्ती जिलों में बड़ी संख्या में ऐसे लोग पकड़े गए हैं जिन्होंने बिना जोत के ही दर्जनों बोरी यूरिया उठा ली। मंत्री ने चेतावनी दी कि ऐसे खाद माफिया को बख्शा नहीं जाएगा।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 21 अगस्त 2025

औद्योगिक पार्कों को मिलेगी आर्थिक सहायता

फुटवियर नीति 2025 : निवेश बढ़ाने और रोज़गार सृजन के लिए वित्तीय सहायता और टैक्स में छूट का प्रावधान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य सरकार ने फुटवियर, लेदर और नॉन लेदर क्षेत्र विकास नीति-2025 के तहत निजी पार्कों को निवेश बढ़ाने और रोज़गार सृजन के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता और टैक्स में छूट दी जाएगी। सरकार ने नीति में स्पष्ट किया है कि ऐसे पार्कों को विकसित करने वाले डेवलपर्स को 25 प्रतिशत पात्र पूंजी निवेश या अधिकतम राशि के रूप में वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह मदद पार्क के आकार के अनुसार होगी।

इस नीति के जरिये सरकार चाहती है कि राज्य में बड़े पैमाने पर निजी औद्योगिक पार्कों की स्थापना हो। ऐसे पार्कों के जरिये हजारों युवाओं को रोज़गार मिलेगा। फुटवियर और लेदर सेक्टर को वैश्विक पहचान मिलेगी। यूपी निवेश का नया केंद्र बनेगा। यह नीति अधिसूचना जारी होने की तिथि से 5 साल तक प्रभावी रहेगी। इसके तहत सभी नए प्रोजेक्ट, विस्तार या विविधीकरण करने वाले औद्योगिक उपक्रम वित्तीय प्रोत्साहनों के पात्र होंगे।

नीति में शर्तें

- पार्क क्षेत्रफल के 25% हिस्से पर रहे हरियाली।
- न्यूनतम 25 एकड़ भूमि पर विकसित होना अनिवार्य।
- प्रत्येक पार्क में कम से कम 5 औद्योगिक इकाइयां होंगी।
- कोई भी इकाई 80% से अधिक भूमि का उपयोग नहीं कर सकेगी।
- कुल क्षेत्रफल का 25% हिस्सा हरियाली और सामान्य अवसंरचना के लिए सुरक्षित रखना होगा।
- 25 एकड़ से 100 एकड़ तक के पार्कों का निर्माण 5 वर्षों में पूरा करना होगा।
- 100 एकड़ एवं इससे अधिक के पार्कों का निर्माण 6 वर्षों में पूर्ण करना होगा।

मिलेगी छूट

- 25 से 100 एकड़ तक के पार्क : पात्र पूंजी निवेश का 25% या अधिकतम 45 करोड़।
- 100 एकड़ से बड़े पार्क : पात्र पूंजी निवेश का 25% या अधिकतम 80 करोड़।
- सभी पार्क विकासकर्ताओं को 100% स्टाम्प शुल्क में छूट।

इन पर नहीं मिलेगा लाभ

- भूमि की खरीद लागत।
- ईंधन, वाहन, फर्नीचर, पुरानी मशीनरी।
- अन्य सेवा शुल्क।

खर्च की गाइडलाइन

वित्तीय सहायता केवल बुनियादी ढांचा विकास पर खर्च की जा सकेगी। इसमें सड़क, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज, ड्रेनेज, बाउंड्री वॉल, पावर सप्लाई, जल आपूर्ति, बैंकिंग सुविधाएं, वेयरहाउस, होटल, हॉस्पिटल, ट्रेड फेयर/डिस्प्ले सेंटर, ट्रांसपोर्ट सुविधा और स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट जैसे कार्य शामिल होंगे।

श्रद्धांजलि...

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व . राजीव गांधी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते पार्टी के वरिष्ठ नेता पीएल पुनिया, साथ में अन्य। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

एक करोड़ से संवरेगा अतरौली का मंदिर

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अलीगढ़ में अतरौली स्थित बड़े महादेव मंदिर का एक करोड़ रुपये से सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन विकास किया जाएगा। कल्याण सिंह की जन्मस्थली अतरौली अब धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहर के नए केंद्र के रूप में उभरेगा। पर्यटन मंत्री ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर अतरौली को यह सौगात उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि एक करोड़ रुपये से न सिर्फ मंदिर परिसर का कायाकल्प होगा, बल्कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इससे स्थानीय स्तर पर पर्यटन, व्यापार और रोजगार को भी नई गति मिलेगी।

पर्यटन स्थलों पर होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : जिलों में सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर सप्ताह में एक दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। ये सांस्कृतिक कार्यक्रम अगस्त 2025 से शुरू होकर 31 मार्च, 2026 तक कराये जायेंगे। यह कार्यक्रम लोक कलाकारों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने तथा रोजी रोटी के लिए प्रस्तावित किया गया है। इसके लिए प्रति स्थल प्रतिदिन कलाकार का मानदेय 40 हजार रुपये एवं कार्यक्रम की अन्य व्यवस्थाओं के लिए 8 हजार रुपये दिये जायेंगे। यह जानकारी अपने सरकारी आवास पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक स्थल पर लगभग 15 दिन तक कार्यक्रम कराया जायेगा। इस प्रकार 21 स्थलों पर कार्यक्रम कराये जाने पर लगभग तीन करोड़ 52 लाख 80 हजार रुपये का व्यय अनुमानित है।

63 लाख महिलाओं ने की मुफ्त बस यात्रा

अमृत विचार, लखनऊ : परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि इस वर्ष रक्षाबंधन पर्व पर परिवहन निगम की बसों में 66 घंटे में 63 लाख महिलाओं, बहनों एवं बेटियों ने 15 लाख सहयात्री के साथ मुफ्त यात्रा का लाभ उठाया। यह सरकार की महिला सशक्तीकरण के प्रति संवेदनशीलता को भी दर्शाता है। परिवहन मंत्री ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उठाया गया यह कदम वास्तव में महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और सुरक्षा को नई दिशा देने वाला रहा। उन्होंने कहा कि इस दौरान निगम के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी ने पूरी लगनता एवं मेहनत के साथ कार्य करते हुए रक्षाबंधन पर्व को सफल बनाने में अपना सराहनीय योगदान दिया।

किसानों की 100 फीसदी रजिस्ट्री का लक्ष्य तय

प्रदेश में 16 सितंबर से शुरू होगा विशेष अभियान

- जिलाधिकारी करेंगे प्रतिदिन समीक्षा, फार्मर रजिस्ट्री में अब तक बिजनौर सबसे आगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री को लेकर बड़ा अभियान शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर 16 सितम्बर से प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत जिलाधिकारियों को फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति पर प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। राजस्व विभाग को निर्देश दिया गया है कि राजस्व अधिकारियों को मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) उपलब्ध कराई जाए, ताकि अधिकार अभिलेख में मालिकों के नाम को आधार के अनुसार सही किया जा सके।

राज्य में कुल 2.88 करोड़ से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का लक्ष्य रखा गया है। इसके सापेक्ष अब तक 50 प्रतिशत से अधिक लगभग 1.45 करोड़ किसानों की रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है। किसानों की फार्मर रजिस्ट्री में अब तक बिजनौर जिला सबसे आगे है, जहां 58 प्रतिशत से अधिक रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है। इसके बाद हरदोई (57.84 प्रतिशत), श्रावस्ती (57.47 प्रतिशत), पीलीभीत (56.89 प्रतिशत) और रामपुर (56.72 प्रतिशत) टॉप-5 जिलों में शामिल हैं।

वहीं, जो किसान अभी तक रजिस्ट्री का हिस्सा नहीं हैं, उनके डाटा का फील्ड ऑफिसर्स द्वारा वेरिफिकेशन किया जा रहा है। इसमें अमरोहा, आजमगढ़, बलरामपुर, एटा और जौनपुर जैसे जिलों में 100 प्रतिशत वेरिफिकेशन पूरा हो चुका है।

पिछड़ रहे जिलों पर विशेष ध्यान

राज्य सरकार ने जिलाधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों का 100 प्रतिशत पंजीकरण अगली किस्त जारी होने से पहले पूरा हो। इसके साथ ही सभी जिलाधिकारियों को व्यापक आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) गतिविधियां चलाने के भी निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को विशेष रूप से चेताया गया है कि पिछड़ रहे जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाए और लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जाएं।

सपा सरकार में आत्महत्या करते थे किसान: शाही

कहा- सपा प्रमुख को किसानों के बारे में बोलने का कोई हक नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को एक प्रेस वार्ता में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को किसानों के बारे में बोलने का कोई हक नहीं है। उनके शासनकाल में किसान न तो समय से बुवाई कर पाते थे और न ही उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की सुविधा मिलती थी। उस दौर में कर्ज में डूबे 86 लाख किसानों के 36 हजार करोड़ रुपये हमारी सरकार को माफ करने पड़े। यदि सपा सरकार इतनी ही किसान हितैषी थी तो किसानों को आत्महत्या क्यों करनी पड़ी।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

कृषि मंत्री ने यूरिया के संबध में जानकारी दी कि 18 अगस्त तक प्रदेश में 37.70 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता रही। इसमें से 31.62 लाख मीट्रिक टन की खरीद किसानों द्वारा की जा चुकी है। वहीं डीएपी की 18 अगस्त तक 9.25 लाख मी. टन की उपलब्धता रही, जिसमें से 5.38 लाख मी. टन की खरीद किसानों ने कर ली है। जबकि, एनपीके की 18 अगस्त तक 5.40 लाख मी.टन की उपलब्धता रही। इसमें से 2.39 लाख मीट्रिक टन की खरीद किसानों ने कर ली। शाही ने कहा कि राज्य सरकार हर किसान को समय से खाद और बीज उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह सक्रिय है।

किसानों को अनुदान पर मिलेंगे बीज

अमृत विचार, लखनऊ : किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने विशेष कदम उठाए हैं। इस सत्र में किसानों को 10 लाख क्विंटल गेहूं बीज अनुदान पर दिया जाएगा। गन्ना उत्पादक किसानों को शीतकालीन गन्ने के साथ सहफसली खेती के लिए 7080 क्विंटल राई और सरसों तथा 12500 क्विंटल मसूर के बीज नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा 6 .50 लाख दलहनी और तिलहनी बीज मिनीकिट तथा भारत सरकार के सहयोग से 5 .41 लाख दलहनी बीज मिनीकिट भी नि :शुल्क वितरित किए जाएंगे। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ई-लॉटरी प्रणाली अपनाई जाएगी, जिससे वास्तविक किसानों को ही लाभ मिल सके। इसके लिए किसानों को पहले से पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। तोरिया बीज मिनीकिट के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 अगस्त तय की गई है। इसके बाद 1 सितंबर से अन्य फसलों के बीज मिनीकिट के लिए पंजीकरण शुरू होगा।

एमडीए अभियान की केंद्रीय टीम ने परखी हकीकत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडी) की संयुक्त निदेशक डॉ. रिंकू शर्मा ने सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान में सुपरवाइजरी विजिट बढ़ाने और रेफ्यूजल केसों पर दैनिक आधार पर काम करने के निर्देश दिये हैं। यह बात उन्होंने रायबरेली और फतेहपुर में भ्रमण के दौरान अभियान की समीक्षा करते हुए कही।

दिल्ली से आई तीन सदस्यीय केंद्रीय टीम ने बुधवार को फतेहपुर में बिठौरा ब्लाक के भसौनी गांव का भ्रमण किया, जहां फाइलेरिया के मरीज अधिक हैं। इस गांव में दवा सेवन से इंकार करने वालों के लिए डॉ. रिंकू ने स्वास्थ्य टीम व पीएसपी सदस्यों से और कर्मठता से काम करने की हिदायत दी। केंद्रीय टीम ने बछरावां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और वहीं पर इचौली-सुभाष खेड़ा व रामपाल खेड़ा गांव का भ्रमण किया। हरचंदपुर सीएचसी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव डिघौरा का भी दौरा किया। केंद्रीय टीम में तकनीकी सहायता इकाई, प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के विशेषज्ञ शामिल थे।

कौशल विकास से आएगी आत्मनिर्भरता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि समर्पण और लगन के साथ कौशल विकास कर वे न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि समाज और प्रदेश की प्रगति में भी योगदान देंगे। उन्होंने युवाओं को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इससे पूर्व बुधवार को पुलकित खरे ने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयूजीकेवाई) के अंतर्गत लखनऊ स्थित एलएनजे इंस्टिट्यूट ऑफ स्किल्स एंड टेक्नोलॉजी के प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मिशन निदेशक ने प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव जाने और उन्हें उपलब्ध कराए जा रहे प्रशिक्षण की गुणवत्ता का आकलन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र प्रबंधक को निर्देश दिया कि पाठ्यक्रम की गुणवत्ता, प्रायोगिक गतिविधियों और रोजगार से जोड़ने वाली सुविधाओं में लगातार सुधार किया जाए।

लखनऊ स्थित एलएनजे इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स एंड टेक्नोलॉजी के प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण करते मिशन निदेशक पुलकित खरे।

प्रदेश में फिर भारी बारिश की चेतावनी

अमृत विचार, लखनऊ : मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के लिए आने वाले दिनों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हो रहे नए वेदर सिस्टम के प्रभाव से राज्य के पूर्वी-पश्चिमी दोनों संभागों में 22 से 25 अगस्त के बीच भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। इस बार भी मानसूनी बारिश दक्षिणी हिस्से से प्रवेश करेगी। इसके बाद तीन-चार दिनों के लिए बारिश का विस्तार पूरे प्रदेश में देखने को मिलेगा। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, मानसूनी रेखा फिर से उप्र. की ओर खिसकी है। इसके असर से हवाएं बंगाल की खाड़ी और अरब सागर दोनों से राज्य में पर्याप्त में नमी लेकर आएंगी।

प्रदेश में बच्चे 10 करोड़, बाल रोग विशेषज्ञ मात्र 2500

आईएपी नियोकोन का राष्ट्रीय सम्मेलन कल से, जुटेंगे बाल रोग विशेषज्ञ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में 10 करोड़ बच्चों की आबादी पर 2500 बाल रोग विशेषज्ञ हैं, जो देश के अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम हैं। पांच साल से कम आयु के बच्चों की मृत्यु का बड़ा कारण समय पर समुचित इलाज न मिलना भी है। बच्चों के बेहतर इलाज को लेकर भारतीय बाल अकादमी (आईएपी) के, नियोकोन के नियोनेटोलॉजी स्पेशिलिटी चैप्टर का 16वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन 22 से 24 अगस्त को राजधानी के एक निजी होटल में होगा। इसमें देश दुनिया से बाल रोग विशेषज्ञ आएंगे। यह जानकारी आईएपी के पूर्व अध्यक्ष और कार्यशाला आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ. संजय निरंजन ने दी।

वह बुधवार को पत्रकार वार्ता में जानकारी साझा कर रहे थे। डॉ. संजय निरंजन ने कहा कि गुजरे कुछ वर्षों में जागरुकता बढ़ी है। नतीजतन पांच साल से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में सुधार आया है, लेकिन नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में ज्यादा बदलाव नहीं आ रहा है। आयोजन समिति की सचिव डॉ. शालिनी त्रिपाठी ने बताया कि नियोनेटोलॉजी स्पेशिलिटी चैप्टर 16 साल पहले इस उद्देश्य के साथ स्थापित किया गया था। प्रदेश की एनएमआर वर्तमान में 1000 जीवित जन्मों पर 25 है। जबकि भारत की 17 है। सतत विकास के लक्ष्य, एनएमआर 12 से कम करने के लिए एक टीम के रूप में कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। डॉ. आकाश पंडिता ने बताया कि 22 अगस्त को जनपद के विभिन्न सरकारी व निजी चिकित्सा संस्थानों 800 बाल विशेषज्ञ प्रतिभाग करेंगे।

लखनऊ में प्रेसवार्ता में जानकारी देते डॉ . संजय निरंजन, साथ में अन्य।

युवाओं को रोजगार के साथ नियोक्ताओं को भी प्रोत्साहन देगा ईपीएफओ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने लालकिले से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) की औपचारिक शुरुआत की। इस योजना का उद्देश्य देश के युवाओं को संगठित क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराना और सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाना है।

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत पहली बार ईपीएफओ में पंजीकृत होने वाले कर्मचारियों को अधिकतम 15,000 तक का प्रोत्साहन दो किस्तों में दिया जाएगा। पहली किस्त 6 माह की सेवा पूरी होने पर और दूसरी किस्त 12 माह की सेवा के साथ वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रदान की जाएगी। नियोक्ताओं को भी प्रति अतिरिक्त रोजगार 3,000 रुपये प्रतिमाह तक प्रोत्साहन दिया जाएगा, जो सामान्य क्षेत्र में 2 वर्षों और विनिर्माण क्षेत्र में 4 वर्षों तक मिलेगा। प्रोत्साहन राशि वेतन के स्लैब के अनुसार 1,000 से 3,000 रुपये प्रतिमाह तक होगी। यह योजना 1 लाख रुपये तक वेतन पाने वाले कर्मचारियों पर लागू होगी।

- क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रेस वार्ता कर बताईं प्राथमिकताएं

उन्होंने बताया कि लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी और रायबरेली जिलों में 37,926 पंजीकृत प्रतिष्ठान हैं, जिनमें से 7,087 सक्रिय योगदानकर्ता हैं और 5 लाख से अधिक कर्मचारी सक्रिय यूएएन धारक हैं। क्षेत्रीय कार्यालय ने पिछले चार महीनों में 1.88 लाख से अधिक दावे निस्तारित कर 498 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की है। योजना का लाभ उठाने के लिए प्रतिष्ठानों को नए कर्मचारियों की नियुक्ति करनी होगी। योजना की विस्तृत जानकारी के लिए 18 अगस्त को pmvbry.epfindia.gov.in पोर्टल शुरू किया गया है।

मंथन | यूपीएसआईएफएस में तीन दिनी सेमिनार के अंतिम दिन एक्सपर्ट्स ने कई प्रमुख विषयों पर पैनल डिस्कशन में लिया हिस्सा

चीन, पाकिस्तान की 'ऑफेंसिव स्ट्रैटेजी' का मुकाबला करना जरूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य सरकार भविष्य आधारित तकनीकों के प्रयोग के जरिए प्रदेश के समक्ष उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का सामना करने की तैयारी कर रही है। इस दिशा में उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेस (यूपीएसआईएफएस) में तीन दिवसीय सेमिनार के तीसरे व अंतिम दिन बुधवार को कई अहम विषयों पर लेकर चर्चा हुई। इसमें साइबर सुरक्षा से लेकर फॉरेंसिक साइंस की उन्नति से लेकर कई विषयों पर पैनल डिस्कशन का आयोजन हुआ, जिसमें जीनोम मैपिंग, जिनियोलॉजिकल डाटाबेस निर्माण, एआई व आंत्रप्रेन्योरशिप जैसे मुद्दे प्रमुख रहे।

इसी कड़ी में साइबर क्राइम को लेकर एक्सपर्ट्स ने माना कि चीन-पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों की ओर से भारत की साइबर सुरक्षा में सेंध लगाने की बढ़ती कोशिशों पर लगाम लगाने की जरूरत है। एक्सपर्ट्स ने माना कि चीन-पाकिस्तान की ऑफेंसिव स्ट्रैटेजी का सामना करने के लिए भारत को तेजी से सिक्योर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करनेकी जरूरत है। साइबर क्राइम की सबसे अहम कड़ी साइबर किल चेन को रक्तबीज बताते हुए उन्होंने कहा कि इसे वैश्विक प्रयासों के जरिए ही तोड़ा जा सकता है। वहीं, फॉरेंसिक की फील्ड में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भविष्य आधारित तकनीकों के प्रयोग के जरिए पीड़ितों को न्याय व सहायता दिलाने के साथ दोषियों को दंड दिलाने पर जोर दिया गया।

ऑस्ट्रेलिया के साइबर एक्सपर्ट रॉबी अब्राहम ने वर्चुअल माध्यम से पैनल डिस्कशन में जुड़कर हैकिंग की बदलती प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। इसे रोकने के लिए रेगुलर सिक्योरिटी ट्रेनिंग, सभी अकाउंट को एमएफए इनेबल करना, एंटीवायरस का इस्तेमाल, ई-मेल और मैसेज के प्रति सजग रहकर साइबर हैकिंग और फ्रॉड से बचा जा सकता है।

छोटा सा परिवर्तन डाल सकता है बड़ा प्रभाव

बुधवार को पैनल डिस्कशन में हिस्सा लेते हुए महाराष्ट्र के प्रमुख सचिव ब्रजेश सिंह ने साइबर खतरे व पुलिसिंग के वैश्विक परिदृश्य को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दुनिया में आज छोटा सा परिवर्तन बहुत बड़ा इंपैक्ट ला सकता है। हिज्बुल्ला पेजर अटैक इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा कि साइबर किल चेन रक्तबीज की तरह है। भारत का सबसे बड़े पोर्ट यानी 3 महीने के लिए जीएनपीटी का पोर्ट ऑपरेट नहीं हो पाया एक मालवेयर के कारण। यह साइबर किल चेन का उदाहरण था। साइबर क्राइम इंफ्रास्ट्रक्चर को वैश्विक प्रयासों के जरिए ही तोड़ा जा सकता है। उन्होंने बताया कि लॉकबिट को तोड़ने के लिए 11 देशों की सुरक्षा एजेंसियों को साथ आकर काम करना पड़ा।

इन पैनलिस्ट्स ने रखा अपना पक्ष

कार्यक्रम में एनसेस्ट्री इंटरफेस व फॉरेंसिक केसवर्क के विभिन्न पहलुओं पर सीडीआरआई लखनऊ के साइंटिस्ट राजेंद्र सिंह, आईईएसआर नोएडा के सीईओ आशीष दूबे, बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलेयोसाइंसेस लखनऊ के साइंटिस्ट डॉ . नीरज राय व हैदराबाद के बायोएक्सिस कंपनी के सीईओ अमित कुमार ने अपना पक्ष रखा। जबकि, फॉरेंसिक आंत्रप्रेन्योरशिप के लेकर अमेरिकी साइबर एक्सपर्ट पवन शर्मा, आईआईआईटी लखनऊ के निदेशक एएम शेरी, बायोटॉक्स सॉल्यूशन के निदेशक शिव पूजन, एसआईएफएस नई दिल्ली के सीईओ रंजीत सिंह ने युवाओं को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में पैनसलिस्ट्स के साथ ही यूपीएसआईएफएस के एडिशनल डायरेक्टर राजीव मल्होत्रा, छात्र-छात्राएं व स्टाफ मौजूद रहे।

फील्ड में जाकर उपभोक्ताओं से मिलें अधिकारी : ऊर्जा मंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विभाग के अधिकारियों को चेताया है कि वे दफ्तरों तक सीमित न रहकर फील्ड में उतरकर अपनी सक्रियता दिखाएं। यह भी हिदायत दी कि अधिकारी मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति देखें और उपभोक्ताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें।

एके शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक हुई। इस मौके पर ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट और कड़े निर्देश देते हुए कहा कि विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा एवं संतोष ही हमारी प्राथमिकता है। सरकार की मंशा है कि हर घर तक निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो, ऊर्जा मंत्री ने विशेष रूप से 1912 उपभोक्ता सेवा हेल्पलाइन का उल्लेख करते हुए कहा कि इस नंबर पर आने वाली हर शिकायत को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि शिकायतों की अनदेखी या लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जायेगी और ऐसी स्थिति में जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

- विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

करंट की चपेट में आने से भाई-बहन की चली गई जान, मचा कोहराम

गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव नेकपुर कायस्त का मामला, दो बहनों में एकलौता था भाई

कार्यालय संवाददाता, जलालाबाद

अमृत विचार। इंवर्टर का तार लगाते समय लगे करेंट से भाई वहन की मौत हो गई। बताया जाता है कि पहले बहन चिपक गई, बचाने पहुंचा भाई भी चपेट में आ गया। इससे दोनों की मौत हो गई। जानकारी पर परिजन जिला अस्पताल लाये जहां डाक्टर ने मौत की पुष्टि की। मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।

गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्रके गांव नेकपुर कायस्त निवासी दिनेशचंद्र की पुत्री नेहा (17) घर में लगे इंवर्टर का तार ठीक कर रही थी। इसी दौरान उसे बिजली का करंट लग गया। इससे वह चिपक गई। इसी बीच शौच कर शौचालय से निकला नेहा का भाई सनी (19) ने जब बहन को बिजली का करंट लगा देखा तो वह बचाने पहुंच गया। उसने बहन को बचाने का प्रयास किया तो वह भी करंट की चपेट में आ कर चिपक गया। इससे दोनों की मौत हो गई। घर में मौजूद सबसे छोटी बहन कमरे में सो रही थी। जब उसकी नीद खुली तो उसने देखा कि भाई व बहन दोनों बिजली के करेंट की चपेट में हैं। इस पर उसने घर के बाहर निकल कर शोर मचाया तो गांव के कई लोग घर पहुंचे तो देखा कि भाई बहन की बिजली से चिपक कर मौत हो चुकी है। इस पर कुछ लोगों ने उपकेंद्र में फोन कर बिजली कटवाई। इसके बाद दोनों को करंट की चपेट से हटाया गया। इसके बाद गांव के लोग दोनों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डाक्टर ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सगे संबंधी व गांव के लोग जिला अस्पताल पहुंच गये। बताया जाता है कि मृतकों की मां कुछ दिन से बीमार थी उसका निजी अस्पताल में भर्ती होकर इलाज चल रहा था। घर में दोनों बहनें व भाई ही थे। मौत की सूचना पर मां भी निजी अस्पताल से छुट्टी करा कर जिला अस्पताल पहुंच गई। मृतक सनी उर्फ राजन बीएससी का छात्र था। जबकि नेहा इंटरमीडिएट की छात्रा थी। पिता दिनेश दोहरे नेपाल की एक प्राइवेट कंपनी में मजदूरी का काम करता है। जबकि मां नेमा देवी मिरगांवा में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पद पर कार्यरत है। जिला अस्पताल के डॉक्टर ने शव को पोस्टमार्टम के लिये रोक लिया। इसके बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। इसके बाद परिजन शव को घर ले गये।

घटना स्थल पर लोगों से वार्ता करते अतिरिक्त निरीक्षक। अमृत विचार

नेहा।

सनी।

न्यूज ब्रीफ

इंदरगढ़ थानाध्यक्ष पर गिरी 'गाज'

कन्नौज। बिजली करंट से युवक की मौत के बाद हुई बबाल के मामले में एसपी की कार्रवाई जारी है। इसी मामले को मान कर इंदरगढ़ थानाध्यक्ष पारुल चौधरी को हटा दिया गया है। एसपी विनोद कुमार ने सदर कोतवाली की कला चौकी प्रभारी नीलम सिंह को इंदरगढ़ थानाध्यक्ष का चार्ज दिया गया है। इसी तरह तिर्वा कोतवाली के अतिरिक्त निरीक्षक राधेश्याम को बिशुनगढ़ थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। इसी तरह सदर कोतवाली की कुसुमखोर चौकी प्रभारी विनय कुमार शर्मा को सकरावां थानाध्यक्षकी जिम्मेदारी दी गई है।

मंडल स्तरीय कुश्ती के लिए दीपांशु का चयन

छिबरामऊ। जगदीश्वर दयाल जनता इंटर कालेज के छात्र दीपाशु का चयन मंडल स्तरीय कुश्ती के लिए हुआ है। आदर्श इंटर कॉलेज ठठिया में आयोजित अण्डर 17 जिलास्तरीप कुश्ती प्रतियोगिता में दीपांशु ने प्रतिभाग किया और वहां के छात्र को पटकनी देकर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दीपांशु का चयन मण्डल स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए किया गया। प्रधानाचार्य ज्ञानेश चन्द्र दुबे व पीटीआई खीन्द्र कुमार स्वर्णकार ने दीपांशु को बधाई दी एवं उत्साहवर्धन किया।

महिला के साथ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

छिबरामऊ। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कपूरपुर में सोमवार शाम करीब 4 बजे सैरुन्ना पत्नी लियाकत खां के घर में फिरोज बेगम उर्फ राबिया, सादाब, साहबाज और फरहान ने घुसकर मारपीट की। इससे सैरुन्ना उनके पति लियाकत, सास साबरा बेगम और पुत्र फरमान को गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने 1850 रुपये, एक जोड़ी तोड़िया और पर्स लूट लिया।

खेत में मिला युवक का शव, कोहराम

छिबरामऊ। भाऊलपुर गांव में मंगलवार देर रात खेत में धान की फसल में पानी लगाने गए 30 वर्षीय चांद बाबू का शव बुधवार सुबह खेत में पड़ा मिला। चांद बाबू शांत स्वभाव का था और उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है, लेकिन परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विष्णु कांत तिवारी ने जांच शुरू की।

पूर्व पालिकाध्यक्ष की पत्नी के निधन से शोक

गुरसहायगंज। पूर्व पालिकाध्यक्ष की पत्नी के निधन से नगर सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। देर शाम गंगा घाट पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। पूर्व पालिकाध्यक्ष महेन्द्र कुमार आर्य की पत्नी शकुंतला देवी आर्य (57) की बुधवार सुबह मोहल्ला रामकृष्ण नगर स्थित आवास पर असमय मौत हो गई। निधन का समाचार मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। क्षेत्र के लोगों में शोक व्याप्त हो गया।

छत से गिरी महिला की इलाज के दौरान मौत

सौरिख। महिला छत से गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई, परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई।

विकास खंड हसेरन की ग्राम पंचायत नादेमऊ कस्बे में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे परिवार को गहरे शोक में डाल दिया। कस्बे की रहने वाली विमलेश कुमारी (52 वर्ष) पत्नी शेर सिंह 17 अगस्त को कपड़े सुखाने के लिए छत पर गई थीं। तभी बंदर के हमले के वाद अचानक पैर फिसल जाने से वह छत से नीचे गिर गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन उन्हें पहले नादेमऊ में उपचार के लिए ले गए, फिर हालत बिगड़ने पर आगरा के एक अस्पताल में भर्ती कराया। वहां भी आराम न मिलने पर डॉक्टरों ने बड़े अस्पताल में ले जाने की सलाह दी। इसके बाद परिजन 18 अगस्त को उन्हें कानपुर रीजेंसी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज शुरू किया गया। डॉक्टरों ने काफी कोशिश की, लेकिन गहरी चोटों के कारण उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई और 20 अगस्त की रात करीब 2 बजे विमलेश कुमारी ने अंतिम सांस ली उनकी मौत की खबर मिलते ही पूरे परिवार में मातम छा गया।

लंबित प्रकरणों पर नहीं दिया गया सही जवाब

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने नवीन पेट्रोल पंप के लिए आए लंबित आवेदनों को लेकर बैठक की। ऑयल कंपनियों से नए पंपों के लिए विभिन्न विभागों के 26 प्रकरण लंबित मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने प्रभागीय वनाधिकारी के 18 आवेदन लंबित होने पर क्षेत्रीय वनाधिकारी (कन्नौज सदर) लल्लू सिंह की ओर से संतोषजनक जवाब न देने पर नाराजगी व्यक्त कर एडवर्स एंट्री दिए जाने के निर्देश दिए। एनएचएआई के अधिशासी अभियंता राजकुमार वर्मा के 6 प्रकरण काफी समय से लंबित मिलने पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने 3 कार्य दिवस में निस्तारण कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रकरणों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता बरती गई तो संबंधित के विरूद्ध कार्रवाई के लिए शासन को लिखा जाएगा। इसी कड़ी में नगर निकाय गुरसहायगंज, छिबरामऊ, तिर्वा के प्रकरणों के निस्तारण में गति मिलने पर प्रशंसा करते हुए संबंधित को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित करने को कहा। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी राजीव मिश्र को निर्देश दिए कि संबंधित विभागों से एनओसी प्राप्त करने से संबंधित पत्राचार के दौरान आवेदक का नाम, मोबाइल नंबर अवश्य शेयर किया जाए, जिससे संबंधित विभागों को भौतिक सत्यापन एवं एनओसी जारी करने में सुगमता हो। बैठक में एडीएम (वि./रा.) आशीष सिंह, एसडीएम सदर वैशाली उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री व अन्य।

नुमाइश में आसमानी झूले से गिर कर तीन दोस्त घायल

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। तालग्राम कस्बे में लगी नुमाइश में लगे आसमानी झुले से गिर कर तीन दोस्त घायल हो गये। एक गंभीर युवक को मेडिकल कालेज रेफर किया गया जबकि दो को सीएचसी में उपचार दिया गया।

तालग्राम कस्बे में कई वर्षों से नुमाइश लगती आ रही है। इसमें रात के समय काफी भीड होती है। नुमाइश में सैकड़ों की तादात में दुकाने व आकाशीय झूले भी लगते हैं। इससे नुमाइश देखने के लिये लोगों की काफी भीड लगती है। मंगलवार की रात तालग्राम कस्बे के मोहल्ला कटरा निवासी चचेरे भाई सुदीप सक्सेना (20) पुत्र मोती सक्सेना और राहुल (15) पुत्र मुकेश सक्सेना निवासी मोहल्ला कटरा व दोस्त नितिन (13) निवासी मोहल्ला गढ़ी गोखर कस्बा व थाना तालग्राम भी नुमाइश देखने गये थे। रात 12 बजे के करीब तीनों आकाशीय झूला झूलने के लिये बैठ गये। झूले के संचालक ने जैसे ही झूला चलाया तो झूले की सीट में सुरक्षा की दृष्टि से लगी राड फंस गई। इससे झूला ऊपर पहुंचने के बाद पलट गया। इससे तीनों करीव 50 फिट की उंचाई से नीचे आ गिरे। चलते झूले से तीन लोग नीचे गिरते ही नुमाइश में हडकंप मच गया। झूला संचालक ने किसी तरह झूले को रोका। इसके बाद तीनों घायलों को उठाया गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस के सहयोग से तीनों को सीएचसी तालग्राम में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद सुदीप को गंभीर हालत में मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। जबकि राहुल व नितिन को सीएचसी में उपचार दिया गया। दुर्घटना के बाद नुमाइश में अफरा तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने झूला संचालक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उधर घटना की जानकारी पर परिजन ,सीएचसी पहुंच गये। इसके बाद कुछ परिजन मेडिकल कालेज पहुंचे। बताया जाता है कि सुदीप की कमर की हड्डी टूटी है।

पहले भी हो चुका यहां हादसा

- **कन्नौज।** बीते वर्ष इसी नुमाइश में बडा हादसा हो चुका है। इसके बाद भी झूला संचालकों ने उस घटना से सबक नहीं लिया। बताया जाता है कि बीते वर्ष नुमाइश में झूलाझूल रही तालग्राम थाना क्षेत्र के माधौनगर की निवासी अनराधा(13) झूला पर बैठी थी। इसी दौरान उसके बाल झूले के वेलन में फंस गये थे। इससे उसके सभी बाल उखड गये। वह खून से लथपथ हो गई थी। इसके बाद उसका कानपुर व लखनऊ में कई माह इलाज चला था।

कार की टक्कर से बाइक सवार शिक्षक की मौत, बेटी घायल

छिबरामऊ। सूर्योदय भारत सौरिख रोड पर अंकुर इण्टर नेशनल स्कूल के पास कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार शिक्षक की मौके पर मौत हो गई। गम्भीर हालत में घायल बेटी को इलाज के लिए कानपुर रेफर कर दिया गया। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

विशुनगढ़ थाना क्षेत्र के गांव प्रानपुर पल्यौरा निवासी श्याम सिंह यादव पुत्र जगन्नाथ शहर के हीरालाल वीएन इण्टर कालेज में शिक्षक थे। वह परिवार के साथ शहर के ग्रेसीगंज मोहल्ले में रहते थे। मंगलवार की देर शाम बेटी प्रियांशी के साथ बाइक से गांव जा रहे थे। तभी अंकुर इण्टर नेशनल स्कूल के पास पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। इससे शिक्षक की मौके पर मौत हो गई। बेटी गम्भीर रूप से घायल ही गई। यहां मौजूद लोग दोनों को सौ शैय्या अस्पताल ले आए। यहां डॉक्टरों ने शिक्षक को मृत घोषित कर दिया। पति की मौत से पत्नी रन्नो देवी का रो-रोकर बुरा हाल था।

खेतों तक नहीं आ रहा नहर का पानी, किसानों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता सौरिख, कन्नौज।

- **परेशानी : 20 दिन से बारिश न होने की वजह से सूखने लगी धान की फसल**

अमृत विचार। नहर का पानी खेतों तक न पहुंचने से परेशान किसानों ने प्रदर्शन कर नहर विभाग से खेतों तक पानी पहुंचाने की मांग की है। किसानों ने शीघ्र समाधान नहीं होने पर सौरिख ब्लॉक मुख्यालय खड़नी में अनिश्चित कालीन धरने की भी चेतावनी दी है।

निचली गंग नहर खड़नी से होकर निकली है। वर्तमान समय में जहां एक ओर जल प्रलय से हाहाकार मचा हुआ है, वहीं दूसरी ओर पानी के अभाव में खेतों में खड़ी फसलें सूख कर बर्बाद हो रही हैं। किसानों ने इस सब के पीछे प्रशासन व सरकार की कार्य प्रणाली को जिम्मेदार ठहराया है। कहा नहर का पानी खेतों तक न पहुंचने से सूखती फसलों को देख किसान परेशान हो रहे हैं। इसीके चलते उन्होंने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन से माइनर के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाने की मांग की है। खड़नी क्षेत्र के गांव में बड़ी मात्रा में किसानों द्वारा धान की फसल की रोपाई की गई थी। 20 दिन से बारिश न होने की वजह से अब धान की फसल सूखने लगी है। क्षेत्र से निकले सरैया माइनर में गत वर्ष से पानी नहीं छोड़ा गया। कई बार किसानों के द्वारा इस माइनर में विभाग व प्रशासन से पानी छुड़वाए जाने की मांग होती रहती है परन्तु सिंचाई विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है । समस्या से पीड़ित गांवों में खटकरी, बसवारी, मौदामई, ककलई, ब्राहीमपुर ,निजामपुर, खरगपुर, बिल्नदपुर, राजपुर, जसपुरा, नगला तोरन, ग्यासपुर, रुर, कक रहिया आदि गांव के किसानों ने नहर के किनारे खड़े होकर प्रदर्शन किया और नहर विभाग से माइनर में पानी छोड़े जाने की मांग की है। पीड़ित किसान राजवीर सिंह, अमिताभ सिंह, रण प्रताप सिंह, राजू कठेरिया, कुलदीप कठेरिया, दलीप सिंह, ज्ञानेन्द्र सिंह का कहना है समस्या का समाधान नहीं हुआ तो खड़नी में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

उर्वरक अधिक दाम में करते बिक्री, साथ में देते सामग्री

कन्नौज। कृषि भवन सभागार में किसान दिवस हुआ। उदैतापुर निवासी किसान मान सिंह ने खाद की समस्या उठाई, कहा दुकानदार उर्वरक के निर्धारित दाम से अधिक लेते हैं। अन्य सामग्री टैग कर देते हैं।

इस पर डीडी कृषि संतोष कुमार ने बताया कि जनपद में उर्वरक पर्याप्त उपलब्ध है यदि कोई विक्रेता ओवर रेटिंग एवं टैगिंग करता है तो इसकी शिकायत तत्काल मोबाइल/लिखित करें, ताकि संबंधित दुकानदार के विरुद्ध कार्रवाई की जा सके। अखिलेश दुबे, निवासी मोचीपुर्वा ने मंडी समिति में लगे कांटे की तौल न मानने की समस्या रखी। मंडी समिति के प्रतिनिधि के न होने से समस्या का निदान नहीं हो सका। 21 अगस्त को मंडी का निरीक्षण किसानों के साथ किया जाना तय किया गया। दिनेश चंद्र द्विवेदी निवासी ग्राम सारोतोप ने फार्मर रजिस्ट्री कराने में आ रही समस्या रखी। इस पर उप कृषि निदेशक ने जन सेवा केंद्र के प्रतिनिधि को बुलाकर मौके पर ही समस्या का समाधान कराया।

कला उत्सव में गोमती देवी बालिका इंटर कॉलेज का दबदबा

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिला स्तरीय कला उत्सव शहर के कन्हैया लाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हुआ। समग्र शिक्षा माध्यमिक ने 12 विधाओं में एकल एवं समूह में प्रतियोगिता हुईं। प्रथम स्थान पर 11 प्रतिभागी आए। शहर के गोमती देवी बालिका इंटर कॉलेज का दबदबा रहा। संगीत गायन एकल में नित्या सिंह भदौरिया, सुशील देवी बालिका इंटर कॉलेज प्रथम रहीं। संगीत गायन समूह में पल्लवी, कंचन, कामिनी शहर के गोमती देवी बालिका इंटर कॉलेज अव्वल रहा। संगीत गायन तंत्री एकल में खुशबू वर्मा गोमती देवी बालिका इंटर कॉलेज, संगीत वादन तल में श्रेयस मिश्रा कानपुर पब्लिक स्कूल, नृत्य एकल में आराध्या तिवारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज छिबरामऊ का पहला स्थान रहा। नृत्य समूह में खुशी, नंदनी व पलक गोमती देवी बालिका इंटर कॉलेज, नाटक समूह में मनाली, स्वेता, रंजना व आकांक्षा गोमती देवी बालिका इंटर कॉलेज, दृश्य कला एकल में स्वामी एकसरानंद इंटर कॉलेज तेराजाकेट ने पहले नंबर पर कब्जा जमाया। दृश्य कला एकल में रूपेश कुमार केके इंटर कॉलेज, दृश्य कला समूह में अंशिका राजपूत व चित्रा सुशीला देवी बालिका इंटर कॉलेज और पारंपरिक कहानी गायन में जितेंद्र राठौर व सुमित सरदार पटेल इंटर कॉलेज कचाटीपुर का नाम शामिल है। इस मौके पर प्रधानाचार्य जितेंद्र पांडेय, अजय कुमार जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक मौजूद रहे। प्रथम स्थान पर के प्रतिभागी मंडल स्तर पर जाएंगे।

पुरस्कार मिलने के बाद खुशी जताते छात्र-छात्राएं और पीछे खड़े शिक्षक-शिक्षिकाएं।

योग प्रशिक्षण शिविर में मौजूद छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

छात्र-छात्राओं को दिया योग प्रशिक्षण

छिबरामऊ। बुधवार सुबह 7:30 बजे जनता इंटर कॉलेज में जिला योग प्रभारी सतराम यादव ने छात्र-छात्राओं को योग कराया। उन्होंने बताया कि योग से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को कपालभाति, सूर्य नमस्कार, भ्रामरी, वज्रासन और ब्रह्मचर्य जैसे आसनों का अभ्यास कराया गया। सतराम यादव ने स्वस्थ जीवन के लिए समय पर भोजन और नींद की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को देश और राष्ट्र के लिए लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ज्ञानेश दुबे, कमल सिंह यादव, राम महेश पाल, योगेंद्र सिंह यादव आदि उपस्थित रहे।

भ्रामक अफवाह फैलाई तो लगेगा गैंगस्टर

कन्नौज। जिले के समस्त थानों में चोर आने तथा ड्रोन उडने की भ्रामक सूचनाओं के बारे में चौपाल लगाकर लोगों को जागरुक किया गया। एसपी विनोद कुमार ने जनपद में मिल रहीं चोर आने तथा ड्रोन उडने की भ्रामक सूचनाओं पर लगाम लगाने व लोगों को जागरुक करने का अभियान चला दिया है। इसके लिये क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारियों ने 50 से अधिक गांव/मोहल्लों में जाकर लोगों को एकत्रित कर चौपाल लगा प्रयास किया है। लोगों को हिदायत दी कि यदि किसी भी व्यक्ति के द्वारा इस तरह की भ्रामक सूचना/अफवाह फैलाई गयी तो उसके विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम/गैंगस्टर एक्ट आदि के अन्तर्गत वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

जयंती

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को कांग्रेसियों ने किया याद

'हिंदुस्तान की आत्मा में वह सदैव अमर रहेंगे'

संवाददाता गुरसहायगंज, कन्नौज

अमृत विचार। संचार क्रांति के नायक देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव विजय मिश्र ने विद्यालय में पौधरोपण किया।

बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव विजय मिश्र ने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के शिल्पकार थे। देश में उन्हें संचार क्रांति का नायक कहा जाता है। गांवों के सर्वांगीण विकास में उनका बड़ा योगदान है। उन्होंने 18 वर्ष के युवाओं को मत का अधिकार दिया। उनके द्वारा देश में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए गए। जिन्हें देशवासी कभी भूल नहीं सकते हैं। हिंदुस्तान की आत्मा में वह सदैव अमर रहेंगे। पूर्व नगर अध्यक्ष संजीव दुबे मुन्ना ने कहा कि राजीव गांधी ने युवाओं को दृष्टिगत रखते हुए बहुत अच्छे कार्य किए। आज जो युवा मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर चला रहे हैं वह राजीव गांधी की ही देन है। इस अवसर पर प्रबल प्रताप सिंह, सतीश चंद्र, प्रदीप मिश्रा, शिवकुमार वर्मा, एसएन मिश्रा, कमलेश कुमार, अतुल मिश्रा, रामू त्रिपाठी, श्रुति मिश्रा, सीमा मिश्रा, दिलीप शुक्ला, प्रभात बाथम सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जयंती पर पौधारोपण करते कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव व अन्य।

पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती मनाते कांग्रेसी नेता। अमृत विचार

पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर मरीजों को बांटे फल

- **छिबरामऊ।** स्थानीय कांग्रेस कार्यालय, देवीसहाय मार्केट में श्रद्धापूर्वक पूर्व प्रधानमुत्री राजीवगांधी की जयंती मनाई गई।। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने सौ शैया अस्पताल में मरीजों को फल और बिस्किट वितरित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विनोद कुमार दुबे (पप्पू) ने कहा कि राजीव गांधी ने युवाओं को 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार देकर लोकतंत्र को सशक्त किया। यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष अम्बुज शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस का देश के विकास में अतुलनीय योगदान है। संजय पौल ने अम्बुज शुक्ला के नेतृत्व में यूथ कांग्रेस के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर भाजपा, सपा और बसपा के लगभग दो दर्जन नेताओं राहुल शाक्य, अंशू यादव, यश चतुर्वेदी, अभिषेक चतुर्वेदी, अतुल यादव आदि मौजूद रहे।

छठी भोज पर कन्याओं को भोज कराते समाजसेवी इन्द्र कुमार गुप्ता।

धूमधाम से मनाई गई प्रभु की छठी

संवाददाता गुरसहायगंज, कन्नौज

अमृत विचार। श्रीकृष्ण जन्म के उपरान्त नगर के सती माता मंदिर में छठी कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम से किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर मंगल गीत गाए बधाईयां गाईं।

बुधवार को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की छटी पर नगर के सर्विस रोड स्थित सती माता मंदिर में समाजसेवी अशोक कुमार गुप्ता ने धर्मपत्नी पालिकाध्यक्षा मुन्नी देवी गुप्ता के साथ कान्हा की पूजा अर्चना कर आरती वंदना की। इसके बाद छटी पर विशाल भंडारा का आयोजन किया। जिसमें सैकड़ों कन्याओं व ब्राहमणों को फल, मिष्ठान, दक्षिणा, अंग वस्त्र आदि भेंट किया गया। जबकि देर रात तक चले भण्डारे में सैकडों महिला व पुरुष भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर श्री कृष्ण की आरती वन्दना की। महिला पुरुष भक्तों ने मंगल गीत गाकर एक दूसरे को बधाई दी और कान्हा की पूजा अर्चना की। इस दौरान पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, नीरज मिश्रा, सागर अग्रवाल, धर्मेन्द्र कौशल, संतोष चतुर्वेदी, देवेन्द्र देव आदि मौजूद रहे।

New DASTAK Classes
दस्तक, आपके सफलता की
The classes are known for preparing students for various exams like
SSC, BANK, UPSI, UPP
Address: Sharada Nagar Crossing No 9, Infront of Anurag Hospital, Kakadeo Kanpur Uttar Pradesh.
CONTACT: 7607780084, 7080270066
Vikash Pathak

अमृत विचार
कानपुर, गुरुवार, 21 अगस्त 2025
फर्रुखाबाद

न्यूज ब्रीफ

दुर्घटना में घायल किसान की मौत

फर्रुखाबाद । नवनिर्वाचित नगर पंचायत खिमसेपुर वार्ड संख्या 7 शिवाजी नगर निवासी सुरेश कुमार के पुत्र सुनील कुमार ने कोतवाली मोहम्मदाबाद में अपने भाई राजेश कुमार की मौत की सूचना दी। बताया कि 19 जून को इटावा बरेली हाईवे पर पसनिगपुर से लौटते समय नगला बाग रठौरा के सामने किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे भाई राजेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसका प्राइवेट हॉस्पिटल मोहम्मदाबाद, फर्रुखाबाद व कानपुर से इलाज करवाया । पीड़ित को आराम न मिलने पर सैफई ले गए थे, सैफई में इलाज के दौरान 20 अगस्त को भाई राजेश कुमार ने दम तोड़ दिया ।

बाढ़ पीड़ित गांव में बांटी राहत सामग्री

राजेपुर । जिला पंचायत सदस्य ने बाढ़ पीड़ितों की मदद का बीड़ा उठाया है। उन्होंने कहा है कि हम लगातार जन सेवा में लगे हुए और निरंतर जन सेवा करेंगे। अपनी टीम के साथ हमीरपुर, सुगनापुर, माखन नगला ,मीगन नगला गांव में नि :शुल्क भोजन वितरण शुरू किया है। उनका कहना है कि बाढ़ का पानी कम होने पर भी भोजन एवं राहत सामग्री पहुंचाने का कार्य जारी रहेगा। जिला पंचायत सदस्य नाव से बाढ़ग्रस्त इलाकों में जा रहे हैं। वह बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को भोजन पैकेट बांट रहे हैं। साथ ही उनकी समस्याएं भी सुन रहे हैं।

नवजात बच्ची मिलने से मचा हड़कंप

अमृतपुर । राजेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डबरी तिराहे पर एक नवजात बच्ची जीवित अवस्था में कपड़ों में लिपटी हुई झाड़ियो में पड़ी मिली।

जानकारी के अनुसार ग्राम डबरी निवासी वीरपाल अपने खेतों की तरफ जा रहे थे। तभी झाड़ियों मे उन्हें बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। वह आवाज की तरफ चलकर गए। वहां पर उन्होंने देखा एक नवजात बच्ची कपड़े मे लिपटी पड़ी थी। उसके आसपास कोई नहीं था। उन्होंने उस बच्ची को उठाया और अपने घर ले आए। बच्ची के शरीर पर मिट्टी के साथ साथ चीटियां भी लिपटी हुई थी। सूचना पर कार्यवाहक थाना अध्यक्ष कामता प्रसाद मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का जायजा लिया और उस मासूम बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजेपुर में लेकर गए।

बैडमिंटन में मोहम्मदाबाद व बढ़पुर का रहा दबदबा

ब्रह्मदत्त द्विवेदी स्टेडियम फतेहगढ़ में बुधवार को हुई प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। बुधवार को ब्रह्मदत्त द्विवेदी स्टेडियम फतेहगढ़ में बैडमिंटन एवं कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में परिषदीय विद्यालय के छात्र/ छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला क्रीड़ा अधिकारी कर्मवीर सिंह ने भी किया एवं समापन अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनुपम अवस्थी ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर जिला व्यायाम शिक्षक संजीव कटियार ,कुलदीप यादव ,अरुण यादव ,मनीष कुमार, आलोक कुमार ,संजीव कुमार अतुल कटियार ,अवधेश ,विमलेश ,बीना गौतम, सत्यवीर ,आदि लोग मौजूद रहे। विजेता खिलाड़ियों का विवरण इस प्रकार है।

बैडमिंटन बालिका विजेता रोली विजेता,उप विजेता शिखा, बैडमिंटन बालिका युगल विजेता रोली व रानी उप विजेता शिखा व ज्योती, बैडमिंटन बालक एकल विजेता रजत और उप विजेता अमोघ रहे। बैडमिंटन युगल

विजेता उप विजेता टीम। अमृत विचार

रजत व जाविद और उप विजेता मंकेश बाबू व मो मुस्तफा रहे। 30 किलो कुश्ती बालिका वर्ग में प्राथमिक विद्यालय बढ़पुर विजेता और उपविजेता प्राथमिक विद्यालय मोहम्दाबाद रहा। 30,33 किलो कुश्ती में बढ़पुर और उप विजेता में प्राथमिक स्कूल मोहम्मदाबाद रहा।

33,36 किलो प्राथमिक स्कूल बढ़पुर विजेता रहा। 36,39 किलो मोहनदाबाद विजेता और उपविजेता प्राथमिक स्कूल बढ़पुर रहा। 39,42 किलो में मोहम्मदाबाद विजेता और बढ़पुर उप विजेता रहा।

बालक वर्ग कुश्ती 35 किलो मोहनदाबाद विजेता और उपविजेता शमशाबाद रहा। 35,38 मोहम्मदाबाद विजेता और शमशाबाद उप विजेता रहा । 38,41 किलो वर्ग में मोहम्मदाबाद विजेता और बढपुर उप विजेता रहा । 41,44 किलो वर्ग में मोहम्मदाबाद विजेता और बढपुर उप विजेता रहा। 44,48 मोहम्मदाबाद विजेता और बढपुर उप विजेता रहा। 52,57 मोहम्मदाबाद विजेता रहा।

छोले भटूरे विक्रेता पर हमला, घायल

कायमगंज। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में अज्ञात युवकों ने छोले भटूरे विक्रेता के साथ जमकर मारपीट की जिससे वह घायल हो गया।

पितौरा निवासी दुर्गपालकी छोले भटूरे की दुकान कायमगंज, अचरा रोड पर रेलवे क्रॉसिंग के पास है। मंगलवार को अज्ञात युवक शराब पीने के लिए दुकान पर आया था। उस युवक से दुकानदार ने शराब पीने के लिए मना कर दिया इस बात पर वह गालियां देने लगा। बुधवार को लगभग 12:00 बजे दुकानदार अपनी दुकान पर बैठा था तभी अज्ञात साथियों को लेकर उसकी दुकान में घुस गया और लाठी डंडों से दुकानदार पर हमला कर दिया। जिससे दुकानदार दुर्गपाल गंभीर रूप से घायल हो गया।

पीआरडी जवान के पुत्र की हत्या,मवेशी चराने गया था

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। मवेशी चराने गये युवक का शव गंभीर हालत में खेतों में पड़ा मिला। परिजन उसे सीएचसी लेकर पंहुचे जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया । युवक की हत्या के शक में पुलिस के सामने ही एक युवक के साथ मृतक के स्वजनों ने मारपीट कर दी । पुलिस ने बाद में युवक को बचाया ।

कमालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम उमराय नगला निवासी 20 वर्षीय संजेश कुमार पुत्र रघुनंदन सिंह सुबह गांव के लोगों के साथ ही अपने मवेशी चराने गया था। दोपहर बाद लगभग 3 बजे संजेश के मवेशी जब इधर-उधर भागने लगें तो अन्य लोगों नें परिजनों को सूचना दी जिसके बाद परिजन मौके पर पंहुचे तो तलाश करनें पर संजेश ग्राम नथुआपुर के रघुवीर के बाग में पड़ा मिला। मंजेश के माथे पर गहरा घाव मिला। परिजनों नें पुलिस को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पंहुचे और जांच की। परिजन संजेश को लेकर सीएचसी पंहुचे तो चिकित्सक नें उसे मृत घोषित कर दिया। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया।

सीएचसी में मौके पर मौजूद युवक पर हत्या करने का शक जाहिर करते हुए पुलिस के सामने जमकर मारपीट कर दी, बचाने में पुलिस के साथ धक्का मुक्की हो गयी। पुलिस ने बमुश्किल युवक को बचाया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

इतिहासविद को मिलेगा सुकर्णो सम्मान

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। वरिष्ठ साहित्यकार, इतिहासकार और पुरातत्व विद डॉ. राम कृष्ण राजपूत को 2025 अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन इंडोनेशिया, मलेशिया में राष्ट्रपति अहमद सुकर्णो अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से विभूषित किया जाएगा।

जनपद की एक अन्य विद्वान डॉ. रत्ना सिंह भी इस आयोजन में भागीदारी करेंगी। उन्होंने बताया कि आयोजन 24 से 31 अगस्त तक होगा। पांच सत्रों में विभाजित इस आयोजन में उनकी कई पुस्तकों का विमोचन भी होगा। इतिहासविद डॉक्टर रत्ना सिंह की इतिहास की पुस्तक का भी लोकार्पण इस दौरान होगा। इस दौरान सप्ताह भर प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी होगा उन्होंने बताया कि पूरे देश से 51 सदस्य साहित्यकारों और इतिहासविदों का प्रतिनिधिमंडल अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन के

इतिहासविद डॉ .रामकिशन राजपूत अपनी विदेश यात्रा की जानकारी देते हुए।।

रजत जयंती में भागीदारी करने के लिए रवाना होगा।उन्होंने बताया कि भारतीयों की यह बहुउद्देशीय यात्रा भारतीय धर्म अध्यात्म संस्कृत के केंद्र वाले स्थान पर विशेष केंद्रित होगी। विद्वानों को मलेशिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी कराया जाएगा। डॉक्टर राजपूत को सम्मानित होने पर डॉक्टर राजकुमार सिंह, भूपेंद्र प्रताप सिंह, कालिदास सम्मान से विभूषित ज्योति स्वरूप अग्निहोत्री, जनवादी लेखक सतीश चंद्र सतीश, डॉक्टर मोहसिन ने बधाई दी और उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉक्टर राजपूत 22 अगस्त को इंडोनेशिया के लिए रवाना होंगे। साहित्यकारों को मिलने वाली सम्मान राशि में बढ़ते हुए महंगाई के साथ इजाफा किया जाना चाहिए। जब हर चीज बढ़ रही है तो साहित्यकारों का सम्मान भी बढ़ाना चाहिए।

नेशनल पब्लिक स्कूल पर एक लाख जुर्माना

फर्रुखाबाद । जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनुपम अवस्थी ने नेशनल पब्लिक स्कूल को पत्र भेजकर स्कूल न बंद करने पर एक लाख का जुर्माना लगाया है। नेशनल पब्लिक स्कूल जूनियर हाई स्कूल कैंट चौराहा फतेहगढ़ प्रबंधिका की मान्यता को प्रत्याहरित किया गया है। ऐसे में अध्यनरत छात्र छात्राओ का नामांकन पास के दूसरे विद्यालय में कराने के निर्देश दिए गए थे। प्रबंधिका द्वारा कार्यालय के आदेश की अवहेलना करते हुए विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। ऐसे में मान्यता व शर्तों का उल्लंघन किया गया है। प्रारंभिक शिक्षा 99 प्रकीर्ण प्राप्तियां में जुर्माना धनराशि एक लाख रुपये लगाते हुए 14 अगस्त को जमा करने का आदेश जारी किया गया और विद्यालय संचालन तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश दिया गया था। 16 अगस्त से विद्यालय संचालन करने पर प्रति दिवस 10000 रुपये की दर से संस्था पर जुर्माना लगाया जाएगा। बीएसए द्वारा भेजे गए पत्र में एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

बैठक | मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया

गंगा पार के किसान फसलों का बीमा करा लें

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। बुधवार को विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान उप कृषि निदेशक द्वारा किसान दिवस में आये कृषक भाइयों का अभिवादन किया गया एवं पिछले किसान दिवस में आई शिकायतों के निस्तारण से सम्बन्धित कृषक बन्धुओं को अवगत कराते हुये प्रधानमत्रीं फसल बीमा योजना के अन्तर्गत फसलों का बीमा कराने हेतु कहा।

जनपद मे बीमा से आच्छादित खरीफ सीजन की फसलें धान, मक्का, बाजरा, तिल हैं। बीमा कराने हेतु ऋणी कृषक सम्बन्धित बैंक से फसल बीमा

विकास भवन सभागार में बैठक। अमृत विचार

करा सकते हैं एव गैर ऋणी कृषक जनसेवा केन्द्र से फसल बीमा करा सकते हैं। खरीफ सत्र में फसल बीमा की अन्तिम तिथि 31 अगस्त 2025 है। दैवीय आपदा, बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के कृषक फसल बीमा अवश्य करायें । जिला कृषि अधिकारी, द्वारा अवगत कराया जनपद में उर्वरक की उपलब्धता लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्ध है। वर्तमान में 3 रैक उर्वरक की लगी हुई है कृषकों से अग्रह है कि अनावश्यक उर्वरक का भण्डारण न करे। पर्यावरण विशेषज्ञ गुंजा जैन द्वारा अवगत कराया गया जनपद में कृषकों द्वारा अत्यधिक रसायन एवं उर्वरकों का प्रयोग किया जा रहा है। जिस कारण फसलों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है खेतों में केचुओं की मात्रा न के बराबर है एवं जीवाश्म कार्बन की मात्रा अत्यधिक कम है, धातुओं की मात्रा बढती जा रही है जो हमारे मानव जीवन में कई गम्भीर बीमारियों को जन्म दे रही है। कृषि वैज्ञानिक डॉ अभिमन्यु द्वारा अवगत कराया कि फसलों में कीट एवं बीमारियों के नियंत्रण हेतु ट्राईकोड्रमा पाउडर, ब्युवेरिया बेसियाना, नीम ऑयल, ट्रायकोग्रामा, का प्रयोग करें।

ट्रांसफार्मर फटने से चार लोगों की हालत गंभीर

कायमगंज । थाना क्षेत्र के गांव शाहीपुर में बाढ़ का पानी भरा हुआ था जिससे विद्युत सप्लाई काट दी गई थी। जब 15 दिन बाद पानी कम हुआ तो विद्युत सप्लाई चालू की जा रही थी तभी अचानक ट्रांसफार्मर फट गया जिससे संकेत पुत्र संतोष निवासी गौरखेडा, प्रशांत पुत्र रणवीर, अंकित पुत्र उदयवीर सिंह, दीपांशु पुत्र गिरीश चंद्र निवासी शाहीपुर लगभग 80 मीटर दूरी पर थे तभी ट्रांसफार्मर से निकले तेल से चार लोग गंभीर रूप से जल गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज में भर्ती कराया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद कन्नौज

पत्रांक :– 1671/ के0 जे0/क0अनु0/2025–26 दिनांक : 20.08.2025

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 (1) ख के अन्तर्गत नाम परिवर्तन/ नामांकन की सूचना

एतद द्वारा सभी हितबद्ध भवन स्वामियों / हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है, कि कालम संख्या 02, 03, 04, 05, 06 पर अंकित विवरणपर यदि किसी भवन स्वामी/किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह सूचना प्रकाशन के दिनांक से तीस दिन (30 दिन) के अन्दर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति नगर पालिका परिषद कन्नौज के कार्यालय में प्राप्त करा दे निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तिय पर कोई विचार नहीं किया जाएगा तथा नाम परिवर्तन / नामांकन को अंतिम रूप प्रदान करते हुए प्रस्तावित नाम को कर निर्धारण रजिस्टर में अंकित कर दिया जाएगा जिसके लिए नगर पालिका उत्तरदायी नही होगी। यह नाम परिवर्तन / नामांकन के वल गृहकर, जलकर की अदायगी पर ही प्रभावी होगा इससे किसी सम्पत्ति का स्वामित्व घोषित नहीं होगा।

क्र0 सं0	भवन सं0	मोहल्ले का नाम जिसमें स्थित सम्पत्ति का नाम परिवर्तन/नामांकन प्रस्तावित है	विधमान भवनस्वामी/ विक्रेता का नाम	प्रस्तावित नाम आवेदक का नाम जो भवन/ भूखण्ड पर दर्ज किया जायेगा।	गृहकर, जल कर के लिए मकान /भूखण्ड पर स्वामित्व परिवर्तन का आधार
1	24	काटीटोला	केशवदास टंडन पुत्र श्री विशेश्वरर नाथ टण्डन (नि0मो0 काटीटोला कन्नौज)	श्री सुखद टण्डन पुत्र श्री शिवेन्द्र कुमार टण्डन व श्री शिवेन्द्र कुमार टण्डन पुत्र स्व0 श्री किशवदास टण्डन व श्रीमती कविता पुत्री स्व0 केशवदार टण्डन व श्रीमती अमिता टण्डन, श्रीमती रोमा खन्ना पुत्री स्व0 श्री राजकुमार टण्डन व रोचक टण्डन पुत्र स्व0 श्री राजकुमार टण्डन, (नि0मो0 तालबारान कन्नौन)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के परआधार
2	62	अहमदी टोला	केशवदास टंडन पुत्र श्री विशेश्वरर नाथ टण्डन (नि0मो0 काटीटोला कन्नौज)	श्री सुखद टण्डन पुत्र श्री शिवेन्द्र कुमार टण्डन व श्री शिवेन्द्र कुमार टण्डन पुत्र स्व0 श्री किशवदास टण्डन व श्रीमती कविता पुत्री स्व0 केशवदार टण्डन व श्रीमती अमिता टण्डन, श्रीमती रोमा खन्ना पुत्री स्व0 श्री राजकुमार टण्डन व रोचक टण्डन पुत्र स्व0 श्री राजकुमार टण्डन, (नि0 मो0 तालबारान कन्नौन)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के परआधार
3	21 ए	तालवारान	केशवदास टंडन पुत्र श्री विशेश्वरर नाथ टण्डन (नि0मो0 काटीटोला कन्नौज	श्री सुखद टण्डन पुत्र श्री शिवेन्द्र कुमार टण्डन व श्री शिवेन्द्र कुमार टण्डन पुत्र स्व0 श्री किशवदास टण्डन व श्रीमती कविता पुत्री स्व0 केशवदार टण्डन व श्रीमती अमिता टण्डन, श्रीमती रोमा खन्ना पुत्री स्व0 श्री राजकुमार टण्डन व रोचक टण्डन पुत्र स्व0 श्री राजकुमार टण्डन, (नि0 मो0 तालबारान कन्नौन)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के परआधार
4	102 का आ0 भाग	अहमदी टोला	केशवदास व शिवेन्द्र कुमार राजकुमार पुत्र श्री केशवदास टण्डन (नि0मो0 काटीटोला कन्नौज)	श्री सुखद टण्डन पुत्र श्री शिवेन्द्र कुमार टण्डन व श्री शिवेन्द्र कुमार टण्डन पुत्र स्व0 श्री किशवदास टण्डन व श्रीमती कविता पुत्री स्वद्व केशवदार टण्डन व श्रीमती अमिता टण्डन, श्रीमती रोमा खन्ना पुत्री स्व0 श्री राजकुमार टण्डन व रोचक टण्डन पुत्र स्व0 श्री राजकुमार टण्डन, (नि0मो0 तालबारान कन्नौन)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के आधार पर
5	नया प्लाट	अकबकरपुर सरायघाघ	श्री बृजकिशोर पुत्र श्री कलेश्वर (नि0 ग्राम मदई कन्नौज)	श्रीमती बेनजीर पत्नी श्री अकील अहमद (नि0मो0 अजयपाल कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर।
6	325	हाजीगंज कलों	श्री मो0 शाहिद, जावेद पुत्र श्री मी0 अहमद खां (नि0मी0 हाजीगंज कलर्जी)	श्रीमती मुर्शरत जहां पत्नी श्री शाहिद जायदे खां पुत्र श्री साहाय जावेद खाया व सलीम जावेद खां व मुमताज, व श्रीमती भूरी खान पुत्रिया स्व0 शाहिद जावेद रखा (नि0मी0 हाजीगंज कलों कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के परआधार
7	325 का आ0 भाग	हाजीगंज कलों	श्री मो0 शाहिद, जावेद पुत्र श्री भी0 अहमद खां (नि0मी0 हाजीगंज कलर्सी कन्नौज)	श्रीमती मुर्शरत जहां पत्नी श्री शाहिद जायदे खां पुत्र श्री साहाय जावेद खाया सलीम जावेद खां व मुमताज, व श्रीमती भूरी खान पुत्रिया स्व0 शाहिद जावेद रखा (नि0मी0 हाजीगंज कलों कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के परआधार
8	326 का आ0 भाग	युसुफपुर भगवान	श्री रामवती पत्नी श्री बाबूराम के साथ श्रीमती ज्योती पत्नी श्री मनोज कुमार (नि0मी0 युसुफपुर भगवान कन्नौज)	श्री मनोज कुमार कुशवाहा पुत्र श्री रघुवीर कुशवाहा (नि0मी0 युसुफपुर भगवान कन्नौज)	पंजीकृत वसीयत के आधार पर।
9	43	अरारावारी	श्री प्रयागनरायन पुत्र श्री फकीरेलाल व श्रीमती आशा देवी पत्नी स्व0 श्री व श्री राजेश्वर सिंह, चन्द्रशेखर, ज्ञानेश्वर, व श्रीमती मीना, प्रीती कुशवाहा पुत्र व पुत्रियां स्व0 श्री प्रयादत्त (नि0मो0 अरारावारी कन्नौज) प्रयागदत्त	श्री. सुन्दरलाल यादव पुत्र स्व0 श्री मैकूलाल व श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व0 श्री सतेन्द्र यादव (नि0मो0 छिपट्टी कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के पर आधार
10	25	दिलाजाक	श्री मौहलूद हसन पुत्र श्री तजम्मुल हसन (नि0मो0 दिलाजाक कन्नौज)	श्री रियाज हुसैन, मो0 सलीम, अयाज हुसैन, अख्तर हुसैन, अंजार हुसैन, अहमद मुख्तार हुसैनी पुत्रगण श्री स्व0 श्री मौलूद हसन व श्रीमती परवीन पुत्री स्व0 श्री मौलूद हसन (निवासीगण बेना झाबर नवाबगंज कानपुर नगर)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के पर आधार
11	43	दीदारगंज	श्री हरी राम पुत्र श्री सोनेलाल (नि0मो0 दीदारगंज कन्नौज)	श्रीमती आरती कुशवाहा पत्नी स्व0 श्री हरीराम कुशवाहा पुत्र श्री विकास व राखी कुशवाहा, रूचि कुशवाहा, दीक्षा कुशवाहा पुत्रियां स्व0 श्री हरिराम (निवासीगण मो0 दीदारगंज कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के परआधार
12	121	दीदारगंज	श्री मनोज कुमार जैन पुत्र श्री सतीश चन्द्र जैन (नि0मो0 दीदीरगंज कन्नौज)	श्री अमिता जैन पत्नी स्व0 श्री मनोज कुमार जैन व पुत्र श्री मंगलम जैन, मोहित कुमार जैन व कु0 रितिका जैन पुत्री (नि0 मो0 छिपट्टी कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के परआधार
13	205	छिपट्टी	श्री सतीशचन्द्र जैन राही (नि0 मो0 छिपट्टी कन्नौज)	श्री अमिता जैन पत्नी स्व0 श्री मनोज कुमार जैन व पुत्र श्री मंगलम जैन, मोहित कुमार जैन व कु0 रितिका जैन पुत्री (नि0मो0 छिपट्टी कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के पर आधार
14	146	दीदारगंज	श्री मनोज कुमार जैन पुत्र श्री सन्तोष चन्द्र जैन (नि0मो) दीदीरगंज कन्नौज)	श्री अमिता जैन पत्नी स्व0 श्री मनोज कुमार जैन व पुत्र श्री मंगलम जैन, मोहित कुमार जैन व कु0 रितिका जैन पुत्री (नि0मो0 छिपट्टी कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के पर आधार
15	नया प्लाट	अकबरपुर सरायघाघ	श्री गोपालदास पुत्र श्री सत्यप्रकाश (नि0 मुसाहिब चौबे छिबरामऊ तह0 छिबरामऊ जि0 कन्नौज)	श्रीमती आरती पत्नी श्री आलोक कुमार (नि0 ग्राम व पो0 भदौसी तह0 तिर्वा जि0 कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा आधार पर।
16	नया प्लाट	अकबरपुर सरायघाघ	श्रीमती अनुराधा पत्नी श्री रामचन्द्र सिंह (नि0 ग्राम इब्राहिमपुर तह0 बिल्हौर जि0 कानपुर नगर) व श्री रामचन्द्र आर्य पुत्रत श्री भजनलाल नि0– कृष्णापुरी गली न0–02 रावतपुर गांव कल्यानपुर जि0 कानपुर नगर।	श्रीमती सुंदरी देवी पत्नी श्री शिवम सिह (नि0 एच 16 झूसीनागर पो0 मैसियापुर तह0 छिबरामऊ जि0 कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा आधार पर।
17	345ए	अजयपाल	श्रीमती अंजना मेहरोत्रा पत्नी श्री प्रदीप मेहरोत्रा (नि0मो0 तालवारान कन्नौज)	श्रीमती गुड्डी गुप्ता पत्नी श्री उमाशंकर (नि0मो0 अजयपाल कन्नौज)	रजिस्टर्ड बैनामा आधार पर।
18	83		युसुफपुर भगवान	श्री जगन्नाथ पुत्र श्री कनौजीलाल (नि0मो0 युसुफपुर भगवान कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के परआधार
19	4 व 4ए से4एफतक		तालवारान	श्री अनिल कुमार पुत्र श्री पारसनाथ (नि0मो) तालवारान कन्नौज)	वारिसान व मृत्यु प्रमाण के परआधार

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद कन्नौज

न्यूज ब्रीफ

बिजली चोरी करते 5 लोग पकड़े गए

इटावा। एसडीओ गगन अग्निहोत्री एवं जेई इन्द्रजीत पण्डित ने विजलेंस टीम के साथ 33/11 केवी उपकेंद्र फ्रेण्डस कॉलोनी से पोषित गांधी नगर, अशोक नगर में मॉर्निंग रेड की। रेड के दौरान पांच उपभोक्ताओं को केबल बाईपास कर विद्युत चोरी करते पकडा। सभी की मौके पर विडियोग्राफी कर विद्युत अधिनियम की धारा 135 के अंतर्गत कार्यवाही की गई।

विज्ञान कार्यशाला का हुआ आयोजन

इटावा। जवाहर इंटर कॉलेज चकरनगर में एक विज्ञान कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विहार चकरनगर के प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज कुमार ने विज्ञान के नवाचारी मॉडल दिखाकर बच्चों को इंस्पायर अवार्ड में नामांकन करवाने के लिए प्रेरित किया। जादू के माध्यम से कई अंधविश्वास का पर्दाफाश किया तथा बच्चों को जादू भी सिखाए व प्रेरक गीत सुनाये। प्रधानाचार्य सर्वेश कुमार चतुर्वेदी ने मनोज कुमार को अंगवस्त्र उढ़ाकर सम्मानित किया। बच्चों को विज्ञान से जुड़ने तथा वैज्ञानिक जैसी सोच विकसित करने के लिए कहा।

सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोग घायल

इटावा। जनपद के अलग अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए, घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना वैदपुरा क्षेत्र के अंतर्गत कुनैरा के पास साइकिल से स्कूल जा रही छात्रा सृष्टि पुत्री गीतम सिंह को बाइक ने टक्कर मार दी जिससे छात्रा घायल हो गई। थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत पक्का बाग पर डीसीएम और कार के बीच हुई टक्कर में आराध्या पुत्री नारायण हरि निवासी शेखुपुर सरैया बसरेहर घायल हो गई। थाना बसरेहर क्षेत्र के अंतर्गत रामनगर निवासी कृष्णा पुत्र रमेश सिंह गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गया। तीनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

ईस्ट जोन की खो-खो प्रतियोगिता आज

इटावा। पान कुंवर इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक प्रधानाचार्य डॉ. कैलाश चंद्र यादव ने बताया कि सीबीएसई क्लस्टर-4 ईस्ट ज़ोन खो-खो प्रतियोगिता गर्ल्स एंड बॉयज़ का आयोजन पान कुंवर इंटरनेशनल स्कूल के सौजन्य से ज्योतिबा फुले स्टेडियम में होगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन 21 अगस्त को प्रातः 11 बजे संपन्न होगा। इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रहेगी। प्रतियोगिता में लगभग 12 जिलों की 35 टीमें प्रतिभाग करेंगी, जिनमें 16 टीमें छात्राओं की तथा 19 टीमें छात्रों की होंगी।उन्होंने कहा कि इटावा के लिए यह गर्व की बात है कि इतने बड़े स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। डॉ. यादव ने विश्वास जताया कि यह आयोजन न केवल प्रतिभागी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा बल्कि इटावा का नाम भी गौरवान्वित करेगा।

दिव्यांग बंधु की बैठक कराने की मांग

इटावा। जिला विकलांग एसोसिएशन ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर दिव्यांग बन्धु की बैठक कराने की मांग की। एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक बाबू जाटव व मंत्री संतोष कुमार त्रिवेदी ने ज्ञापन में कहा है कि दिव्यांगों की समस्याओं रोजगार प्रमाण पत्र बनाने, मूकबधिर दिव्यांगों को जांच के लिए अन्य जनपद भेजने, यात्रा के समय बसों में कठिनाई होने के सिलसिले में विचार-विमर्श जरूरी है।

खूनी रफ्तार ने छीनी कांग्रेस के जिला सचिव की जिंदगी

फर्रुखाबाद ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में मारी टक्कर

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- डिवाइडर से बाइक टकराने पर सिर पर लगी गंभीर चोट
- हादसे में साथी भी गंभीर घायल सैफई पीजीआई रेफर

अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र में फर्रुखाबाद ओवरब्रिज पर मंगलवार की रात तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे कांग्रेस के जिला सचिव एवं अधिवक्ता की मौत हो गई, जबकि उनके साथ बाइक में बैठे मित्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को गंभीर हालत में सैफई पीजीआई भेजा गया है। हादसे की सूचना पर जिला अस्पताल पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया।

फ्रेंड्स कॉलोनी थाना क्षेत्र के विजय नगर निवासी सर्पमित्र डॉ. आशीष त्रिपाठी के भाई जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव अभिषेक त्रिपाठी एडवोकेट मंगलवार की देर रात बाइसख्वाजा कालोनी निवासी अपने मित्र जुबैर खान पुत्र उमर मोहम्मद के साथ बाइक से जा रहे थे। जैसे ही दोनों लोग फर्रुखाबाद ओवरब्रिज पर पहुंते, तभी तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक डिवाइडर से टक्कर गई। बाइक अभिषेक त्रिपाठी चला रहे थे। डिवाइडर से टकराने से उनके सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उनका काफी खून बह गया।

पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे लोग। (इनसेट में अभिषेक त्रिपाठी)। अमृत विचार

पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे कांग्रेसी और अधिवक्ता

बुधवार को बड़ी संख्या में अधिवक्ता और कांग्रेस नेता पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। डीबीए अध्यक्ष अनिल कुमार गौर की अध्यक्षता में एक शोकसभी हुई, जिसमें अभिषेक त्रिपाठी के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। इसके अलावा कांग्रेस की तरफ से जिलाध्यक्ष आशुतोष दीक्षित, पीसीसी मेंबर प्रशांत तिवारी, मोहम्मद राशिद, वाचस्पति द्विवेदी, मलखान सिंह यादव, पल्लव दुबे, विष्णु कांत मिश्रा, अतुल आक्रोश, प्रेरणा ज़ुबैरी कोमल सिंह कुशवाहा आसिफ जादरान अंसार अहमद आदि ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार को साहस प्रदान करने की प्रार्थना की।

हादसे में जुबैर खान को भी गंभीर चोटें आई हैं। हादसे की सूचना पर परिवार के लोग और कोतवाली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया और घायल जुबैर खान की हालत गंभीर देखते हुए पीजीआई सैफई रेफर कर दिया। अभिषेक त्रिपाठी के दो पुत्रियां हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

गाड़ी पलटने से एक की मौत, दो घायल

- भरथना थाना क्षेत्र में बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के गोल चौराहा के समीप शटरिंग से लदी मैक्स यूटिलिटी का संतुलन बिगड़ जाने से डिवाइडर से टकरा गई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए। चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया। गोल चौराहे के ककराई के समीप अलीगढ़ से शटरिंग लादकर उरई जा रही एक यूटिलिटी मैक्स का संतुलन बिगड़ जाने के कारण वह एक्सप्रेस-वे किनारे डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिससे यूटिलिटी सवार अलीगढ़ के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के चंद बाग कॉलोनी निवासी इरशाद, अयान आदिल और चालक दिलावर घायल हो गए। एम्बुलेंस पहुंचने से पहले चालक दिलावर गायब हो गया, जबकि घायल इरशाद, अयान और आदिल को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने 25 वर्षीय अयान को मृत घोषित कर दिया। घायल इरशाद और आदिल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मान्यता के बारे में जानकारी देते चौ .सुघर सिंह नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज के निदेशक अनुज यादव मोंटी व अन्य। अमृत विचार

कॉलेज को एमएससी नर्सिंग की मान्यता

संवाददाता, जसवंतनगर (इटावा)

- जिले का पहला एमएससी नर्सिंग कॉलेज बना, प्रवेश प्रक्रिया शुरू

अमृत विचार। चौधरी सुघर सिंह नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज ने नर्सिंग शिक्षा में एक नया अध्याय जोड़ते हुए एमएससी नर्सिंग स्पेशियलिटी की कक्षाएं शुरू कर दी है। इस कोर्स के तहत विभिन्न विशेषताओं जैसे मेडिकल-सर्जिकल नर्सिंग, पीडियाट्रिक नर्सिंग, ऑब्स्टेट्रिक एवं गायनेकोलॉजिकल नर्सिंग, कम्युनिटी हेल्थ नर्सिंग तथा मेन्टल हेल्थ नर्सिंग में सीटें उपलब्ध कराई गई हैं। यह संस्थान ज़िले का पहला और एकमात्र एमएससी नर्सिंग कॉलेज है, जो पूरे जिले के लिए गर्व की बात है।

कॉलेज प्रशासन ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थी कॉलेज आकर सीधे संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा आयोजित काउंसलिंग प्रक्रिया का स्ट्रे राउंड काउंसलिंग 24 अगस्त रविवार को आयोजित की जाएगी। संस्था के प्रबंध निदेशक अनुज मोंटी यादव ने कहा कि हमारा उद्देश्य नर्सिंग शिक्षा को उच्च स्तर तक पहुँचाना है ताकि हमारे विद्यार्थी देश और विदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

एमएससी नर्सिंग की शुरुआत से छात्रों को शोध, नेतृत्व और उन्नत क्लिनिकल प्रैक्टिस में नए अवसर मिलेंगे। हमें विश्वास है कि हमारे संस्थान से निकलने वाला हर छात्र न केवल नर्सिंग पेशे का गौरव बढ़ाएगा बल्कि समाज की सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा।संस्था की डायरेक्टर रीमा शर्मा ने कहा कि एमएससी नर्सिंग कोर्स की शुरुआत हमारे संस्थान के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस अवसर पर स्वधा हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. अंजली यादव, ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. संदीप पांडेय, सुरेन्द्र शर्मा एवं मनीष चौधरी मौजूद रहे।

ट्रेन से कटकर महिला की मौत

इटावा। भरथना क्षेत्र में दिल्ली-हावड़ा रेलवे ट्रैक की अप लाइन पर कानपुर से दिल्ली जा रही ट्रेन संख्या 12311 नेताजी एक्सप्रेस की चपेट में आने से वृद्ध महिला की मौत हो गई। जीआरपी ने महिला की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन देर शाम तक शिनाख्त नहीं हो सकी।

मकान की दीवार गिरी, चार लोग घायल

इटावा। सदर कोतवाली क्षेत्र के गाड़ीपुरा में भोर पहर कच्ची दीवार गिरने से परिवार के 4 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गाड़ीपुरा निवासी शब्बीर परिवार सहित घर में सो रहा था, तभी सुबह 5 बजे घर की दीवार ढह गई। हादसे में शब्बीर, उसकी पत्नी जरीना, बेटी आसिया और नसरीन पत्नी राजू मलबा में दब गए। मोहल्ले के लोग पहुंच गए और कोतवाली पुलिस भी मौके पर आ गई। परिजनों और मोहल्ले के लोगों ने मलवे में दबे उक्त चारों लोगों को बाहर निकाला। आशा निशा चारों घायलों को जिला अस्पताल ले गई जहां घायलों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कर डॉक्टरों ने उपचार शुरू कर दिया। बताया गया है कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। घायलों के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नही है।

विजेता छात्रों के साथ प्रधानाचार्य गुफरान अहमद व अन्य। अमृत विचार

इस्लामियां में इंस्पायर अवार्ड कार्यशाला

इटावा। एचएमएस इस्लामिया इंटर कॉलेज में इन्सपायर अवार्ड कार्यशाला हुई।

कार्यशाला में अवनींद्र जादौन और रुद्र प्रताप सिंह ने अपने अनुभव छात्रों के साथ साझा किए और उन्हें विज्ञान एवं नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। दोनों वक्ताओं ने छात्रों को नवीन प्रयोगों, वैज्ञानिक सोच और अनुसंधान की महत्ता पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रधानाचार्य गुफरान अहमद ने छात्रों का आह्वान किया कि विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करें। अंत में सभी छात्रों ने वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में छात्र उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य गुफरान अहमद तथा विज्ञान अध्यापकगण नफ़ीस बेग, मोहम्मद अनवर, मोहम्मद जावेद ख़ान, सरवर हुसैन एवं कलीम मियां भी मौजूद रहे।

खाद वितरण के लिए मांगी सुरक्षा

संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश संयुक्त सहकारी समिति कर्मचारी संघ की ओर से कोऑपरेटिव के कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी व सहायक निबंधक सहकारिता को ज्ञापन सौंपा। इसमें प्रमुख रूप से खाद वितरण के समय सुरक्षा की मांग की गई है। इसके साथ ही लेखपाल की मौजूदगी में खाद वितरण की मांग भी की गई है।

इस संबंध में कर्मचारी संघ की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि यूरिया कम मात्रा में मिलती है। एक गाड़ी यूरिया खाद मिलती है और दो सौं से ढाई सौ किसान खाद लेने के लिए एकत्रित हो जाते है। खाद देने के लिए दबाव बनाया जाता है जब खाद उपलब्ध करा पाना असंभव हो जाता है तो गाली गलौज और हाथापाई की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। 18 अगस्त को जगसौरा पर झगड़ा भी हुआ। इसमें समिति के सचिव को चोट भी लगी। ऐसी स्थिति में खाद का वितरण करने के लिए समितियों पर पुलिस सुरक्षा दी जाए। यह भी कहा गया है कि खाद का वितरण केवल समिति की मेंबरों को करने का लिखित आदेश भी जारी किया जाए और खाद वितरण के समय लेखपालों की ड्यूटी लगाई जाए। इन कर्मचारियों की मांग है कि पीसीएफ गोदाम में रखी यूरिया व डीएपी का सभी समितियां में आवंटन किया जाए। इन्होंने यह आरोप भी लगाया है कि किसान 1076 नंबर पर फर्जी शिकायत करते हैं इस पर अंकुश लगाया जाए। डीम, एआर सहकारिता को ज्ञापन देने के लिए पहुंचने वालों में संघ के अध्यक्ष राजेश कुमार, उपाध्यक्ष प्रियंका यादव, महामंत्री विपिन कुमार, प्रदीप कुमार, सुधीर कुमार, कृष्ण मुरारी, विवेक कुमार, रविंद्र कुमार, हरगोविंद, सत्यम यादव, विक्रम सिंह, निलेश कुमार, श्यामवीर सिंह, रणवीर सिंह, अंकुर यादव मौजूद रहे।

सहायक निबंधक को ज्ञापन देते कर्मचारी। अमृत विचार

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम WAJID ALI से बदलकर VAJID ALI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/o-MOHD MUSTAKEEM ADD-BANKATWA KALAN, NAIKINIYA TEH-TULSIPUR DIST-BALRAMPUR-271208 (U.P)**

सूचना

यह कि मेरा नाम आलिमा उर्फ आलमीन है मेरे पिता का नाम शमशाद व माता शरीला है। यह दोनो नाम एक ही व्यक्ति (मेरे) के हैं एवं मुझे दोनो नामो से जाना जाता है। इस नाम का गांव में अन्य कोई नही है। **आलिमा उर्फ आलमीन पुत्री शमसाद निवासी लोहिया नगर तिर्वागंज थाना तिर्वा जनपद कन्नौज।**

सूचना

सूचित हो कि मै अपने पुत्र देवा शर्मा को उसके गलत कृत्यों से परेशान व क्षुब्ध होकर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ और भविष्य में उनके द्वारा किये गये कृत्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मुझसे व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार न होगा। **शिवबरन शर्मा पुत्र रामप्रसाद निवासी ग्राम– पीरनगर, थाना– माल, परगना व तहसील मलिहाबाद, जिला– लखनऊ।**

सूचना

सर्व विदित हो कि शादी से पहले मेरा नाम शालिनी राजपाल था। जो मेरे सभी शैक्षिक व प्रमाणपत्रों में अंकित है। शादी के बाद मेरा नाम सोनी हिमानी हो गया है। जो कि मेरे आधार कार्ड में भी अंकित है। उपरोक्त दोनों नाम शालिनी राजपाल व सोनी हिमानी एक ही व्यक्ति के हैं। मुझे भविष्य में सोनी हिमानी के नाम से जाना व पहचाना जाए। **सोनी हिमानी पुत्री ओमप्रकाश राजपाल, पत्नी अजीत हिमानी, निवासी– 5/18/259–ए बछड़ा सुल्तानपुर, अयोध्या। पिन–24001**

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र का नाम पूर्व में स्नेह आनन्द रखा था जो कि उसके आधार कार्ड पर भी अंकित है। अब मैं अपने पुत्र का नाम बदलकर उत्कर्ष आनन्द करना चाहता हूँ। मैंने नगर निगम लखनऊ से उत्कर्ष आनन्द के नाम से जन्म प्रमाण पत्र भी बनवा लिया है। अतः मेरे पुत्र के आधार कार्ड में भी उसका नाम बदलकर उत्कर्ष आनन्द अंकित किया जाये। **सुखदेव पुत्र स्व0 राम जियावन निवासी– मकान नं0– 355/165 क, आलमनगर, नियर रेलवे स्टेशन आलमनगर, लखनऊ।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सेकण्डरी (मौलवी) परीक्षा सन 2015 अनुक्रमांक 1213461 की अंकतालिका में मेरे पिता का नाम मलिक मोहम्मद रफी लिखा है जबकि सही नाम मोहम्मद रफी है। **मरियम रफी पुत्री मोहम्मद रफी पता– 542/ के0बी0/ 021 किशोर विहार कालोनी, कैम्पबेल रोड, लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि मैं कशिश साहू पुत्री संतोष कुमार साहू निवासी– डिफेंस कालोनी गोपाल नगर, तेलीबाग, लखनऊ में मेरे हाईस्कूल का मूल अंकपत्र जिसका अनुक्रमांक नं0– 1136204 एवं इण्टरमीडिएट की मूल मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक नं0– 2225847699 वास्तव में कहीं खो गयी है। यदि किसी को मिल जाये तो मुझे मो0 नं0– 6306085983 पर सम्पर्क करें।

सूचना

सूचित हो कि मेरी पुत्री साम्भवी श्रीवास्तव के जन्मप्रमाण पत्र में त्रुटिवश उसकी जन्मतिथि 13.07.2007 अंकित हो गयी है। जो कि गलत है। मेरी पुत्री की सही जन्मतिथि 13.07.2005 है। अतः उसके जन्म प्रमाण पत्र में उसकी सही जन्मतिथि 13.07.2005 अंकित की जाये। **संजीव कुमार श्रीवास्तव पुत्र राम अवतार श्रीवास्तव निवासी– 22 विष्णुपुरी कालोनी, एक विस्तार लखनऊ।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2007 अनुक्रमांक– 1315830 एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा वर्ष– 2010 अनुक्रमांक 0618657 का प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। **भवानी प्रसाद पुत्र श्री अखलेश कुमार सोनी, लखना– इटावा।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मखाना पत्नी स्व0 माखन निवासिनी ग्राम रतौली, परगना बिजनौर, तहसील सरोजनी नगर, जिला लखनऊ व राम रती पत्नी स्व0 माखन दोनो नाम एक ही महिला के हैं। अर्थात इन्हे मखाना व राम रती दोनो ही नामो से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना

मेरे बड़े पुत्र गगन तथा उनकी पत्नी राखी देवी के अनुचित आचरण और असमाजिक गतिविधियों के चलते, मैंने उन्हें अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से पूर्ण रूप से बेदखल कर दिया है। भविष्य में यदि उपरोक्त व्यक्तियों द्वारा कोई भी अनुचित, गैरकानूनी अथवा सामाजिक अशांति फैलाने वाला कार्य किया जाता है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी उन्हीं की होगी। मेरा उनसे कोई लेना–देना नहीं रहेगा। **मुकुट सिंह पुत्र स्व. राम प्रसाद निवासी– ग्राम छछुंद, थाना अछल्दा, जिला औरैया**

लूट और मुठभेड़ के मामले में दोषी को 4 वर्ष की सजा

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- अदालत ने दोषी पर आठ हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

अमृत विचार: विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावित क्षेत्र अधिनियम आलोक कुमार श्रीवास्तव ने चार साल पुराने लूट, मुठभेड व आर्म्स एक्ट के मामले की सुनवाई करते हुए एक आरोपी को साक्ष्यों के आधार पर दोषी पाया।दोषी पाए जाने पर कोर्ट ने उसे चार साल की सजा सुनाई। इसके अलावा कोर्ट ने उस पर आठ हजार रुपया का जुर्माना भी लगाया।

विशेष लोक अभियोजक गौरब दीक्षित ने बताया कि चितभवन देशी शराब के ठेके पर काम करने वाला राहुल कुमार निवासी धरवार 20 अगस्त की रात को दुकान बंद कर जा रहा था तभी चितभवन नहर पुल के पास बाइक सवार बदमाशों ने उसे रोकर मारपीट की और उसके पास से पैसे छीन लिए। बद में बदमाश भाग निकले। सूचना पर पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया और पुलिस ने मुठभेड के बाद मानि क पुर बाई पास के पास से चार बदमाशें को गिरफ्तार कर लिया। पकडे गए बदमाशों के पास से तमंचा कारतूस के अलावा लूट का सामान बरामद हुआ था। पकडे बदमाशों ने अपने नाम अभिषेक उर्फ टाइगर निवासी अजीत नगर, कपिल यादव निवासी कथगवां इकिदल , शिवम कश्यप निवासी श्याम नगर व रघुनंदन उर्फ रघू निवासी श्या म नगर बताए। पुलिस ने सभी को जेल भेज दिया। बाद में पुलिस ने सभी के खिलाफ आरोपपत्र कोर्ट में पेश कर दिए।

मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावित क्षेत्र अधिनियम की कोर्ट में हुई। कोर्ट में आरोपी रघु ने अपना जुर्मा स्वीकार कर लिया। जिसके कारण उसकी पत्रावली को अन्य लोगों से प्रथक कर दिया गया। विशेष लोक अभियोजक गौरब दीक्षित के द्वारा पेश किए साक्ष्यो व गवाहों के आधार पर कोर्ट ने उसे दोषी पाया और उसे चार साल की सजा व आठ हजार रुपया के अर्थदंड से दंडित किया।

इसके अलावा एक अन्य मामले में कोर्ट ने लूट के दो आरोपियों बब्लू तिवारी व सत्येंद्र उर्फ बॉबी को दोषी पाया और उन्हें चार चार साल की सजा व चार हजार रुपया के अर्थदंड से दंडित किया। इस मामले में पैरवी विशेष लोक अभियोजक गौरब दीक्षित के द्वारा की गई है।

नदियों पर चर्चा | **जिलाधिकारी ने जिला गंगा, पौधरोपण एवं पर्यावरण समिति की बैठक में दिए निर्देश**

ई- कचरा प्रबंधन के लिए लोगों को करें जागरूक

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। जिला गंगा, वृक्षारोपण एंव पर्यावरण समिति की बैठक जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला गंगा समिति के अंतर्गत जन जागरूकता, नदी तट विकास, वनीकरण, सीवरेज उपचार हेतु बुनियादी ढांचे का विकास, नदी में बहने वाले ठोस अपशिष्ट को रोकना, जैव विविधता, नदियों का पुनरुद्धार आदि महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने अवगत कराया कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत मार्च- अप्रैल तक पूरे जनपद में घर घर से कूड़ा उठाकर एकत्रित किया जाएगा एवं एमआरएफ सेन्टर तक ले जाया जायेगा। उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक किया जाए कि वह नदी में कूड़ा, कपड़ा व अन्य किसी भी प्रकार का सॉलिड वेस्ट आदि न फेंके। उन्होंने जिला पर्यावरण समिति के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबन्धन एवं अन्य अपशिष्ट प्रबन्धन को लेकर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने कहा कि पक्का तालाब पर बने एमआरएफ सेन्टर को सक्रिय कराया जाए, लखना और बकेवर के एमआरएफ सेन्टर में पहुंच मार्ग खुद अपने संसाधन से बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्राइवेट नर्सिंग होम के बायोमेडिकल वेस्ट को लेकर ध्यान दिया जाए एवं एक टीम बनाकर निरीक्षण किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि बायोमेडिकल वेस्ट को सामान्य वेस्ट में न फेंका जाए। उन्होंने कहा कि ई-कचरा प्रबन्धन को लेकर लोगों को जागरूक किया जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार गौतम, जिला विकास अधिकारी राकेश प्रसाद, डीएफओ विकास नायक, डीपीओ संजीव चौहान, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. मनोज कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी बनवारी सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी रमेश चंद्र, बेसिक शिक्षा अधिकारी डा. राजेश कुमार, संस्कृत पर्यटन अधिकारी मोहित सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में निर्देश देते जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल। अमृत विचार

सम्मन वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब

(जमूना काबिज फरोक्त)
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत श्रीमान प्रधान न्यायाधीश जिला इटावा मुद्दई
ता0पेशी – 30–8–25
परिवार– न्यायालय इटावा
नम्बर– 672 सन् 2024 साकिन
वैभव पाठक
पुत्र अक्षित पाठक निवासी –पटेल नगर
बनाम
श्रीमती शिवानी
श्रीमती शिवानी पुत्री श्याम सुन्दर द्विवेदी, निवासी– ग्राम मुकेरा पो0–गुमानगंज थाना– नरेनी जिला बाँदा उ0प्र0, हरगाह के आपके नाम एक नालिश दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप व 30 तारीख माह 08 सन् ई0 25. बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत के जो मुकद्दमा के हालत करार माफिक किया गया और कुन उपराव या अहम मुताबिक मुकद्दमा का जवाब दे सके या जिसके जवाबदेही दावा करें। आपको लाजिम है कि जमुला दस्ताबेज पेश करें। जिन पर बताईद अपनी जवाबदेही दस्लतदान करना चाहते है। आपको इत्तिला दी जाती है अगर अजकूर आप हाजिर न होंगे मुकदमा वगैरह हाजिरी मसमुआ और फैसलाहोगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मोहर अदालत का आज दिन 30 माह 7 2025 ई0 जारी किया गया।
आज्ञा से
न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय, इटावा

न्यूज ब्रीफ

11वीं की दो छात्राएं लापता

अजीतमल, औरैया। कोतवाली क्षेत्र के बाबरपुर कस्बे में स्थित बाल विकास संस्थान इंटर कॉलेज की दो छात्राएं लापता हो गई हैं। दोनों छात्राएं 11वीं कक्षा में पढ़ती हैं। पहली छात्रा गांव अमावता की रहने वाली है। वह मंगलवार को घर से स्कूल के लिए निकली थी। लेकिन वह न तो स्कूल पहुंची और न ही शाम को घर वापस आई। दूसरी छात्रा गांव गिरधारीपुर की रहने वाली है। छात्रा के परिजनों ने बताया कि उन्होंने उसे पढ़ाई को लेकर डांटा था। मंगलवार को वह भी स्कूल नहीं पहुंची और घर भी नहीं लौटी। जब देर शाम तक दोनों छात्राएं घर नहीं पहुंचीं, तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। दोनों छात्राओं के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

विद्युत केंद्र पर होगा कैंप का आयोजन

अजीतमल,औरैया। उपकेंद्र अजीतमल पर बुधवार को विद्युत विभाग द्वारा विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कैंप में उपभोक्ताओं की विभिन्न विद्युत समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा। जानकारी के अनुसार उपभोक्ता अपने बिल संबंधी समस्याएं, मीटर से जुड़ी दिक्कतें तथा नए कनेक्शन से संबंधित मामलों का समाधान इस कैंप में करा सकेंगे। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि कैंप में मौके पर ही समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जाएगा ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

फफूंद, औरैया। थाना क्षेत्र के एक गांव में चार दिन पूर्व अहमदाबाद से घर आये युवक ने कमरे की छत में लगे कुंडे में गमछा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। खेतों से वापस आये पिता के देखने पर चीख पुकार मच गई। आस पड़ोस के लोगों के आने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना क्षेत्र के गांव टीकमपुर निवासी शिव नाथ का 20 वर्षीय पुत्र राजा सिह अपने भाइयों के साथ अहमदाबाद में रहकर प्राइवेट जॉब करता था। विगत चार दिन पूर्व शुक्रवार को पिता के पास घर आया था, मंगलवार की दोपहर को पिता खेतों पर चले गये तभी वह घर से फफूंद कस्बा में किसी काम से गया। वापस घर आकर कमरे के अंदर छत में लगे कुंडे में गमछा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

‘बंद पड़े आरआरसी सेंटरों को पूरी क्षमता से संचालित करें’

जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक कर संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी सी पी सिंह द्वारा ग्रीन चौपाल के शासनादेश के संबंध में अवगत कराया गया।

बैठक करते जिलाधिकारी। अमृत विचार

जिस पर जिलाधिकारी ने प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय में ग्रीन चौपाल आयोजित करने हेतु निर्देशित किया साथ ही कहा कि 22 अगस्त को प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रीन चौपाल का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण कार्य हेतु चयनित स्थलों पर कराए गए कार्यों की सभी संबंधित विभागीय अधिकारी डिजिटल डायरी तैयार कर आगामी बैठक में लाना सुनिश्चित करें। पर्यावरण समिति की बैठक में जे आर एफ दीपक तिवारी ने आर आर सी सेंटर चिचोली की स्थिति से अवगत कराया कि सेंटर बंद पड़ा हुआ है, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा रोष व्यक्त करते हुए कहा गया कि बंद पड़े आरआरसी सेंटरों को पूरी क्षमता से संचालित किया जाए। गंगा समिति की बैठक में ज़िला परियोजना अधिकारी साक्षी शुक्ला द्वारा अवगत कराया गया कि राज्य स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा जनपद में कम से कम 10 विद्यालयों में जागरूकता गतिविधियों आयोजित किए जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। उक्त के संबंध में जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि वह 10 विद्यालयों की सूची उपलब्ध कराएंगे ताकि उनमें सम्पूर्ण व्यवस्थाएं कराते हुए पर्यावरण के सम्बन्ध में जागरूकता गतिविधियों कराई जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी सी पी सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रदीप कुमार मौर्य, अधिशाषी अधिकारी राम आसरे कमल, जिला परियोजन अधिकारी साक्षी शुक्ला, जे आर एफ दीपक तिवारी सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

22 अगस्त को प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रीन चौपाल का किया जाए आयोजन

- पौधों को सुरक्षित रखते हुए उन्हें पेड़ बनाने में अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाएं साथ ही नष्ट हुए पौधों को पुन: कराये रोपित

मेला के दौरान मौजूद लोग। अमृत विचार

रोजगार पा खिले छात्र-छात्राओं के चेहरे

संवाददाता फफूंद, औरैया

297 छात्र-छात्राओं को मिलीं कंपनियों में नौकरी

- श्री रामकुमार भारतीय ज्ञान देवी महाविद्यालय में हुआ विशाल रोजगार मेले का आयोजन

अमृत विचार। श्री राम कुमार भारतीय ज्ञान देवी महाविद्यालय फफूँद में बुधवार को लगे रोजगार मेले में 297 छात्र-छात्राओं को नौकरी मिली। नौकरी पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। रोजगार मेले का आयोजन कानपुर यूनिवर्सिटी के निर्देशों पर किया गया।

बुधवार सुबह श्री राम कुमार भारतीय ज्ञान देवी महाविद्यालय फफूंद का माहौल रोजाना की तुलना में कुछ और था। सैकड़ों युवा नौकरी की लालसा में महाविद्यालय पहुंचे और अपने साक्षात्कार का इंतजार करने लगे। रोजगार मेले का उद्घाटन विश्वविद्यालय के सीडीसी डॉ आर के द्विवेदी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने बताया कि इस तरह के रोजगार मेले का आयोजन औरैया में सेल्फ फाइनेंस कॉलेज जिले में पहली बार किया गया। सीडीसी ने सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय प्रबंधक मुकेश कुमार भारतीय पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष फफूंद ने बताया कि इस तरह के आयोजन कॉलेज में आगे भी होते रहेंगे। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ विवेक शर्मा ने सभी का आभार जताया। डॉ विवेक शर्मा ने बताया कि रोजगार मेले में 10 से ज्यादा कंपनियों ने हिस्सा लिया। इन कंपनियों ने महाविद्यालय के करीब 297 से अधिक छात्र-छात्राओं का चयन किया। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले से पूर्व करीब 1400 छात्र-छात्राओं ने अपना पंजीकरण कराया था। उन्होंने सफल छात्रों को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर महाविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

ड्रोन को लेकर अफवाहों पर पुलिस का जवाब

संवाददाता बिधूना

- सीओ बोले- एक ड्रोन 2 लाख का, कोई 80 लाख के ड्रोन क्यों उड़ाएगा

अमृत विचार। क्षेत्र में रात्रि में ड्रोन को लेकर ग्रामीणों में फैली दहशत को लेकर क्षेत्राधिकारी पी पुनीत मिश्रा ने लोगो का भ्रम दूर करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एक साथ 15-20 या 30 ड्रोन देखने की बात कर रहे हैं।

मिश्रा ने बताया कि कल एक गांव से सूचना मिली कि वहां 40 ड्रोन देखे गए। उन्होंने इस दावे की वास्तविकता पर सवाल उठाया। उनके अनुसार, एक ड्रोन की कीमत लगभग 2 लाख रुपये है। इस हिसाब से 40 ड्रोन की कीमत 80 लाख रुपये होगी।

क्षेत्राधिकारी ने तर्क दिया कि जिस व्यक्ति के पास 80 लाख रुपये होंगे, वह इतने महंगे ड्रोन को बिना किसी कारण के नहीं उड़ाएगा। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि यदि कोई वास्तविक समस्या है, तो पुलिस और एयर फोर्स जैसी एजेंसियां इसकी जांच के लिए तैयार हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों में न आएं और न ही उन्हें आगे फैलाएं। कोई भी वास्तविक समस्या होने पर तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित करें। इस मौके पर ट्रेनी पीपीएस मनोज कुमार, इंचार्ज थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार, प्रधान बेला राकेश सिंह चौहान, आसिफ अली, देवेंद्र यादव, ब्रह्मपाल, सचिन स्वर्णकार, शीलू, सहित तमाम लोग रहे मौजूद।

रासलीला में उमड़ी भक्तों की भीड़

कंचौसी। रेलवे स्टेशन के समीप स्थित पुरवा महिपाल बस्ती में आयोजित श्री कृष्ण महोत्सव में दो दिवसीय रासलीला कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

मंगलवार की रात पहले दिन इस रासलीला का शुभारंभ बाबा आनंदेश्वर इंटरप्राइजेज के प्रोपाइटर एवं ठेकेदार नीरज सिंह सेंगर ने फीता काटकर भगवान श्रीकृष्ण दरबार की आरती कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों के होने से लोगों में धार्मिक भावना पैदा होती है और वह भगवान का स्मरण करता है। कहा कि ऐसे आयोजनों से भारतीय संस्कृति की पहचान भी कायम रहती है। रासलीला के पहले दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्म की लीला का वर्णन किया गया। रासलीला में कलाकारों ने मन मोहक झाकियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

भट्ठा व्यापारियों की समस्याओं पर हुई चर्चा

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- जेके टावर होटल में एक विशेष बैठक आयोजित की गई

अमृत विचार। शहर के कानपुर रोड स्थित जेके टावर होटल में जनपद ईंट निर्माता समिति द्वारा एक विशेष बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिले भर से आए एक सैकड़ा से अधिक भट्ठा व्यापारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सतीश पोरवाल ने की।

बैठक को संबोधित करते पदाधिकारी। अमृत विचार

मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री गोपी श्रीवास्तव ने भट्ठा उद्योग से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान का आश्वासन दिया और कहा कि भट्ठा व्यापारियों की समस्याएं वाजिब हैं और सरकार को इन पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समिति प्रदेश स्तर पर इन मुद्दों को उठाएगी और हर संभव प्रयास करेगी कि व्यापारियों को राहत दी जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा भट्ठा उद्योग पर बनाए जा रहे नियमों में सुधार की आवश्यकता है ताकि व्यापारियों को अनावश्यक परेशानियों से न गुजरना पड़े। कार्यक्रम में कई भट्ठा व्यापारियों ने अपनी समस्याएं साझा कीं। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा लगातार बदलते नियम और पर्यावरणीय मानकों की जटिलताएं उनके लिए चिंता का विषय हैं। वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष कुमदेश यादव ने ईट भट्टा स्वामियों को संबोधित करते हुए कहा कि भट्टे में आने वाली समस्याओं को लेकर सरकार से मांग करेगी। जिलाध्यक्ष रविंद्र सिंह कुशवाह ने कहा कि ईट भट्टा स्वामियों को लगातार सरकार के द्वारा उत्पीड़न किया जाता रहा है। कई व्यापारियों ने बिजली आपूर्ति, ईंधन की उपलब्धता, परिवहन लागत और लाइसेंस नवीनीकरण की प्रक्रियाओं को सरल बनाने की मांग की। इस अवसर पर घनश्याम छाबड़ा, सुरेश अरोड़ा, कानपुर देहात अध्यक्ष अनिल बंसल, इटावा कोषाध्य श्री कृष्ण यादव, चंद्र मोहन चोपड़ा, रमेश गुप्ता, भुवन प्रकाश गुप्ता, अहिवरन सिंह यादव, सरनाम सिंह, भूपेंद्र सिंह, कन्हैया लाल गुप्ता, प्रेम कांत अवस्थी, गुड्डू सेंगर, अरुण दुबे, गिरीश तिवारी, अमित यादव, लाल दुबे समेत अनेक भट्ठा व्यापारी उपस्थित रहे। संचालन जयवीर सिंह ने किया। बैठक के अंत में समिति की ओर से व्यापारियों को आश्वासन दिया गया कि उनकी सभी समस्याओं को एक ज्ञापन के माध्यम से शासन तक पहुंचाया जाएगा और जल्द से जल्द समाधान कराने की दिशा में कार्य होगा।

ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को लेकर बैठक

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- डीपीआरओ श्रीकांत यादव ने दिए दिशा-निर्देश

अमृत विचार। सदर विकास खंड में ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सचिवों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें पंचायतों के समग्र विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) श्रीकांत यादव ने पंचायतों के विकास मॉडल पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पंचायत का विकास किस प्रकार से किया जाना चाहिए यह जानना और उस दिशा में कार्य करना ग्राम प्रधानों की जिम्मेदारी है। बैठक का उद्देश्य पंचायतों को जनपद की श्रेष्ठ पंचायतों में शामिल करने की दिशा में मार्गदर्शन देना था। यादव ने उपस्थित ग्राम प्रधानों और सचिवों को बताया कि प्रत्येक पंचायत को अपने-अपने क्षेत्र में स्वच्छता, पेयजल, सड़कों, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी ग्राम पंचायतें यदि योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें तो जनपद की तस्वीर बदली जा सकती है। बैठक में एडीओ पंचायत विनय यादव ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और उनके क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं के समाधान के उपाय बताए। पूर्व ब्लॉक प्रमुख सौरभ भूषण शर्मा ने भी ग्राम विकास में जनसहभागिता के महत्व पर बल दिया। इस बैठक में विकास खंड के सभी ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव मौजूद रहे। पंचायत संचालन को लेकर प्रशिक्षण दिया गया।

सब जूनियर बालक वर्ग में औरैया ने मारी बाजी

संवाददाता,रामगढ़, औरैया

- सीनियर व जूनियर बालक वर्ग में इटावा ने जीते फाइनल मुकाबले
- सुंदर सिंह इंटर कालेज के शिवजी स्टडियम में हुआ आयोजन

अमृत विचार। कस्बा स्थित सुंदर सिंह इंटर कालेज के शिवजी स्टडियम में बुधवार को माध्यमिक विद्यालय मंडलीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे मंडल के चार जनपदों की कुल 15 टीमों ने प्रतिभाग किया ।सब जूनियर बालक वर्ग में औरैया और इटावा के बीच फाइनल मैच खेला गया औरैया की टीम ने 2-0 गोल से विजय हासिल की औरैया की टीम के खिलाड़ी ने अपने पहले हाफ में सचिन ने पहला गोल किया प्रिंस के द्वारा दूसरा गोल किया जिसे औरैया की टीम ने 2-0 गोल से मैच जीत लिया ।

विजेता टीम के खिलाड़ी। अमृत विचार

सीनियर बालक वर्ग में इटावा और कानपुर नगर के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया जिसे इटावा ने 2-0 गोल से मैच जीत लिया कानपुर उप विजेता रही ,जूनियर बालक वर्ग में औरैया और इटावा के बीच खेला गया जिसमे इटावा विजेता रही और औरैया उप विजेता रही, जूनियर बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला कानपुर और इटावा के बीच खेला गया जिसमे कानपुर की टीम विजेता रही इटावा उप विजेता रही। सीनियर बालिका वर्ग में कन्नौज और इटावा के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें कन्नौज विजेता और इटावा उप विजेता रही

इससे पहले प्रतियोगिता का शुभारम्भ जिला विद्यालय निरीक्षक प्रदीप कुमार मौर्य ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण कर किया।इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और खेल भावना के साथ खेले जाने को कहा वही प्रतियोगिता का समापन जिला वित्त लेखा अधिकारी रवि शंकर के द्वारा खिलाड़ियों को पुरुस्कार वितरण कर किया गया। मेजवान विद्यालय के कार्यकारी अध्यक्ष अनिरुद्ध प्रताप सिंह प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार रजक व व्यायाम शिक्षक मोहित यादव ने मुख्य अतिथि व अन्य सभी अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका श्याम प्रकाश गुप्ता ,अरविन्द कुमार, गौतम मुकुल यादव ,स्कोरर की श्रीकृष्ण ,टाइम कीपर की दिलीप अवस्थी ने निभाई जबकि संचालन सुरेंद्र प्रकाश पाठक ने किया। रेड क्रास की भूमिका डॉ डी पी सिंह ने निभाई ।इस अवसर पर जिला क्रीड़ा सचिव उदय प्रताप सिंह जादौन, होशियार सिंह राजपूत, शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष रवि सेंगर,पवन नायक, सूरज कुमार,रजपाल सिंह, मुशीर अहमद ,भूप सिंह, अभि तिवारी, रश्मि केशरवानी ,दुर्गा वती सहित विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षकाएं व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

डीएम को संबोधित ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा

संवाददाता फफूंद, औरैया

अमृत विचार। विद्यालयों के मर्जर व बीएलओ कार्य में लगे अध्यापकों की समस्याओं के लिए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव व जिला मंत्री अरविंद राजपूत ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर कमल सिंह को सौंपा।

ज्ञापन में पंचायत चुनाव में सभी बीएलओ ड्यूटी में परिषदीय शिक्षकों को ही लगाया गया है। अन्य किसी विभाग के कर्मचारियों को इसमें नहीं लगाया गया जो सही नहीं है। कई एकल विद्यालयों के अध्यापकों व प्रधानाध्यापकों की ड्यूटी भी पंचायत चुनाव के के पुनरीक्षण में लगाई गई है, जो नितांत गलत है। बीएलओ ड्यूटी में अन्य विभाग के कर्मचारियों को भी लगाया जाए। एकल और प्रधानाध्यापक या इंचार्ज प्रधानाध्यापक पद पर कार्यरत अध्यापकों की ड्यूटी से मुक्त कर उनके स्थान पर दूसरे विभागों के कर्मचारियों को लगाया जाए। जिन शिक्षकों ने बस्ते नहीं उठाए किन्हीं कारणों से उनके ऊपर वेतन रोकने या अन्य कोई कार्रवाई कदापि न की जाए। इसके अलावा एक अन्य ज्ञापन में जिलाधिकारी से ऐसे विद्यालयों को जिनको अन्य विद्यालयों में मर्ज किया गया था। लेकिन उनको छात्र संख्या 50 से अधिक है या दूरी एक किलोमीटर से अधिक होने के बावजूद पुन बहाल नहीं किया गया है, जो नितांत गलत है। कुल 18स्कूलों की सूची सौंपी गई है। जिनकी स्थलीय जांच कराकर पुनः बहाल करने की मांग जिलाधिकारी से की गई है। भीषण उमस व गर्मी को देखते हुए ,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र देकर स्कूलों का समय 7:30 से 12:30 करने मांग की गई।

अनदेखी | तीन गांवों ने किया चुनाव बहिष्कार का ऐलान

आज़ादी के 79 साल बाद भी नहीं मिला पक्का रास्ता

संवाददाता अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। आज़ादी के 79 साल और लोकतंत्र के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी औरैया जिले के अछल्दा ब्लॉक अंतर्गत पूर्वा मकू, पूर्वा गनू और धर्मपुर जहूर अली गांव आज भी बुनियादी सुविधा पक्के रास्ते से वंचित हैं। इस बार ग्रामीणों ने नाराज़गी जताते हुए आगामी चुनावों में बहिष्कार का ऐलान किया है।

ये तीनों गांव दिबियापुर विधानसभा के अंतर्गत अछल्दा ब्लॉक की धर्मपुर जहूर अली ग्राम पंचायत में आते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आज तक केवल गड्ढों से भरा कच्चा रास्ता ही बना है, जिस पर बारिश के मौसम में चलना तक दूभर हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शादी-ब्याह के रिश्ते सिर्फ रास्ते की वजह से टूट चुके हैं। गर्भवती महिलाओं की समय पर डिलीवरी अस्पताल में न हो पाने के कारण घरों में प्रसव कराना पड़ता है। कई बार एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंच पाती। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि आगजनी जैसी घटनाओं में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी गांव तक नहीं पहुंच पातीं, जिससे नुकसान और बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से शिकायतें कीं, लेकिन आश्वासन के अलावा अब तक कोई ठोस कार्य नहीं हुआ। इस बार गांव वासियों ने साफ कह दिया है कि जब तक पक्का रास्ता नहीं बनेगा, वे किसी भी प्रकार के चुनाव में वोट नहीं डालेंगे।

कच्चा पड़ा रास्ता। अमृत विचार

पानी की टंकी खराब, शिकायत का हुआ फर्जी निस्तारण

- **अछल्दा, औरैया।** विकास खंड क्षेत्र के बघईपुर गांव में पेयजल संकट गंभीर स्थिति में पहुंच गया है। गांव की पानी की टंकी खराब होने से सैकड़ों ग्रामीणों को दैनिक जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम निवासी जयवीर सिंह ने इस समस्या को लेकर आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने स्पष्ट किया कि गांव में पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद है। जल निगम के जेई सौरभ और अधिकारी अनुराग को यह शिकायत मिली। दोनों अधिकारियों ने बिना समस्या का समाधान किए ही शिकायत को निस्तारित कर दिया। अधिकारियों द्वारा फर्जी निस्तारण के कारण गांव में पानी की समस्या अभी भी बनी हुई है। ग्रामीणों ने अधिकारियों की इस लापरवाही पर नाराजगी जताई है। उन्होंने उच्चाधिकारियों से इस मामले में कार्रवाई की मांग की है।

बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में दी गई राहत

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देशन में जनपद में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में जनजीवन को पुर्नस्थापित करने, ग्रामीणों को शासन द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का त्वरित लाभ दिलाने एवं बाढ़ से हुयी क्षति की प्रतिपूर्ति करने हेतु जनपद में आकांक्षी शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जिसके तहत विकास खण्ड अजीतमल के अन्तर्गत ग्राम गोहानीकला में आकांक्षी शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में लगे स्टाल। अमृत विचार

आकांक्षी शिविर में आवास योजना ग्रामीण, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, चिकित्सा सेवायें, कृषि, कौशल विकास, उद्योग, विद्युत, पशुपालन, सहकारिता सहित समस्त पेंशन योजनायें, राजस्व विभाग आदि के स्टॉल लगाये गये। उक्त स्टॉलों के माध्यम से निराश्रित महिला पेंशन के 09 आवेदन, वृद्धावस्था पेंशन हेतु 16 आवेदन, दिव्यांग पेंशन हेतु 02 आवेदन, राशन कार्ड के 32 आवेदन प्राप्त हुए, आयुष्मान कार्ड के 02 आवेदन, ई श्रम कार्ड हेतु 08 आवेदन, उर्वरक हेतु 08 आवेदन, किसान सम्मान निधि के 04 आवेदन, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना हेतु 25 तथा आवास हेतु 35 कौशल विकास 12 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और निःशुल्क दवा का वितरण किया गया। सभी स्टालों का निरीक्षण किया गया तथा उपस्थित अधिकारियों को प्राप्त आवेदन पत्रों का त्वरित निस्तारण किए जाने एवं निस्तारण आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

न्यूज ब्रीफ

अल्टीनेटर गिरने से अधेड़ गंभीर घायल

कुरारा। ग्राम पंचायत पारा के मजरा शंकरपुर में अधेड़ के ऊपर अल्टीलेटर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया। शंकरपुर गांव निवासी कारेलाल (49) पुत्र रामदास मंगलवार की शाम करीब 7 बजे कमरे के अंदर बनी ताड़ में रखा सामान उठा रहा था। तभी उसके ऊपर अल्टीलेटर गिर जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे परिजन आनन फ़ानन उपचार के लिए स्थानीय सीएचसी लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत नाजुक देख जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

चेकिंग के दौरान वाहनों का चालान

मौदहा। वाहन चेकिंग अभियान के तहत यातायात प्रभारी ने एक सैकड़ा से अधिक वाहनों के चालान कर कानून का पाठ पढ़ाया। कस्बे के बड़ा चौराहा से मलिकुआ चौराहा पर यातायात प्रभारी हरेंद्र सिंह ने चेकिंग अभियान चलाकर ओवरलोड सवारी भरे आटो, ई-रिक्शा एवं बाइक पर सवार दो से अधिक व्यक्ति पर उनका चालान किया। चेकिंग अभियान से ओवरलोड वाहन चालकों में हड़कंप रहा। यातायात प्रभारी ने बताया कि कुल 150 वाहनों के चालान किए गए।

शराब पीते समय हुआ विवाद, युवक को पीटा

मौदहा। बुधवार को कस्बे में एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ, जिसमें एक युवक को पुलिस और एम्बुलेंस कर्मचारी उठाकर स्ट्रेचर पर लेकर अस्पताल ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। पड़ताल करने पर पता चला कि वायरल वीडियो कस्बे के गांधी इण्टर कालेज के निकट बने मोक्षधाम का है। शराब पीने के बाद शराबियों में आपस में हुई मारपीट में युवक घायल हुआ है, जिसका सरकारी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। अमृत विचार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चार आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

बिवांर। थाना पुलिस ने दो गांवों के चार वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। जिसमें चमरखन्ना के भोले पुत्र कृपाल, रतौली के सगे भाई राजेंद्र व राजू पुत्र लल्लू प्रसाद, लल्लू प्रसाद पुत्र मोतीलाल का मुकदमा अदालत में चलने पर हाजिर नहीं हो रहे थे। चारों के खिलाफ अदालत ने वारंट जारी किया था। कुनहेटा चौकी प्रभारी रवींद्र कुमार ने चारों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। उधर बंडा गांव के शिवलाल के साथ जमीनी विवाद को लेकर दो युवक हरछठिया पुत्र मुलुवा व श्रीपाल पुत्र झंडू ने अभद्रता की। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। तहरीर पर एसआई मोहम्मद सुल्तान ने दोनों को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। कुनेहटा गांव के दो युवकों में रंजिश के चलते आपस में मारपीट हो गई। मारपीट करते देख एसआई रवीन्द्र कुमार ने दोनों को गिरफ्तार कर चालान किया है।

मेधावी छात्रों को किया गया पुरस्कृत

मौदहा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक खंडेह में श्री बीरादेव इंटर कालेज के कक्षा 1 से 5 तक छात्रों को क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार शुक्ल ने प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने पर पुरस्कृत किया। बैंक मैनेजर महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि उच्च कक्षा के छात्रों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। प्रधानाचार्य उदित नारायण, प्रबंधक प्रद्युम्न कुमार लालू दुबे ने कहा कि सम्मान से छात्रों का मनोबल बढ़ने के साथ प्रतिस्पर्धा होती है। यहां शिवकुमार, अनिल सुमन, दिनेश कुमार, योगेश प्रजापति, धीरेन्द्र दुबे आदि उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार कंटेनर ने 4 गोवंशों की ली जान

सड़क पर बैठे गोवंशों को रौंदने के बाद गाड़ी लेकर भाग निकला चालक

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- लोगों में भड़का आक्रोश, मौके पर पहुंची पुलिस ने किया शांत
- एसडीएम और ईओ ने लोगों से हादसे के बारे में जानकारी ली

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार। कस्बे के कांशीराम कॉलोनी के निकट मंगलवार की रात तेज रफ्तार कंटेनर ने सड़क पर बैठे गोवंशों को रौंद डाला। गोवंशों को रौंदने के बाद चालक तेज रफ्तार के साथ गाड़ी लेकर भाग निकला। हादसे में चार गोवंशों की मौके पर ही मौत हो गई। गोवंशों की मौत के बाद लोगों में गुस्सा भड़ गया। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस और एसडीएम व नगर पालिका के ईओ ने लोगों से हादसे की जानकारी ली।

गौरतलब है कि इस समय प्रशासन के गैरजिम्मेदाराना रवैया के चलते सड़कों पर गोवंश घूम रहे हैं। कस्बे में गल्ला मंडी के पास बनी गौशाला सिर्फ दिखावा साबित हो रही है। मौके पर मौजूद रहे मनोज, दीपक, कल्लू और नरेश आदि लोगों ने बताया कि मंगलवार की रात करीब 10 बजे नहर बाईपास पर कुछ गोवंश बैठे थे, तभी सड़क से गुजरे तेज रफ्तार एक कंटेनर ने गोवंशों को रौंद दिया। हादसे में चार गोवंशों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक तेज रफ्तार से कंटेनर लेकर भाग निकला।

लोगों ने बताया कि नहर बाईपास रोड पर ट्रक और कंटेनर इत्यादि ओवर स्पीड से फर्राटा भरते हैं, जिससे यहां पर अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कोतवाल रामासरे सरोज ने बताया कि कंटेनर की तलाश की जा रही है। गोवंशों का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया है। उन्हें दफना दिया गया है।

किशोरी से रेप में दो युवकों पर रिपोर्ट

सरीला। चिकासी थानाक्षेत्र के एक गांव में बहाने से पशुबाड़े में बुलाकर किशोरी के साथ पड़ोसी युवक ने दुराचार किया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी और उसके दोस्त पर रिपोर्ट दर्ज की है।

किशोरी ने पुलिस को बताया कि पड़ोसी आरोपी ने उसे झांसे में लेकर पशुबाड़े में खाना बनाने को कहा ले गया। जिसके विश्वास में वह खाना बनाने पशुबाड़े पहुंची थी। 15 वर्षीय बेटी जब घर लौटी तो रोते हुए आपबीती सुनाई। बताया कि बाहर से ताला बंद कर चला गया। वहां अंदर पहले से मौजूद आरोपी दीपेंद्र ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। लोकलाज के चलते दो दिन तक वह शिकायत करने थाने नहीं आई। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि पिता की तहरीर पर दीपेंद्र पुत्र बाबूराम के विरुद्ध दुष्कर्म व पॉस्को व मुनीम के विरुद्ध आपराधिक षड्यंत्र रचने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

स्वस्थ तन में होता स्वस्थ मन का विकास

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

दौड़ प्रतियोगिता में दमखम दिखाते छात्र। अमृत विचार

- संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में छात्रों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

अमृत विचार। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज की मेजबानी में बुधवार को संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता राजकीय स्पोर्टस स्टेडियम में हुईं। उद्घाटन झांसी/बांदा सम्भाग निरीक्षक शिवकरण ने किया। उन्होंने कहा खेल से हमारा शारीरिक व मानसिक विकास होता है। इसलिए कहा भी गया है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। अतः हम पढ़ाई के साथ खेल पर भी ध्यान दें।

प्रतियोगिता में एथलेटिक्स में अण्डर 14 बाल वर्ग 100 मी, 200 मी व 400 मी में शिवम राठ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अण्डर 17 बालक वर्ग 100 मी प्रिंस राठ, 200 मी अभिमान मौदहा, व 400 मी में रेहान हमीरपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अण्डर 19 बालक वर्ग 100 मी व 200मी कुणाल पाल राठ, 400 मी स्वप्निल राठ व 800 मी अक्षय राठ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अण्डर 14 बालिका वर्ग 100 मी में अंशिका हमीरपुर, 200 मी में आसी मौदहा, 600 मी में आश्वी मौदहा, व 400 मी में काव्या मौदहा प्रथम रहीं। अण्डर 17 बालिका वर्ग में 100 मी आकांक्षा मौर्य, कृतिका हमीरपुर द्वितीय व शालिनी हमीरपुर तृतीय स्थान में रहीं। 50 मी में पियूष राठ प्रथम व वैष्णवी कुरारा, गोला फेंक में महताब कुरारा व रागिनी राठ प्रथम रहीं लम्बीकूद में देव राठ प्रथम रागिनी राठ प्रथम ऊंचीकूद में देव व अदिति राठ प्रथम रहे। निर्णायक मण्डल में मुरलीधर, उमेश, दिलीप व प्रकाश तथा अमर सिंह, श्यामजी दुबे, शुभम द्विवेदी, आशुतोष रहे। विजेता खिलाड़ियो को मुख्य अतिथि ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। अतिथि परिचय एवं सम्मान प्रधानाचार्य एवं संकुल प्रमुख रामप्रकाश गुप्ता ने कराया। प्रतियोगिता में हमीरपुर, राठ, कुरारा, मौदहा के प्रधानाचार्य एवं शारीरिक आचार्य शामिल रहे। प्रथम स्थान पाए खिलाड़ियो को प्रान्त स्तरीय प्रतियोगिता महोबा में होने वाली 13 से 15 सितम्बर में प्रतिभाग करना है। यह जानकारी विद्यालय के मीडिया प्रभारी आचार्य वेदप्रकाश शुक्ल ने दी।

लेखपालों पर कार्रवाई के विरोध में आंदोलन जारी

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- लेखपाल संघ ने कार्य बहिष्कार कर धरना के साथ किया प्रदर्शन
- तीन दिन से कार्य बहिष्कार के चलते जरूरतमंदों के काम रुके

अमृत विचार। एक लेखपाल के निलंबन और दूसरे के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई से आक्रोशित लेखपाल संघ का एसडीएम के समझाने के बावजूद तीसरे दिन भी तहसील परिसर में कार्य बहिष्कार कर धरना-प्रदर्शन जारी रहा। तीन दिनों से बाढ़ पीड़ित, किसान, छात्र व अन्य लोग आय, जाति तथा निवास प्रमाणपत्र निर्गत कराने के लिए भटकते रहे।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष विजेंद्र वर्मा के नेतृत्व में चल रहे धरने के दौरान बताया कि एसडीएम सदर द्वारा संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आदित्य द्विवेदी को झूठा आरोप लगाकर निलंबित कर दिया गया है जबकि महिला लेखपाल शिवांगी ओमर पर विभागीय कार्यवाही कर दी है। जिसके विरोध में लेखपाल संघ बीते सोमवार से शुरू हुआ धरना प्रदर्शन बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा है।

उन्होंने आदित्य कुमार द्विवेदी के निलंबन को निरस्त करने और शिवांगी ओमर पर विभागीय कार्यवाही रोकने की मांग की है। इस दौरान अशोक कुमार चंद्रेश सिंह मोहम्मद अकरम चंद्रशेखर भारती मिथिलेश कुमार सहित अन्य लेखपाल मौजूद रहे।उधर प्रशासन और लेखपालों के मध्य एक-दूसरे के विरुद्ध जारी दावों की जंग में जनता परेशान हो रही है।

डिजिटल क्रॉप सर्वे का किया विरोध

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते पंचायत सहायक। अमृत विचार

- पंचायत सहायकों ने सर्वे से मुक्ति या सुविधाएं देने की मांग उठाई

अमृत विचार। जिले भर के पंचायत सहायकों ने एग्रीस्टैक डिजिटल क्रॉप सर्वे के विरोध में बुधवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन सर्वे से मुक्ति या सुविधाएं देने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा है।

पंचायत सहायक यूनियन के पंचायत सहायकों ने दिए ज्ञापन में बताया कि शासनादेश के मुताबिक खरीफ मौसम 2025 से ई-खसरा पड़ताल के तहत डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य लेखपालों के स्थान पर प्राइवेट सर्वेयर करेंगे। निर्णय के अनुपालन में कृषि विभाग सर्वेयरों का चयन कर मानदेय और प्रोत्साहन भी देगा। उनका कहना है कि उनके पास उचित क्षमता वाले स्मार्टफोन या जीपीएस मोबाइल नहीं हैं। वे ग्राम पंचायत सचिवालय में अकेले कर्मचारी हैं। फील्ड में जाने से सचिवालय का काम रुकेगा। कहा एग्रीस्टैक क्रॉप सर्वे कृषि विभाग का काम है। यह पंचायती राज विभाग का नियमित कार्य नहीं है। प्रति गाटा प्रस्तावित राशि भी कम है। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले मोबाइल फोन, प्रोत्साहन राशि के बजाय निश्चित मानदेय, मानसून में खेतों में सर्वे के दौरान जंगली जानवरों और सांप-बिच्छू का खतरा होने से 10 लाख का बीमा और दुर्घटना में परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी, दुर्गम क्षेत्रों में महिला पंचायत सहायकों की सुरक्षा, सहित चार सूत्री मांगे की हैं। इस दौरान वीना यादव, राधा, ब्रजेश, जीतेन्द्र, सौरभ, शैलजा, राजकुमार, रोशनी, सोनम, नरेंद्र, आरती, भरत कुमार, दिपेन्द्र कुमार, रविंद्र, शशिकांत मौजूद रहे।

इंट्राग्राम पर दोस्ती के बाद युवती के घर पहुंचा प्रेमी

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

- गश्त के दौरान पुलिस ने प्रेमी और उसके दोस्त को पकड़ा
- हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू पिता को थाने बुलाया गया

अमृत विचार। इंस्टाग्राम से प्रेम होने पर दो युवक रात में एक गांव की युवती के दरवाजे के पास आ गए। इधर, गस्त में गई पुलिस ने दोनों युवकों को देख हिरासत में ले लिया है। युवक के पिता और छोटी बहन को बुलाकर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

घाटमपुर के सुरेखा गांव में युवती की बुआ की ससुराल है। उसी गांव के बुआ के पड़ोसी युवक अशोक कुमार का इंस्टाग्राम से युवती से प्रेम हो गया। फोन से प्रेम भरी बातचीत होने लगी। युवक घाटमपुर के एक विद्यालय में बीएससी तृतीय वर्ष का छात्र है। युवक का युवती से प्रेम संबंध के चलते आए दिन दोनों की बातचीत होने लगी। युवक के कहने पर युवती ने अपनी बुआ के पास आना-जाना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे दोनों की मुलाकात गहरे प्रेम में बदल गई। मंगलवार रात करीब एक बजे युवक अपने साथी श्रीकांत के साथ युवती के दरवाजे के पास खड़े होकर फोन से बातचीत कर रहे थे, तभी गस्त में गए एसआई मो. सुल्तान ने दोनों के खड़े होकर फोन पर बातचीत करते देख हिरासत में लेकर थाने ले आए। युवकों से पुलिस ने जानकारी की। इस पर इंस्टाग्राम से प्रेम हो जाने की बात बताई गई। दोनों युवक अभी पुलिस की हिरासत में हैं। एसआई मो. सुल्तान ने बताया कि युवक के पिता को जानकारी देकर बुलाया है।

गैस लाइन डालने में तोड़ी इंटरलॉकिंग

सुमेरपुर। वार्ड संख्या 15 संतकबीर नगर में गैस पाइप लाइन बिछाने के दौरान इंटरलॉकिंग क्षत्रिग्रस्त कर देने से वार्डवासी परेशान हैं।

वार्ड निवासी शंकर साहू, अभय सिंह, नीरज प्रजापति, अरविंद, रोहित साहू, विवेक द्विवेदी आदि ने बताया कि विगत दिनों गैस पाइप लाइन बिछाने के दौरान इंटरलॉकिंग तोड़ दी थी। पाइप लाइन डालने के दौरान पेयजल की लाइन भी ध्वस्त हो गई। जिसको ठीक करने के लिए जेसीबी मशीन से खुदाई कर कार्य कराया था। लेकिन कार्य के बाद इंटरलॉकिंग को ठीक नहीं कराया गया है। इससे लोगों को आवागमन में तमाम मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। गैस कंपनी आईजीएल के क्षेत्रीय अधिकारी संगीत सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी है। जल्द ही ठीक कराया जाएगा। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी दिनेश आर्य ने बताया कि मामले की शिकायत मिली है। कार्यदाई संस्था को कार्य करने को कहा गया है। जल्द ही कार्य शुरू कराया जाएगा।

श्रद्धालुओं को भोजन कराते सब्जी व्यापारी। अमृत विचार

व्यापारियों ने श्रद्धालुओं को कराया भोजन

संवाददाता, मौदहा

अमृत विचार। अमावस्या पर धर्म नगरी चित्रकूट जाकर हजारों भक्त कामतानाथ के दर्शन करते हैं, लेकिन भादौं महीने की अमावस्या का विशेष महत्व है। इस अमावस्या पर जालौन, कालपी, उरई, राठ, सरीला सहित क्षेत्र के लाखों श्रद्धालु पैदल चलकर कामतानाथ के दर्शन करते हैं और परिक्रमा लगाते हैं।

कस्बे की गल्ला मण्डी स्थित सब्जी मण्डी के व्यापारियों ने भैंसता के निकट स्टाल लगाकर भक्तों को भोजन करा उनकी सेवा की। इस दौरान नीतू, शान मोहम्मद उर्फ़ दादू, काली, पण्डित, नासिर, कल्लू का विशेष योगदान रहा। शान मोहम्मद ने बताया कि वह कई सालों से ऐसे ही भक्तों की सेवा करते हैं, लेकिन उनके पास स्थायी जगह नहीं है तो मण्डी में ही भोजन बनवा कर लोडरों में लाकर रास्ते में टैंट लगा सेवा करते है अगर स्थाई जगह होती तो दो दिन भक्तो के ठहरने की व्यवस्था भी करते। वहीँ ग्राम पंचायत गुसियारी प्रधान असरार अहमद भी बीते एक दशक से टिकरी गांव के निकट स्थित मंदिर में भण्डारे का आयोजन कर रहे हैं। भक्तों के खाने पीने से लेकर रात्रि विश्राम तक की व्यवस्था करते हैं।

कथा सुनने से मिलता आध्यात्मिक ज्ञान

राठ। कस्बे के जलविहार मंच पर श्रीमेला जल विहार समिति द्वारा शुरू हुई श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ हो गया।

ओरछा धाम से पधारी कथा वाचक मानस माधुरी पाठक ने पहले दिन कथा का महत्व, भागवत पुराण का सार, और भगवान कृष्ण के प्रति भक्ति की महिमा बताई। भागवत कथा सुनने के लाभों और आध्यात्मिक ज्ञान के बारे में बताया। भागवत कथा को सुनने के लाभों और इसके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला भागवत पुराण के सार मे भागवत पुराण के मुख्य विषयों और संदेशों को समझाया जैसे कि भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और समाज का कल्याण। कथावाचक ने कहा कि भगवान कृष्ण के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना रखने वालों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। कहा कि भगवान के प्रति भक्ति और प्रेम की भावना रखने वालों की नैया पार हो जाती है। कथा पंडाल में पहले दिन श्रोताओं की खूब भीड़ उमड़ी।

किसान समाधान दिवस में समस्या सुनते अधिकारी। अमृत विचार

किसान दिवस में खाद-बीज का मुद्दा उठा

कुरारा (हमीरपुर)। स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र में किसान समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें खाद बीज का मुद्दा छाया रहा।

कृषि विज्ञान केंद्र में बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में किसान समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें सरसई गांव के किसान सतीश पालीवाल ने मंडी समिति में किसानों के साथ हो रहे शोषण को लेकर शिकायत करते हुए कहा कि व्यापारी किसानों के साथ मनमाने तरीके से ढ़लता, पल्लेदारी के नाम पर शोषण कर रहे हैं। जिसमें एक किलो तौल ज्यादा ले रहे हैं। यह पूरी तरह बंद होना चाहिए। कुरारा के किसान नरोत्तम दास गुप्ता ने शिकायत करते हुए बताया कि सहकारी समितियों में खाद बीज समय से उपलब्ध कराई जाए। वहीं कस्बा मे प्राइवेट दुकानों में महंगे दामों में डीएपी खाद 1600 रुपये प्रति बोरी व यूरिया खाद 220 रुपये बोरी मनमाने रेट में किसानों को व्यापारी बेच रहे हैं। किसान समाधान दिवस में जिला कृषि अधिकारी हरिशंकर, राजीव कुमार सिंह, प्रमोद कुमार, प्रशांत कुमार, रमाकांत द्विवेदी, उपेंद्र सिंह व किसान संतराम सरसई, जगरूप सिंह मनकी कला, अमित सिंह उमराहट आदि मौजूद रहे।

खाद की सूचना पर उमड़ी भीड़

मौदहा। कस्बे की किसान सहकारी समिति में यूरिया खाद वितरित की गई। खाद लेने के लिए यहां किसानों की अच्छी खासी भीड़ रही।

बुधवार को किसान सहकारी समिति में यूरिया खाद बंटने की खबर फैलते ही किसानों की भीड़ जमा हो गई। समिति के सचिव ने खाताधारकों को 5-5 बोरी यूरिया खाद बांटी। सचिव अवनीश कुमार ने बताया कि जल्द ही और खाद आने की संभावना है। खाद आने पर सभी लोगों को खाद वितरित की जाएगी। नगर के पीसीएफ केंद्र ने भी सोमवार को किसानों को तीन-तीन बोरी खाद वितरित की। यहां के प्रभारी रमाशंकर ने बताया कि उनके गोदाम में पहले से यूरिया रखी हुई थी। जो किसानों को वितरित की गई है। प्रभारी ने बताया कि अब किसानों को खाद प्राप्त करने के लिए अलग से आवेदन करना होगा। जिसमें लेखपाल की रिपोर्ट लगने के बाद किसनों को उचित मात्रा में खाद दी जाएगी।

ब्रेकर बनाने के निर्देश | जिला सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने दी योजना की जानकारी

सड़क हादसे में घायल को मिलना चाहिए कैशलेश इलाज

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

सड़क सुरक्षा संबंधी बैठक लेते जिलाधिकारी घनश्याम मीना। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जनवरी से जुलाई तक हुई सड़क दुर्घटनाओं के तुल्नात्मक विवरण, मृतकों एवं घायलों की संख्या, दुर्घटना का कारण एवं कमी लाए जाने के उपायों पर विचार विमर्श किया।

साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों के कैशलेश उपचार के संबंध में भारत सरकार द्वारा अधिसूचित योजना 2025 के क्रियान्वयन तथा जनपद में ब्लैक स्पॉट पर किए गए सुधारीकरण कार्यो की समीक्षा की। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जन जागरूकता एवं विद्यालयों में प्रचार प्रसार, नो हैल्मेट नो फ्यूल के लिए शहरी पेट्रोल पम्पों पर सुरक्षा व्यवस्था, सुमेरपुर तिराहा के चौड़ीकरण एवं सड़क सुरक्षा मानकों को पूर्ण कराने के कार्य, सड़क दुर्घटना राहत एवं हिट एण्ड रन कमेटी, खनन परिवहन एवं ओवरलोडिंग यातायात नियमों का उल्लंघन कर संचालित वाहनों के विरूद्ध प्रवर्तन कार्यवाही, ई-रिक्शा सत्यापन अभियान, सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा एवं स्वैच्छिक मदद आदि की जानकारी ली गई। समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि ब्लैट स्पॉट एवं दुर्घटना बाहुल्य जगहों पर निर्धारित मानक के अनुरूप ऐसे ब्रेकर बनाए जाए जो वाहनों की स्पीड को तोड़ सकें। मानक अनुरूप ब्रेकर बनाने से सड़क दुर्घटनाओं में काफी कमी आएगी।

उन्होंने अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी को निर्देश दिए कि सड़को पर पैच मरम्मत एवं गड्ढा मुक्ति का कार्य शीघ्र प्रारम्भ कराया जाए। उन्होंने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को इस आशय से निर्देशित किया कि वह सड़कों के मेन्टीनेंस की सूची लेकर उसकी जॉच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। उन्होंने अवगत कराया कि दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को कैशलेस उपचार के संबंध में भारत सरकार द्वारा अधिसूचित योजना 2025 का क्रियान्वयन किया गया है। जिसमें सड़क दुर्घटना के पीड़ितो को दुर्घटना की तिथि से अधिकतम 7 दिनों के अन्दर 1.50 लाख रुपये तक कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रावधान है। कहा सड़क दुर्घटना से पीड़ित प्रत्येक व्यक्ति को इस योजना के तहत लाभान्वित किया जाए। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन अभिताभ राय, अधिशासी अभियंता लोनिवि दुगपाल सिंह, जेई शाजिद अंसारी, प्रतिनिधि जिला विद्यालय निरीक्षक शिव नारायन सिंह, प्रतिनिधि एआरएम रोडवेज अनुराग मिश्रा, ईओ नगर पालिका हेमराज, यातायात क्षेत्राधिकारी शाहरूख खॉन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तीजा मेले में तय होती शादी की तारीख

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

- तीजा महोत्सव में मायके आकर भाइयों को राखी बांधतीं बहनें
- सुमेरपुर में तीजा महोत्सव को लेकर तैयारियां तेजी से शुरू

अमृत विचार। वैसे तो पूरे देश में रक्षाबंधन का पर्व एक ही दिन मनाया जाता है, लेकिन यहां आज भी तीजा महोत्सव में आने वाली बहनें भाइयों की कलाई पर राखी बांधने का चलन है। इतना ही नहीं इस तीजा मेला में शादी विवाह के रिश्तों पर भी मुहर लगती है। साथ ही रिश्तों की तारीखें तय होती हैं। कस्बे का ऐतिहासिक तीजा मेला कई परंपराओं को जीवंत करता है। 26 अगस्त से शुरू होने वाले तीजा महोत्सव की तैयारियां तेज हो गई हैं।

कस्बे के ऐतिहासिक तीजा मेला महोत्सव की ख्याति दूर-दूर तक है। बुंदेलखंड के कोने-कोने से लोग इस महोत्सव में हिस्सा लेते हैं। रक्षाबंधन का पर्व पूरे देश में एक दिन मनाया जाता है, लेकिन यहां आज भी तीजा महोत्सव में आने वाली बहनें भाइयों की कलाई पर राखी बांधने का चलन है। इतना ही नहीं इस तीजा मेला में शादी विवाह के रिश्तों पर भी मुहर लगती है। साथ ही रिश्तों की तारीखें तय होती हैं। कस्बे का ऐतिहासिक तीजा मेला कई परंपराओं को जीवंत करता है। 26 अगस्त से शुरू होने वाले तीजा महोत्सव की तैयारियां तेज हो गई हैं।

कस्बे के ऐतिहासिक तीजा मेला महोत्सव की ख्याति दूर-दूर तक है। बुंदेलखंड के कोने-कोने से लोग इस महोत्सव में हिस्सा लेते हैं। रक्षाबंधन का पर्व पूरे देश में एक दिन मनाया जाता है, लेकिन यहां अलग परंपरा है। आल्हा-ऊदल के समय की बात करें तो उनके समय में एक दिन बाद रक्षाबंधन बनाने की परंपरा हो शुरू हुई। कस्बे में तीजा तक राखी बांधने का चलन है। कस्बे का वयोवृद्ध सेवानिवृत्त शिक्षक एमएल अवस्थी बताते हैं कि यह परंपरा बहुत पुरानी है।

जो बहनें रक्षाबंधन पर मायके नहीं आ पाती हैं, वह तीजा में आकर भाइयों को राखी बांधती है। इसके बाद तीजा महोत्सव की शोभायात्रा में शामिल होकर ससुराल वापस जाती हैं। बुजुर्ग बृजलाल सिंह बताते हैं कि तीजा तक राखी बांधने के अलावा और भी तमाम परंपराएं विद्यमान है। तीजा मेला में प्रत्येक घर पर रिश्तेदारों का जमघट होता है। इसी जमघट में लड़का लड़की के तमाम रिश्ते तय होते हैं। रिश्तो के बयानें के बाद तारीखें तय होती हैं। यह सब कुछ सदियों से चला आ रहा है।

बुजुर्ग रामकृष्ण प्रजापति बताते हैं की तीजा मेला तमाम परंपराओं को समेटे हैं। उनका निर्वाहन आज भी होता है। शादी ब्याह के अलावा घर परिवार में होने वाले झगड़ों को भी नाते रिश्तेदार सभी को आपस में बिठाकर सुलझाते हैं। यह सब वर्षों से निरंतर हो रहा है। जो रिश्तेदार वर्ष पर्यंत आने का समय नहीं निकाल पाते है। वह तीजा में समय निकालकर अवश्य आते हैं। कस्बे का कोई ऐसा घर नहीं होता है। जिस घर में रिश्तेदारों का जमावड़ा नहीं लगता है।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 21 अगस्त 2025 महोबा

न्यूज ब्रीफ

अवैध लकड़ी से भरा ट्रैक्टर पकड़ा गया

बेलाताल। अजनर पुलिस ने ट्रैक्टर में ले जा रहे प्रतिबंधित खेर की लकड़ी को पकड़ लिया और ट्रैक्टर को थाना परिसर में खड़ा कर दिया है। लकड़ी गायब होने की सूचना पर वन विभाग खेर की लकड़ी की तलाश में जुट गया। मगरिया गांव की तरफ से ट्रैक्टर में लकड़ी ले जाने की सूचना पर पुलिस ने लकड़ी समेत ट्रैक्टर को पकड़ लिया और ट्रैक्टर को थाने में खड़ा कर दिया है। इससे लकड़ी कारोबारी में हड़कंप मच गया है।

दो मिनट देर से पहुंचे छात्रों को निकाला

अजनर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज में छात्रों के दो मिनट देर से पहुंचने पर विद्यालय से बाहर कर देने का मामला सामने आया है। बताया गया कि मंगलवार को आरी, सगुनिया, इन्द्रहटा, बिजौरी और नगारा गांव सहित आसपास के गांवों से आए विज्ञान संकाय और कक्षा दसवीं के कुछ छात्र दो मिनट लेट हो गए। छात्रों का आरोप है कि प्रधानाचार्य रणधीर राणा और कुछ अध्यापकों ने उन्हें विद्यालय में प्रवेश नहीं करने दिया, जबकि अपने परिचित बच्चों को अंदर जाने की अनुमति दे दी। इससे नाराज छात्र बस स्टैंड पर इकट्ठा हो गए। छात्रों ने बताया कि वे रोज़ 10 से 15 किलोमीटर की दूरी रिक्शा या अन्य वाहनों से तय करते हैं। ऐसे में कभी-कभी विलंब हो जाता है। छात्रों का यह भी आरोप है कि विद्यालय प्रशासन पीटीए फंड में अधिक धन वसूल रहा है और शिक्षकों के भ्रमण भत्ते में गड़बड़ी कर रहा है। छात्रों ने एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर से शिकायत कर विद्यालय की तानाशाही रोकने की मांग की है।

बाढ़ राहत सामग्री दिलाने की मांग

हमीरपुर। शहर के रमेड़ी डांडा मुहाल के बाढ़ पीड़ितों ने वार्ड के सभासद के पुत्र पर मुंह देखा व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए डीएम से राहत सामग्री किट दिलवाने की मांग की है। वार्ड नंबर 8 रमेड़ी डांडा मुहाल वासी गीता, पार्वती, धर्मेंद्र कुमार, संतो, अर्चना, निशा, पूजा, आशा, संतरानी, सोमवती, मालती आदि ने दिए ज्ञापन में बताया कि उनके वार्ड के सभासद पुत्र योगेश कुमार ने लिस्ट बनाकर कुछ लोगों को राहत सामग्री दिलाइ गई है। जबकि बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री न दिलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने सभी पात्रों को राहत सामग्री दिलाने की मांग की है।

गैस सिलेंडर में आग लगने से मचा हड़कंप, स्कूल की रसोइया झुलसी

संवाददाता, कुलपहाड़ (महोबा)

- सिरमौर के प्राथमिक विद्यालय में मिड-डे मील बनाते समय हादसा

अमृत विचार। प्राथमिक विद्यालय ग्राम पंचायत सिरमौर में खाना बनाते समय सिलेंडर में आग लगने से रसोईया झुलस गई। गंभीर हालत में जल जाने पर। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर उसका उपचार चल रहा है।

बुधवार को सुबह 9 बजे प्राथमिक विद्यालय सिरमौर में खाना बनाते समय रसोईया दयावती पाल पत्नी स्वर्गीय जगतपाल बच्चों के लिए खाना बनाने के लिए जैसे ही गैस चूल्हे में आग जलाई तभी सिलेंडर ने आग पकड़ ली, भीषण आग को देखते हुए विद्यालय परिसर में अफरा तफरी मच गई, विद्यालय स्टाफ ने विद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रहे सभी बच्चों को पीछे का दरवाजा खोलकर बाहर निकाल दिया। प्रधान अध्यापक साबिर मंसूरी तथा उनके स्टाफ ने आग बुझाने वाले सिलेंडर से लगी आग को बुझाय। आग बुझाते समय इंचार्ज प्रधानाचार्य भी घायल हो गए

विद्यालय में तीन रसोइयों की नियुक्ति है कैलाश देवी, दयावती, सुरेश तीनों महिलाएं वहां खाना बनाने के लिए तैयारी कर रही थी तभी दयावती नाम की महिला की 55 सब्जी बनाने के लिए गैस चूल्हा जलाने का प्रयास किया चूल्हे में आग लगाते ही सिलेंडर ने आग पकड़ ली और सिलेंडर तथा रसोई घर धू धू करके जलने लगा विद्यालय के बाहर मौजूद ग्राम वासी आवाज सुनकर दौड़े और विद्यालय स्टाफ के साथ मिलकर रसोई घर में जल रही है आग पर काबू पाया। इस दौरान रसोईया दयावती पाल 55 आगसे जल गई जिसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुलपहाड़ में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए महोबा जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।जिला अस्पताल में घायल महिला का इलाज जारी है।

प्राथमिक विद्यालय सिरमौर में इंचार्ज प्रधानाध्यापक मोहम्मद साबिर मंसूरी सहायक अध्यापक मणिमोहन सिंह सहायक अध्यापक लवलेश सोनी शिक्षामित्र रामपाल यादव शिक्षामित्र अनीता देवी कार्यरत हैं अध्यापकों ने बताया कि विद्यालय में आग बुझाने का सिलेंडर है लेकिन वह सही काम नहीं कर रहा था जिससे आग बुझाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

इमरजेंसी गेट पर दर्द से तड़पता रहा मरीज

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- मीडिया और पुलिस के दबाव में मरीज को किया गया भर्ती
- युवक को पेट में दर्द के साथ सांस लेने में हो रही थी दिक्कत

इलाज के अभाव में अस्तपाल के गेट पर तड़पता युवक। अमृत विचार

अमृत विचार। शासन के सख्त निर्देशों के बाद भी जिला अस्पतालों में मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिलना तो दूर, उन्हें भर्ती तक नहीं किया जा रहा है। मंगलवार रात जिला अस्पताल में एक मां अपने जवान बेटे को पेट दर्द और सांस लेने में तकलीफ होने पर लेकर आई तो अस्पताल कर्मियों ने मां के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए इलाज करने से मना कर दिया। युवक आधे घंटे तक इमरजेंसी गेट पर दर्द से तड़पड़ा रहा। पुलिस और मीडिया के दबाव में मरीज को भर्ती कर डाक्टरों ने इलाज शुरू किया।

शहर के रामनगर मोहल्ला निवासी रश्मि गोस्वामी अपनी पुत्री अंजली के साथ अपने पुत्र रवि (18) को तेज पेट दर्द और सांस लेने में तकलीफ के कारण रात में इमरजेंसी लेकर पहुंचीं और अस्पताल स्टाफ और डाक्टर से बेटे को ऑक्सीजन और तत्काल इलाज करने की गुजारिश करने लगी, लेकिन अस्पताल कर्मियों ने न सिर्फ इलाज करने से मना कर दिया, बल्कि उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया। मजबूरन मां और बेटी रवि को लेकर इमरजेंसी गेट पर बैठ गई। युवक करीब आधे घंटे तक इमरजेंसी गेट पर जमीन पर तड़पता रहा। इस दौरान न तो किसी डॉक्टर ने ध्यान दिया और न ही स्टाफ ने मदद की। अस्पताल के गार्ड और स्टाफ ने मां-बेटी को वहां से कई बार भगाने की कोशिश की, लेकिन मां-बेटी तड़प रहे रवि का इलाज करने की जिद पर अड़ी रहीं।

मामले की सूचना मिलते ही मीडिया कर्मी और पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामला बिड़ता देख अस्पताल प्रशासन ने दबाव में आकर युवक को भर्ती किया। रवि की बहन अंजली ने बताया कि भाई की हालत बिगड़ने पर भी स्टाफ ने इलाज करने से इनकार कर दिया। डॉक्टर ने भी कोई दखल नहीं दिया। अगर पुलिस अस्पताल नहीं पहुंच जाती तो समय से इलाज नहीं हो पाता और रवि की हालत खराब हो जाती। लोगों का कहना है कि यह पहला मामला नहीं है। जिला अस्पताल में आए दिन मरीजों और उनके तीमारदारों के साथ दुर्व्यवहार और संवेदनहीनता की घटनाएं सामने आती रहती हैं, इसके बावजूद जिम्मेदारों ने इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है।

शराब लाने को लेकर झगड़ा युवक को तमंचे से मारी गोली

अजनर थाना क्षेत्र के पुरवा पनवाड़ी गांव में मंगलवार रात हुई घटना, जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- गंभीर हालत में घायल को झांसी मेडिकल कालेज किया रेफर
- विवाद होने पर बीचबचाव कर ग्रामीणों ने शांत किया था मसला

घायल को एम्बुलेंस से इलाज के लिए ले जाते परिजन। अमृत विचार

अमृत विचार। अजनर थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात शराब का क्वार्टर लाने को लेकर दो युवकों में विवाद हो गया। एक युवक ने तमंचे से दूसरे युवक को गोली मारकर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया। गोली लगने से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां हालत गम्भीर होने पर डाक्टर ने उसे झांसी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अभी तक पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी गई है।

अजनर थाना क्षेत्र के पुरवा पनवाड़ी गांव निवासी सुगर पाल (28) अपने मित्र खड़ग सिंह के दरवाजे पर बैठा हुआ था, तभी गांव का ही महेश राजपूत वहां से गुजरा और सुगर को 50 रुपये देकर एक शराब का क्वार्टर लाने को कहा। सुगर ने शराब लाने से इंकार कर दिया और खुद जेब से 100 रुपये निकालकर उसे देते हुए दो क्वार्टर शराब लाने की बात कही। इस पर दोनों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों में हाथापाई होने लगी। सुगर के मित्र व ग्रामीणों ने बीच बचाव कर महेश को समझा-बुझाकर वहां से भगा दिया।

बताया जाता है कि कुछ देर बाद महेश अपने पुत्र राहुल व जानकी के साथ दोबारा मौके पर पहुंच गया और सुगर को पकड़कर मारपीट करने लगे। सुगर बचने की कोशिश करता रहा, तभी महेश ने तमंचे से सुगर पाल को गोली मार दी, जिससे वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। गोली मारने के बाद आरोपी वहां से भाग निकले। ग्रामीणों ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां हालत गंभीर देखकर डाक्टर ने उसे झांसी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।

गोलीकांड की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि देर शाम तक घायल की ओर से पुलिस को घटना से संबन्धित तहरीर नहीं दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों युवकों के बीच किसी बात को लेकर पिछले एक साल से रंजिश चली आ रही है।

बीईओ को स्कूलों का सर्वे करने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, महोबा

बैठक में निर्देशित करतीं जिलाधिकारी गजल भारद्वाज। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने जर्जर परिषदीय विद्यालयों का सत्यापन कराकर ध्वस्त कराने की कार्रवाई एवं ऐसे विद्यालयों की सूची जिन विद्यालयों में आनेजाने का रास्ता न हो और जलभराव की समस्या हो ऐसे विद्यालय का सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी सर्वे कर रिपोर्ट उपलब्ध करानें के निर्देश दिए गए, जिससे सुधार के लिए आवश्यक रणनीति बनाकर कार्रवाई की जा सके।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाये, इस के लिए जनपद स्तर के सभी अधिकारियों द्वारा अपनेअपने क्षेत्र के विद्यालयों का निरीक्षण करते हुए बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता का भी आकलन किया जाये, बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में 27 परिषदीय विद्यालयों की पेयरिंग किये जाने के उपरान्त रिक्त हो रहे विद्यालय परिसर में से 10 ऐसे विद्यालयों का चयन किया जाये जहाँ छात्र संख्या अधिक हो, आवागमन का रास्ता सही हो तथा विद्यालय भवन की स्थिति सही एवं विद्यालय परिसर को आकर्षक बनाने के लिए अतिरिक्त भूमि उपलब्ध हो और 10 टेब लैब, आकर्षक रंग व फर्नीचर आदि की व्यवस्था खनिज न्यास निधि से कराई जायेगी, ताकि बच्चों को रुचि पूर्ण शैक्षिक परिवेश उपलब्ध कराया जाये।

डीएम द्वारा सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि अपने अपने विकासखण्ड के ऐसे विद्यालयों का चयन करें जहाँ पर पूर्ण चहारदीवारी, कक्षा, विद्युत व्यवस्था से संतृप्त हो ताकि इन विद्यालयों में आईसीटी लैब संचालन के लिए इन्वर्टर व अन्य व्यवस्थायें उपलब्ध कराई जा सके साथ ही इन विद्यालयों में उक्त सामग्री की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक व सम्बन्धित खण्ड शिक्षा अधिकारी की होगी। उन्होंने जनपद के सभी कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों में स्टोर रूम, जिन विद्यालयों में टाइलीकरण न हो, बच्चों के सोने के लिए बेड का प्रस्ताव व स्टीमेट बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। डीएम ने राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ द्वारा सभी कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय के लिए वर्तमान सत्र में प्राप्त बजट के क्रम में रोटी मेकर मशीन, वाशिंग मशीन, वाद्य यंत्र, जनरेटर, ओपन जिम आदि वस्तुओं का जेम पोर्टल के माध्यम से क्रय करने के निर्देश दिये। बैठक में सीडीओ, डीपीआरओ, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बीएसए, खण्ड शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

सरसेड़ा बांध के पास अचेत हालत में पड़ी मिली महोबा की महिला

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के सरसेड़ा बांध के पास संदिग्ध परिस्थितियों में एक अधेड़ महिला बेहोशी हालत में मिली। इससे हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे बेहोशी हालत में सीएचसी में भर्ती कराया। होश आने पर पीड़िता ने बताया कि वह अपने घर के बाहर सो रही थी। तभी रात में कुछ लोग उसे जबरन गाड़ी में डालकर सरसेड़ा बांध में ले आए।

महोबा जिले के खरेला थाना क्षेत्र के धवारी गांव निवासी सियाप्यारी पत्नी सन्तोष कुमार ने होश में आने पर बताया कि रात में वह अपने घर के बाहर सो रही थी। उसी दौरान चार पहिया गाड़ी से कुछ लोग उसे सरसेड़ा बांध में ले आए। जिसके बाद वह बेहोश हो गई। बताया उसे नहीं मालूम कि कौन लोग उसे यहां लाए हैं और क्यों लाए हैं। महिला ने कहा उसने रास्ते में अपने घर वालों को फोन करके बताने की कोशिश की थी, लेकिन आरोपी लोगों ने उसे चुप करा दिया। मौके पर मौजूद कोतवाली के एसआई पीआर गौरव ने बताया कि महिला के परिजनों को सूचित कर बुला लिया गया है।

पुत्री को जहर खिलाने का आरोप, अस्पताल में भर्ती

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- पुलिस ने मां की तहरीर पर पति सहित पांच लोगों के खिलाफ दर्ज की एनसीआर

हालत खराब होने पर विवाहिता बेटी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अमृत विचार। कुलपहाड़ क्षेत्र में एक विवाहिता की जहर से हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल लाया गया, जहां भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। मायके पक्ष ने ससुरालीजनों पर हत्या के इरादे से जहर खिलाने का आरोप लगाते हुए पति सहित पांच लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर एनसीआर दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है।

कुलपहाड़ निवासी शिवकली के मुताबिक उसने अपनी पुत्री गुड़िया का कुलपहाड़ के ही गोविंद नगर निवासी पुरुषोत्तम उर्फ छोटू के साथ 5 मई को विवाह किया था। शादी में हैशियत के मुताबिक दान दहेज भी दिया था, लेकिन शादी के कुछ दिनों बाद से ससुरालीजन कार व दो लाख रुपये की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर पुत्री के साथ कई बार पति व ससुरालीजनों ने मारपीट की। मां ने बताया कि ससुराल पक्ष ने मारपीट करने के बाद पुत्री गुड़िया पर पेट्रोल छिड़क दिया था। उसने बचाव किया तो मारा-पीटा गया, जिसकी शिकायत थाने में की थी।

मां ने बताया कि मंगलवार शाम गुड़िया की हालत अचानक बिगड़ गई, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनका आरोप है कि बेटी को जबरन जहरीला पदार्थ खिलाया गया। डॉक्टरों के अनुसार विवाहिता की हालत स्थिर है और इलाज किया जा रहा है। मां ने पति, सास, ससुर, जेठ और देवर के खिलाफ तहरीर दी है। थाना प्रभारी राधेश्याम वर्मा ने बताया कि पति-पत्नी के बीच का आपसी विवाद है। पहले भी दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ था, जिसकी एनसीआर दर्ज की गई थी। रात में फिर दोनों पक्षों में विवाद बढ़ा। जहर खाने-खिलाने जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राठ में युवक ने फंदा लगा जान दी, वजह स्पष्ट नहीं

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के फरसौलियाना मोहल्ले में मंगलवार रात एक युवक ने अज्ञात कारणों के चलते घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरा। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया है।

फरसौलियाना मोहल्ला निवासी कृष्ण कुमार साहू मूंगफली बेंचने का काम करता था। कृष्ण कुमार के पुत्र दीपांशु उर्फ विक्की (22) ने मंगलवार की रात कमरे में फांसी लगा ली। बुधवार की सुबह जब परिजनों ने फांसी पर लटका देखा तो सनसनी फैल गई। परिजनों ने बताया कि दीपांशु उर्फ विक्की उरई रोड़ स्थित एक बाइक एजेंसी में एकाउंटेंट का काम करता था। घटना के कारणों को लेकर परिजनों ने असमर्थता जताई। बताया कि दीपांशु की अभी शादी नहीं हुई थी। बेटे की मौत पर मां माया और बड़े भाई रवि समेत सभी परिजनों का रोरोकर बुरा हाल था। कोतवाल रामासरे सरोज ने बताया कि जांच की जा रही है।

उमड़ी भीड़ | हजरत पीर मुबारक शाह उल्लाह का संदल के साथ शुरू हुआ तीन दिवसीय उर्स, अकीदमंदों ने मांगी अमन-चैन की दुआएं

फातिहा व संदल के साथ सजी कव्वाली की महफिल

कार्यालय संवाददाता, महोबा

मजार-ए-अकदस पर संदल के लिए जुटे लोग। अमृत विचार

कव्वली की महफिल में गूंजते रहे तराने। अमृत विचार

दीनी तबलीग के लिए आए थे बदशाहे हिरात

- बादशाहे हिरात हजरत पीर मुबारकशाह ने महोबा आकर मदन सागर के किनारे कयाम किया था। पीर मुबारकशाह ने यहां पर आने के बाद लोगों को नेक रास्ते पर चलने का दावत दी और गलत रास्ते पर चल रहे लोगों को रोककर अच्छाई की तरफ मोड़ा था। उन्होंने दीनी तबलीग के लिए भी काफी काम किया था। हजरत पीर मुबारकशाह के नाम सैकड़ों एकड़ जमीन थी, जिस पर धीरे धीरे लोगों के अवैध कब्जे हो गए। उनके पर्दा करने के बाद उनकी मजार मदन सागर तट के किनारे बनवा दी गई थी।

अमृत विचार। शहंशाह-ए-बुंदेलखंड हजरत पीर मुकबारत शाह रहमत उल्लाह अलैह का तीन दिवसीय सालाना उर्स का मंगलवार की शाम को मजार का गुस्ल व संदल के साथ आगाज हो गया है। बुधवार को उर्स के पहले दिन बुंदेलखंडी जिलों के अलावा मुंबई, छत्तीसगढ़ राज्य से भारी संख्या में अकीदतमंदों ने आकर शिरकत की।

मेहमानों के खानपान से लेकर ठहरने तक का इंतजाम सज्जादा नशीन द्वारा किया गया। उर्स के मौके पर आस्थाने पर अकीदतमंदों की भारी भीड़ जुट रही है। मंगलवार की रात संदल के बाद मौलाना और हाफिज द्वारा फातिहा पढ़ी गई और मुल्क की तरक्की, अमन और सुकून कायम की दुआएं मांगी गई। मजार परिसर पर कव्वाली की महफिल सजाई गई, जिसका लोगों ने देर रात तक लुफ्त उठाया।

मंगलवार को हजरत पीर मुकबारत शाह की दरगाह में सालाना उर्स शुरू होने से पहले गुस्ल और संदल उतारने की रस्म अदा की गई। ईशा की नमाज के बाद आस्ताना शरीफ में दरगाह के खादिमों द्वारा शहंशाह-ए-बुंदेलखंड की पाक मजार से संदल उतारना शुरू किया गया। संदल उतारे जाने के बाद इसे जायरीनों में तकसीम किया गया, जिसे लेने के लिए दरगाह में जायरीनों की भीड़ उमड़ पड़ी। संदल के मौलाना और हाफिजों ने फातिहा शुरू की, जिसे अहतिराम और सुकून के साथ अकीदतमंदों ने सुनी और दुआ में मुल्क की तरक्की, आपसी भाईचारा और सलामती मांगी। फातिहा के बाद सभी अकीदतमंदों को तर्बरूख वितरित किया गया। संदल के मौके पर सूफियाना कव्वालियों की महफिल सजाई गई, जिसमें महोबा, मौदहा, कम्हरिया के अलावा अन्य जिले के नामी गिरामी कव्वालों ने शिरकत की। सूफियाना कव्वाली का नौजवानों के साथ साथ बुर्जुगों ने देर रात तक लुत्फ उठाया।

हजरत पीर मुबारकशाह के सालाना उर्स के मौके पर गद्दी नशीन के यहां से चादर जुलूस निकाला गया, जो परम्परागत मार्गों से होता हुआ मजार ए अकदस पर पहुंचा। चादर जुलूस दौरान नरा-ए-तकबीर अल्लाह हो अकबर की सदाए बुलंद करते हुए अकीदतमंद चल रहे थे। मजार पर जैसे ही चादर जुलूस पहुंचा जोरदार तरीके से नारे लगाकर लोगों ने मजार पर चादर चढ़ाई, इसके बाद अकीदतमंदों द्वारा एक के बाद एक चादर चढ़ाने का सिलसिला शुरु हुआ जो काफी देर तक चलता रहा। फजर नमाज के बाद मदरसे के बच्चों के अलावा लोगों ने कुरान की तिलावत करेंगे। उर्स दौरान मजार में पुरुषों के अलावा महिलाओं की भीड़ पहुंची।

शिक्षकों ने धरना देकर सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

धरने में मौजूद शिक्षकों को संबोधित करते संघ के पदाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षक संघ ने अपनी मांगों के समर्थन में बुधवार को जिला विद्यालय निरीक्षण कार्यालय में धरना दिया। धरना दौरान शिक्षकों ने अपनी मांगो को दोहराते हुए पुरानी पेंशन बहाली, निशुल्क चिकित्सा सुविधा, आफलाइन स्थानांतरण सूची निर्गत कराए जाने सहित 31 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन डीआईओएस के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के सहायताप्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक अपनी मांगे चयन बोर्ड अधिनियम की धारा 12, 18 एवं 21 की व्यवस्थाओं को पुनः बहाल किए जाने, पुरानी पेंशन की बहाली, वित्तविहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतनमान दिए जाने, तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण निशुल्क चिकित्सा सुविधा ऑफलाइन स्थानातंतरण की सूची तत्काल निर्गत किए जाने आदि की मांगे को लेकर आंदोलित हैं। कहा कि संघ के तत्वावधान में शिक्षक अपनी न्यायोचित मांगों के समर्थन में अनेक बाद धरना प्रदर्शन के साथ साथ ज्ञापन के माध्यम से अपनी मांगे प्रेषित कर चुके हैं, लेकिन प्रदेश सरकार की ओर से मांगों के निराकरण के संबन्ध में कोई कार्रवाई न किए जाने से शिक्षक समुदाय अत्यंत आहत हो रहा है।

धरना प्रदर्शन के बाद संघ द्वारा विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। जिसमें शिक्षक समुदाय का निश्चित मत है कि नई पेंशन योजना (एनपीएस) शिक्षक की वृद्धावस्था का समुचित जीवन स्तर बनाए रखने के योग नहीं है, इसलिए वही पुरानी पेंशन सरकार बहाल करे। राजकीय शिक्षकों की भाति सहायिक माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत् शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी निशुल्क चिकित्सा सुविधा दिलाए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया कि 9 नवम्बर 2023 के शासनादेश द्वारा तदर्थ शिक्षकों की सेवाएं समाप्त कर दी गई, इन शिक्षकों को विनियमित करते हुए उनकी सेवाएं बहाल की जाए। सातवां वेतन आयोग 1 जनवरी 2016 से प्रभावी हुआ था, आठवां वेतन आयोग 1 जनवरी 2026 से देय होता है अतः इन वेतन आयोग का गठन शीघ्र किया जाए। प्रदेश में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों का कोरानाकाल में रोके गएमंहगाई भत्ते के अवशेषों का शीर्घ भुगतान एवं वर्ष 2014 के बंद सामूहिक बीमा को पुनः प्रारम्भ कराए जाने सहित 31 मांगों का निस्तारण कराए जाने अपील की गई है। इस मौके पर संघ के जिला मंत्री बृजेंद्र कुमार सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

प्रसूता की मौत पर परिजनों का हंगामा

चित्रकूट। जिला अस्पताल में एक प्रसूता की इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, बनोरा ग्राम पंचायत की पूजा कुशवाहा पति धर्मेंद्र के साथ 18 अगस्त को प्रसव के लिए जिला अस्पताल आई थी। उसी दिन उसने एक बच्चे को जन्म दिया। डिलीवरी के बाद पूजा की तबीयत बिगड़ने लगी। डाक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया लेकिन 19 अगस्त की देर रात उसकी मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। धर्मेंद्र ने जिला अस्पताल के डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उसका कहना था कि डाक्टरों की लापरवाही के कारण ही पूजा की मौत हुई।

मच्छरजनित रोगों से बचाव की दी जानकारी

चित्रकूट। विश्व मच्छर दिवस पर बुधवार को लोगों को मच्छरजनित रोगों से बचाव के लिए जागरूक किया गया। शपथ ग्रहण भी कराई गई। मुख्य चिकित्साधिकारी डा.भूपेश द्विवेदी ने बताया कि मच्छर दिवस का उद्देश्य मच्छरजनित रोगों से बचाव के लिए जनमानस में जागरूकता बढ़ाना है। जिले में डेंगू, मलेरिया आदि रोगों की जांच व रोकथाम के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. गंगाराम रतमेले ने जानकारी दी कि रोगों से बचाव के लिए अपने आसपास पानी न जमाहोने दें।

राज्यमंत्री ने किए प्रभु कामतानाथ के दर्शन

चित्रकूट। प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री समाज कल्याण असीम अरुण ने जिले के दौरे के दौरान बुधवार को तीर्थक्षेत्र में भगवान कामतानाथ के दर्शन एवं पूजन अर्चन किया। उन्होंने आरोग्यधाम का भ्रमण किया। श्री राम दर्शन, रामनाथ आश्रम शाला पीली कोठी में भी गए। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा वैभव त्रिपाठी आदि अधिकारी और भाजपा नेता मौजूद रहे।

50 बकायेदारों के काटे कनेक्शन

कालपी (जालौन): बुधवार को उपखण्ड अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह सचान ने कर्मचारियों के साथ अभियान को लेकर खुद सड़को में उतर पड़े। 10 हजार रुपये से ऊपर के 50 बकायेदार उपभोक्ताओं के कनेक्शन विच्छेदन करने की कार्रवाई की गई। महकमे की सख्ती के कारण बकायेदारों में खलबली मच गई। अवर अभियंता जितेंद्र कुमार, टीजीटू अभिषेक धीर की टीम ने गणेशगंज, बजरिया, रामगंज, आलमपुर, अदल सरांय आदि मुहल्लों में घर-घर जाकर बिजली चेकिंग की गई। विभाग की ओर से पावर कारपोरेशन के निर्देश पर 10 हजार रुपये से अधिक के बड़े 50 से अधिक बकायदार उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने की कार्यवाही की गई है। जिसमे दो लाख पचास हजार का राजस्व वसूला गया। अभियान के दौरान रिंकू अनुप कुमार, दिलीप कुमार, अखिलेश शुक्ला, अजय कुमार निगम, फहमीद, विमल कुमार, सतीश कुमार मौजूद रहे।

खानकाह शरीफ में मनाया गया उर्स

कालपी। बुधवार दोपहर को उर्स ए आला हजरत की कुल शरीफ के कुल की फातिहा हुई। दरगाह खानकाह मुहम्मदिया राजे पुरा कालपी के परिसर में आयोजित उर्स आला हजरत कार्यक्रम की सरपरस्ती की। इस अवसर पर मुफ्ती ए शहर मौलाना अशफ़ाक अहमद बरकाती साहब ने आला हजरत के बारे में बताया।

जाम लगाए मृतक के परिजन और ग्रामीण। अमृत विचार

घटना की जानकारी देता मृतक का भाई सुनील और मां कुसुमकली। अमृत विचार

डंपर से भिड़ी बाइक दो युवकों की मौत

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- काफी दूर तक ट्रक में फंसकर घिसटता चला गया युवक
- ट्रक में फंसी बाइक से पेट्रोल रिसा, लग गई आग

अमृत विचार। राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार रात एक सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई। हादसा उस समय हुआ, जब कर्वी की ओर आ रहे युवकों की बाइक बांदा की ओर जा रहे डंपर से भिड़ गई।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात लगभग पौने दस बजे कोतवाली अंतर्गत कालपुर खोही निवासी लवकुश उर्फ मोंटी सोनी (27) पुत्र श्यामसुंदर अपने मित्र रामसजीवन पाल उर्फ मुन्नू पाल (45) पुत्र सुकरू पाल के साथ बाइक से अपने घर जा रहे थे। चकमाली के पास हाइवे पर बांदा की ओर जा रहे डंपर से इनकी बाइक भिड़ गई। बाइकचालक मोंटी ट्रक में फंसकर लगभग आधा किमी तक घसिटते चले गए। इसके बाद वह ट्रक से अलग हुए। बाइक ट्रक में फंसी रही और शिवरामपुर के पास इसकी टंकी से रिसाव होने से ट्रक में आग लग गई। इससे घबराकर चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। ट्रक प्रयागराज का बताया जाता है। पुलिस इसके नंबर के आधार पर मालिक और चालक का पता लगाने में जुटी है। ट्रक को शिवरामपुर चौकी में खड़ा करा दिया गया है। दुर्घटना से हाइवे पर जाम की स्थिति बन गई। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। बुरी तरह से घायल युवकों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सदर विधायक ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधाया। कोतवाली प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि फिलहाल किसी ने तहरीर नहीं दी है। उधर मोंटी सोनी के घर में कोई न होने पर उनकी पत्नी ने मुखाग्नि दी तो वहां मौजूद लोगों की आंखें भर आईं।

मोंटी

रामसजीवन पाल

ढांढस बंधाते विधायक अनिल प्रधान।

स्कार्पियो ठीक कराने गए थे रामसजीवन

- रामसजीवन के परिजन राजाराम पाल ने बताया कि रामसजीवन अपनी स्कार्पियो को ठीक कराने बेड़ी पुलिया मिस्त्री के पास गए थे। स्कार्पियो मिस्त्री के पास छोड़कर वह पड़ोसी मोंटी सोनी की बाइक में बैठकर घर आ रहे थे। कर्वी की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को शंकर ढाबा के पास टक्कर मार दी। बताया कि रामसजीवन के दो बेटे और दो बेटियां हैं। वह मूल रूप से मऊ थानांतर्गत चदहा गांव में रहते थे और वर्तमान में परिवार के साथ अपने कालूपुर स्थित घर में रहते थे। वह अहमदाबाद में ठेकेदारी करते थे और कुछ दिन पहले ही बच्चों के पास आए थे।

दो साल पहले हुई थी मोंटी की शादी

- मोंटी सोनी की दो साल पहले शादी हुई थी। वह जिला उद्योग केंद्र में कंप्यूटर आपरेटर थे। उनके माता-पिता की कई साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार में पत्नी के अलावा दो छोटे बच्चे हैं। एक बहन है, जो नागपुर में रहती है। मोंटी की मौत से परिवार के सामने भरणपोषण का संकट खड़ा हो गया।

महाराष्ट्र कमाने गए युवक की हत्या, परिजनों ने लगाया जाम

गांव के दो लोगों पर लगाया हत्या का आरोप, मप्र. सीमा पर शव रख धरने पर बैठे

संवाददाता, बरगढ़ (चित्रकूट)

अमृत विचार। जिले से महाराष्ट्र कमाने गए एक युवक की वहां हत्या कर दी गई। संबंधित थाने की पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। जब शव उसके गांव पहुंचा तो परिजन गांव के दो लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए मड़हा गांव के पास मप्र सीमा पर शव रखकर धरने पर बैठ गए। लगभग एक घंटे तक आवागमन बाधित रहा। मौके पर पहुंचे एसओ शिवआसरे के परिजनों को समझाने के बाद जाम खोला गया। शव का अंतिम संस्कार किया गया।

रमेश।

जानकारी के मुताबिक, बरगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत तुरगवां निवासी अनुसूचित जाति का रमेश वर्मा (37) पुत्र तिलकधारी को पिछले माह गांव के दो युवक शुभम और टैटू यादव महाराष्ट्र के थाना खपोली जिला ठाणे काम के सिलसिले में लिवा ले गए थे। दो दिन पहले इसका शव जिस जगह काम करता था, वहां से कुछ दूरी पर किराये के मकान में मिला। युवक के गले और शरीर के अन्य हिस्सों पर धारदार हथियार से वार के निशान थे। बुधवार को जब वहां पोस्टमार्टम के बाद शव तुरगवां पहुंचा तो परिजनों ने उन युवकों पर हत्या का आरोप लगाया, जो युवक को ले गए थे। इन लोगों ने गांव से लगभग एक किमी दूर मप्र को जाने वाली सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। ये मांग कर रहे थे कि इन दोनों युवकों पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की जाए। थाना प्रभारी बरगढ़ शिवआसरे ने परिजनों और ग्रामीणों को समझाया कि जब महाराष्ट्र में खपोली थाने में रिपोर्ट दर्ज है तो यहां कैसे दर्ज की जा सकती है। वह संबंधित तथ्य थाने भेजेंगे और परिजनों को न्याय दिलाएंगे। इसके बाद परिजन शव का अंतिम संस्कार करने को तैयार हुए।

अपने बच्चों के साथ श्यामकली। अमृत विचार

पत्नी और बच्चे हुए बेहाल

- रमेश की मौत से पत्नी श्यामकली (35) बेसुध हो गई। उसने सोचा भी नहीं था कि जिस पति को वह कमाने भेज रही है अब वह वापस नहीं आएगा। उसके सामने अपने अबोध बच्चों राकेश (7), सिल्फ़ी राज (4) के साथ दो माह की बेटी रुचिता का पेट पालने का संकट है।

महाराष्ट्र के दो लोगों पर हत्या की रिपोर्ट

- एसओ बरगढ़ ने बताया कि रमेश की हत्या के मामले में वहां के दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। इनमें से एक मूल रूप से प्रतापगढ़ का बताया जा रहा है। हालांकि वहां की पुलिस ने अभी उनके नाम नहीं बताए हैं। बताया जाता है कि दोनों रमेश के साथ काम करते थे और उसके किराये के कमरे से कुछ दूरी पर रहते थे।

दोनों युवकों को भी बैठाए है पुलिस

- गांववालों ने बताया कि शुभम और टैटू ठेकेदार हैं और यहां से श्रमिकों को महाराष्ट्र ले जाते हैं। रमेश के अलावा अन्य गांव-मजरों से भी वह लगभग 15 लोगों को अपने साथ ले गए थे। बताया जाता है कि खपोली थाने में पुलिस इन दोनों से भी पूछतांछ कर रही है।

परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

- मृतक के भाई सुनील और मां कुसुमकली ने आरोप लगाया कि शुभम ने ही रमेश की हत्या की है। उन्होंने पुरानी रंजिश का हवाला देते हुए दावा किया कि इसी के तहत साजिश रचकर दोनों रमेश को वहां लिवा ले गए और हत्या कर दी।

महाराष्ट्र से बरगढ़ को रवाना हुए पुलिसकर्मी

- बरगढ़ एसओ ने बताया कि पता चला है कि मामले की जानकारी के लिए खपोली थाने से एक दरोगा और सिपाही बरगढ़ के लिए रवाना हो गए हैं। वे यहां परिजनों से भी जानकारी लेंगे। आगे जो भी तथ्य मिलते हैं, उसीके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अभिनव, संस्कार और पंकज ने मारी बाजी

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- मंडलस्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता

अमृत विचार। जयदेव वैष्णव संस्कृत महाविद्यालय में बीते दिन संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को शील्ड एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना प्रमाणपत्र दिए गए। प्राचार्य डा. मनोज कुमार द्विवेदी ने कहा कि प्राचीन संस्कृत भारत का आधार है। भारत की रक्षा में संस्कृत भाषा का मुख्य योगदान इसके बिना भारतवर्ष के संस्कृति की कल्पना करना असंभव है। प्रबंधक महंत रमाशंकर दास ने छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र देकर उत्साहवर्धन किया। जिला संयोजक डा. विजय कुमार पयासी ने बताया की मंडल स्तर पर प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राज्य स्तर पर प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि संस्कृत गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अभिनव दीक्षित श्री भुवनेश्वरी गुरुकुल झलोखर (हमीरपुर), द्वितीय स्थान आख्या सिंह श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल व तृतीय स्थान रीतू यादव जवाहर लाल नेहरू कालेज बांदा को मिला। संस्कृत सामान्य ज्ञान बाल वर्ग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संस्कार मिश्रा आयुष ग्राम गुरुकुल बेडीपुलिया, द्वितीय स्थान हरीओम श्रीदुर्गा सं. महाविद्यालय महोबा और तृतीय स्थान सुयश राजाराम इंटर कालेज झलोखर ने प्राप्त किया। संस्कृत सामान्य ज्ञान युवा वर्ग प्रतियोगिता में पंकज कुमार जवाहर लाल नेहरू कालेज बांदा के छात्र ने प्रथम स्थान व विष्णु कांत ने द्वितीय स्थान तथा ज्योति जवाहर लाल नेहरू कालेज बांदा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डा. यीशनारायण द्विवेदी, डा. योगेश कुमार शुक्ला, डा. नीरज कुमार त्रिपाठी, डा.जगत् नारायण द्विवेदी, नरेंद्र मिश्र, डा. सर्वेश तिवारी, डा. रत्नेश कुमार त्रिवेदी, डा. पूर्णेंदु मिश्र व डा. सर्वेश कुमार शांडिल्य ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

छात्राओं को किया जागरूक

संवाददाता, मानिकपुर (चित्रकूट)

- मानिकपुर में वनवासी बच्चों को दी गई यूनीफॉर्म

अमृत विचार। आकांक्षा समिति चित्रकूट की अध्यक्ष डॉ. तनुषा टीआर की अध्यक्षता में बुधवार को मानिकपुर कल्याण केंद्र में वनवासी बच्चों को यूनीफार्म दी गई। डॉ. तनुषा ने इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी बातें बताकर जागरूक किया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. तनुषा, क्षेत्रीय संगठन मंत्री आनंद, नगर समिति अध्यक्ष मोहन लाल पांडेय ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से किया। छात्राओं ने स्वागत गीत गाया। डॉ. तनुषा टीआर ने छात्राओं से कहा कि पैकेजिंग का कोई भी सामान न खाएं। इससे स्वास्थ्य खराब होता है। उन्होंने छात्राओं से सवाल पूछे और समझाया कि जल जाने के पश्चात 12 से 15 मिनट तक ठंडा पानी लगाना चाहिए, जिससे तुरंत आराम मिलता है। अगर मिर्गी आती है तो संबंधित व्यक्ति के आसपास की चीजों को हटाएं। दौरा एक-दो मिनट के बाद बंद हो जाता है। अगर पांच मिनट के बाद भी नहीं बंद होता है तो डाक्टर के पास ले जाएं। इस प्रकार उन्होंने सर्पदंश आदि से उपचार आदि के बारे में बताया। वनवासी बच्चों को स्कूल बैग, जूता, मोजा, यूनीफार्म के लिए कपड़ा दिया गया। कल्याण समिति ने अध्यक्ष को स्मृति चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी, तहसीलदार, केंद्र प्रभारी कृष्ण मोहन, विभाग संगठन मंत्री महेश सिंह, मंत्री कल्याण केंद्र अजय तिवारी आदि मौजूद थे।

सड़क हादसे में महिला की मौत, कई अन्य घायल

मऊ (चित्रकूट)। थाना क्षेत्र के मऊ-परदवां संपर्क मार्ग पर बड़की नदी के पास कोटरा गांव के समीप परदवां की ओर जा रही एक टेंपो अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे गड्ढे में जा गिरा। इससे लगभग एक दर्जन लोग घायल हो गए। कई के परिजन इलाज के लिए शंकरगढ़ लेकर चले गए। वहीं बरहा कोटरा निवासी रामप्यारी (65) पत्नी स्व. रोशन लाल को परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान रामप्यारी की मौत हो गई। अन्य घायलों में रंजना देवी पत्नी श्याम सुंदर एवं इसके पुत्र 12 वर्षीय बृजनंदन, परदवां की रागिनी देवी व शिवानी का इलाज शंकरगढ़ के एक प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। बताया जाता है कि चालक आशीष कुमार मिश्रा सड़क खराब होने के चलते वाहन से नियंत्रण खो बैठा। बताते हैं कि खस्ताहाल सड़क में आए दिन हादसे होते रहते हैं लेकिन जिम्मेदार बेपरवाह बने हैं।

छुट्टा मिले अन्ना मवेशी तो की जाएगी सख्त कार्रवाईः डीएम

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने कैंप कार्यालय में बैठक कर निराश्रित गोवंशों के संरक्षण और उनके भरणपोषण की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कहा अन्ना मवेशियों के संबंध में नकारात्मक सूचना मिली तो मुख्य पशु चिकित्साधिकारी और अन्य अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। बैठक में स्थायी व अस्थायी गोआश्रय स्थलों में निराश्रित गोवंशों के संरक्षण तथा उनके भरणपोषण के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। निर्देशित किया कि गौशालाओं का निरीक्षण कर अन्ना गोवंशों को इनमें संरक्षित कराएं, दानापानी आदि की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं।

फांसी लगा महिला ने की आत्महत्या

संवाददाता, मानिकपुर (चित्रकूट)

- युवा नेता पर धमकाने का आरोप कहा, मां-बेटी से पैसा मांग रहे थे

अमृत विचार। एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौत को बीते दिनों युवक की शबरी जलप्रपात में डूबने से मौत से जोड़ा जा रहा है। मानिकपुर के एक चर्चित युवा नेता पर महिला को धमकाने का भी आरोप लग रहा है। अपने बयान में भी महिला की बेटी ने इसका नाम लिया है। थानांतर्गत एक गांव निवासी महिला ने फांसी लगा ली। बताया कुछ नेताओं ने धमकाया था कि पुलिस अब तुमको पकड़ेगी। दरअसल बीते दिनों शबरी जल प्रपात में डूबकर युवक की मौत हो गई थी। युवक पर आत्महत्या करने वाली महिला ने अपनी बेटी से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। इसके बाद यह युवक गायब हो गया था। और शव प्रपात से बरामद हुआ था। मृतका की बेटी ने बताया कि युवक ने उसके साथ छेड़खानी की थी। आरोप है कि आरोपी भाजपा नेता महिला के घर गया था और धमकी दी थी कि तुम्हारी वजह से युवक की जान गई है और अब पुलिस तुम लोगों को पकड़ेगी। महिला की बेटी ने आरोप लगाया कि आरोपी भाजपा नेता के साथ कई अन्य लोग घर आए थे और धमकी दी थी। थाना प्रभारी श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि महिला की बेटी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की है।

अखंड भारत संकल्प उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता, सीतापुर (चित्रकूट)

अमृत विचार। भरत मंदिर के महंत दिव्यजीवन दास की अध्यक्षता में बुधवार को अखंड भारत संकल्प उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिंदू जागरण मंच के बैनर तले एक रिसोर्ट में हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री असीम अरुण व मुख्य वक्ता पूर्व वक्ता पूर्व शिक्षा मंत्री रविंद्र शुक्ला रहे। इन्होंने अखंड भारत में चुनौतियों पर अपनी बातें रखीं। मंत्री असीम अरुण ने पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं की चिंताजनक स्थिति पर चिंता जताई। इस मौके पर पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, जिला संयोजक राजदीप परौहा, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य मुन्ना शास्त्री, जिला सह संयोजक जानकीशरण शिवहरे, विष्णु पांडेय, जिला प्रचार प्रमुख शुभम केशरवानी, नगर संयोजक आशीष कुमार गुप्ता, वासु, हिमांशु, सानू, सुंदर, अतुल, आनंद सिंह पटेल, दीपक केशरवानी, बृजेश रावत, अंशु, सोमनाथ, सचिन राज, अनूप, रामचंद्र, सुरेश, सौरभ व श्याम सुमित द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में बोलते मंत्री असीम अरुण।

बैठक | 151 कुंडीय विराट गायत्री महायज्ञ की रूपरेखा बनाई

महायज्ञ की सफलता के लिए बना संरक्षक मंडल

संवाददाता,सीतापुर(चित्रकूट)

अमृत विचार। महंत रामजी दास संतोषी अखाड़ा, महंत दिव्यजीवन दास भरत मंदिर, डा. मदन गोपाल दास कामदगिरि प्रमुख द्वार, महंत रामहृदय दास रामायणी कुटी, महंत महामंडलेश्वर रामनरेशाचार्य,गोपाल भाई समाज सेवा संस्थान, डा विपिन विराट कामदगिरि आरती प्रमुख, महंत आदित्यदास, महंत योगेंद्रदास हनुमान मंदिर, डा. रविंद्र कुमार शुक्ला पूर्व मंत्री, अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदी साहित्य भारती संरक्षक, कॉपरेटिवबैंक के जिलाध्यक्ष पंकज अग्रवाल के साथ मठ मंदिर के संत पुजारियों ने बैठक कर 151 कुंडीय विराट गायत्री महायज्ञ की रूपरेखा बनाई। संत समाज के अध्यक्ष रामजी दास ने कहा कि यज्ञ हमारी सनातन संस्कृति का मुख्य कार्य है। संत समाज तन मन और धन के साथ इस यज्ञ में सहभागिता करेगा। डा. त्रिपाठी ने कहा कि यज्ञ और बड़े कार्य बिना साधना के नहीं होते और साधना बिना संतों के आशीर्वाद के पूरी नहीं होती। आज सब संतो का आशीर्वाद मिला। निश्चित ही यज्ञ कार्य सफल होगा। डा. रविंद्र शुक्ला ने कहा कि संस्कारों के गिरते स्तर और राष्ट्र की चेतना जगाने, सनातन धर्म की रक्षा के लिए संत समाज और गायत्री परिवार सतत् कार्य कर रहे हैं।

महायज्ञ की सफलता के लिए बैठक करते संत-महंत।

कलश यात्रा के साथ कथा शुरू

- कालपी: घूमन्तु हसन्तु क्लब के तत्वावधान में बिहारी मन्दिर में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारम्भ कलश यात्रा के साथ शुरू किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। बुधवार को श्री बांके बिहारी मन्दिर किला घाट में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारम्भ हुआ। भगवताचार्य पंडित मनोज अवस्थी के पुत्र केशवम अवस्थी के सान्निध्य में कथा परीक्षित शशि पुरवार अपने सिर पर श्रीमदभागवत और रागिनी पुरवार अपने सिर पर कलश लेकर चलीं। तमाम महिलाएं पीली साड़ी में कलश लिए यमुना नदी के तट पर पहुंची।

रिपोर्ट दर्ज करा मुकरने वाली महिला के खिलाफ चलेगा मुकदमा

चित्रकूट। महिला द्वारा छेड़खानी और अनुसूचित जाति उत्पीड़न का मामला दर्ज कराने के बाद बयान से मुकर जाने के मामले में न्यायालय ने महिला के विरुद्ध अलग से मामला दर्ज करने का फैसला सुनाया है। साथ ही रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद मिले सरकारी अनुदान की वसूली करने का भी आदेश दिया है।

गौरतलब है कि बीती 17 सितम्बर 2017 को मिथलेश देवी ने राजापुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला के अनुसार सबेरे छह बजे वह अपनी पुत्री के साथ खेतों की ओर शौच के लिए गई थी। वापस आते समय रास्ते में चिल्लीमल निवासी अमर यादव ने उसे देखकर अश्लील छींटाकसी की। विरोध करने पर जतिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट की। पुलिस ने अनुसूचित जाति उत्पीड़न समेत छेड़खानी और कई आपराधिक धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करते हुए अमर यादव के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। जिसके बाद शिकायत कर्ता महिला अपने बयानों से मुकर गई। इसके चलते अभियोजन पक्ष अमर यादव पर आरोप साबित नहीं कर सका। इस मामले में बुधवार को निर्णय सुनाते हुए स्पेशल जज राममणि पाठक ने अमर यादव को दोषमुक्त करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराने वाली महिला मिथलेश देवी पर मिथ्या साक्ष्य देने का मुकदमा अलग से दर्ज कराने के निर्देश दिए। मामले में महिला को सरकारी अनुदान प्राप्त हुआ है, तो जिला समाज कल्याण अधिकारी अनुदान की धनराशि वसूल कर राजकोष में जमा कराएं।

अमृत विचार

गुरुवार, 21 अगस्त 2025

अमन के प्रयासों पर आंच

बरेली में आला हजरत के कुल शरीफ की रस्म पूरी होने के साथ उनकी याद में आयोजित 107वें उर्स का समापन हो गया। चूंकि यहां देश-विदेश से लाखों जायरीन जुटते हैं, इसलिए यह अवसर न केवल शहर बरेली बल्कि पूरे प्रदेश के लिए भी महत्वपूर्ण होता है। शासन और पुलिस-प्रशासन ने इसे सुखद एवं सफल बनाने के लिए भरपूर प्रयास किए और वे कारगर भी साबित हुए। कमी केवल उस घटना के कारण दिखी, जिसमें चादर जुलूस को लेकर हंगामा हुआ। उस एक घटना ने पुलिस-प्रशासन की बेहतरीन व्यवस्थाओं पर छोटा-सा धब्बा अवश्य लगा दिया। इससे संबंधित समाचारों ने देश भर में यह छवि निर्मित कर दी कि सब कुछ होने के बावजूद स्थिति प्रशासन के नियंत्रण में नहीं थी। दावा है कि इस उर्स में आठ लाख जायरीन ने शिरकत की। इतने विशाल आयोजन के लिए प्रशासन ने शहर की यातायात व्यवस्था नए सिरे से नियंत्रित की, सुरक्षा चाक-चौबंद रखी, आगंतुकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा और स्कूलों में अवकाश घोषित किया। कुल मिलाकर, उसने इस उर्स के बेहतर इंतजाम में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। जहां तक विवाद का प्रश्न है- एक पक्ष ने दूसरे पर यह आरोप लगाते हुए हंगामा किया कि उर्स की चादर यात्रा एक नई परंपरा है और वे नई परंपरा के खिलाफ हैं, जबकि प्रशासन के पास इसके विपरीत स्पष्ट तथ्य मौजूद थे।

हकीकत यह है कि आला हजरत उर्स के दूसरे दिन इज्जतनगर के खजुरिया गांव से चादर का जुलूस वर्षों से दरगाह तक आता रहा है। इस जुलूस के कार्यक्रम को लेकर दोनों पक्षों के बीच लिखित समझौता और पूर्व सहमति भी थी। फिर यह हंगामा क्यों हुआ? संभव है कि बखेड़ा करने वाले पक्ष ने पुलिस से भिड़ने की कोशिश की हो और पुलिस को किंचित बल प्रयोग करना पड़ा हो, लेकिन इसे लाठीचार्ज बताकर बेवजह मामले को तूल दिया गया। इससे देश में यह संदेश गया कि उत्तर प्रदेश में अब भी व्यवस्था उतनी सुदृढ़ नहीं है और सामाजिक सहिष्णुता और समरसता की स्थिति कमजोर है। असल में दोनों पक्षों के जो कुछ लोग इस विवाद का कारण बने, वे मुट्ठीभर लोग हैं, जो किसी वर्ग का सशक्त प्रतिनिधित्व नहीं करते। यदि कोई वास्तविक प्रतिनिधित्व करता है तो वही वर्ग है, जिसने इस यात्रा की लिखित अनुमति पहले ही प्रदान कर दी थी। चंद लोगों ने अपनी अदूरदर्शी और अनुचित हरकतों से न केवल शासन-प्रशासन के अथक प्रयासों की चमकीली छवि को कलंकित किया, बल्कि शहर और प्रदेश की प्रतिष्ठा भी धूमिल की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूरे देश में इस बात के लिए सराहना होती है कि उन्होंने प्रदेश को कुशलतापूर्वक नियंत्रित कर रखा है, जहां अपराध, अशांति और दंगे-फसाद थमे हैं और विकास की गति तेज हुई है। सूबे में अमन-चैन कायम रहे इसके लिए वे निरंतर प्रयत्नशील हैं, लेकिन कुछ तत्व ऐसे हैं जो उनके इन प्रयासों में विघ्न डालने पर आमादा रहते हैं। इन तत्वों से सख्ती से निपटना समय की मांग है।

प्रसंगवश

जीवन की सांध्य बेला और जलवायु का जोखिम

जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण की चुनौती नहीं रह गया है, बल्कि यह मानवीय स्वास्थ्य के लिए गंभीर संकट बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनइपी) की हाल में जारी एक नई रिपोर्ट में बुजुर्गों पर मंडरा रहे जानलेवा संकट की चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बुजुर्ग लोग खास तौर पर जलवायु परिवर्तन के कारण गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों का सामना कर रहे हैं। यह रिपोर्ट पूरी दुनिया के बुजुर्गों पर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का खुलासा करती है।

अमरपाल सिंह वर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारत जैसे देश में, जहां बुजुर्गों की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, वहां जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य पर प्रभाव और भी अधिक चिंताजनक होते जा रहे हैं। बुजुर्ग न केवल शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं, बल्कि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी उम्र के साथ घटती जाती है। ऐसे में वे भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों, शीत लहरी, वायु प्रदूषण और नई उभरती बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मी में इजाफा हो रहा है। यह बुजुर्गों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य जोखिम है, क्योंकि लू और अत्यधिक तापमान के दौरान उनके शरीर की तापमान नियंत्रित करने की क्षमता कम हो जाती है। वर्ष 2022 की 'द लैंसेट काउंटडाउन रिपोर्ट' के अनुसार वर्ष 2000-2004 और 2017-2021 के दौरान जलवायु परिवर्तन से भारत में गर्मी से संबंधित मौतों में 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनमें बुजुर्गों की संख्या अधिक है, क्योंकि उनकी शारीरिक क्षमता जलवायु बदलाव को झेलने में कम होती है।

पिछले कुछ वर्षों में उत्तरी राज्यों सहित भारत के कई हिस्सों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप बढ़ा है। गर्मियों में तापमान 45 से 50 डिग्री तक पहुंच जाता है। जलवायु परिवर्तन से वायु गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। अस्थमा और दिल की बीमारी से जूझते बुजुर्गों के लिए यह परिस्थिति जानलेवा साबित हो जाती है, क्योंकि उनकी त्वचा और शरीर का तापमान संतुलन क्षमता कम हो चुकी होती है, जिससे लू लगने, डिहाइड्रेशन और हृदयाघात का खतरा बढ़ जाता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण जहां गर्मी के दिन बढ़ते चले जा रहे हैं, वहीं सर्दियों में भी अत्यधिक ठंड पड़ने लगी है। शीत लहर के कारण बुजुर्गों को हाइपोथर्मियां, रक्तचाप में गिरावट तथा जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खासकर उत्तर भारत में दिसंबर-जनवरी की सर्दियां उनके लिए घातक साबित हो सकती हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसे रोगों का प्रसार बढ़ा है। बुजुर्गों के लिए ये रोग अधिक घातक सिद्ध हो सकते हैं। मौसम जनित प्रभावों से उनमें तनाव, अकेलापन और अवसाद की स्थिति बनती है।

यूएनइपी की हाल में जारी रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि 1990 के दशक से अब तक 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों में तापलहर के कारण होने वाली मौतों में लगभग 85 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार ताप लहरें, बाढ़ और बर्फ के पिघलने जैसे जलवायु परिवर्तन के सबसे घातक प्रभावों में से एक हैं। रिपोर्ट के अनुसार बुजुर्ग लोग अकसर पुरानी बीमारियों, चलने-फिरने में कठिनाई या शारीरिक कमजोरी से जूझते हैं। वो भीषण गर्मी में जानलेवा खतरे का सामना करते हैं। ये खतरे तब और बढ़ जाते हैं, जब वो प्रदूषित, भीड़भाड़ वाले शहरों या तटीय इलाकों में रहते हैं, जहां बुजुर्गों की आबादी ज़्यादा है और समुद्र का स्तर लगातार बढ़ रहा है।

हमारे देश में पहले तो दिल्ली, पटना, लखनऊ, कानपुर, जयपुर, जोधपुर जैसे बड़े शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यू) 'खतरनाक' श्रेणी में पहुंचता था, अब तो राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ समेत विभिन्न छोटे शहर भी इस स्थिति में आने लगे हैं। जाहिर है, समस्या बढ़ती ही जा रही है। भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों की संख्या अब लगभग 14 करोड़ तक पहुंच चुकी है और यह संख्या 2050 तक दोगुनी होकर 34 करोड़ 60 लाख हो जाने का अनुमान है। एक ओर जहां बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है, वहीं जलवायु परिवर्तन का असर भी तेज हो रहा है। इसके दुष्प्रभावों से बुजुर्गों को बचाने के लिए जरूरी कदम उठाने ही होंगे।

समय सापेक्ष है। इसका मूल्य केवल इस बात पर निर्भर करता है कि हम इस गुजरते समय में क्या करते हैं।

–अल्बर्ट आइंस्टीन, वैज्ञानिक

नई शिक्षा नीतिः पांच वर्ष की उपलब्धियां और चुनौतियां

प्रो. रिपुदमन सिंह

पूर्व क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी

वर्ष 2020 में घोषित नई शिक्षा नीति (एनईपी) ने देश की शिक्षा प्रणाली को आमूलचूल बदलने की नींव रखी। लगभग 34 वर्षों बाद आई इस नीति में 21वीं सदी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समावेशी, लचीली और बहुभाषी शिक्षा नीति की परिकल्पना की। इस नीति के पांच वर्ष होने पर आवश्यक हो गया है कि इसकी अब तक की उपलब्धियों और चुनौतियों का मूल्यांकन किया जाए। चूंकि देश के कई राज्यों द्वारा एनईपी के कुछ प्रावधानों को लेकर विरोध प्रकट किया जाता रहा है, अतः इसके सभी पहलुओं पर विचार किया जाना समीचीन होगा। एनईपी 2020 ने स्कूली और उच्च शिक्षा, दोनों में व्यापक बदलाव का वादा किया था, उस दृष्टिकोण का कुछ हिस्सा क्रियान्वयन तो हुआ है, लेकिन बहुत कुछ अभी कागजों पर ही है। इसमें राज्य एवं केंद्र का टकराव भी व्यवधान का कारण रहा है।

स्कूल पाठ्यक्रम धीरे-धीरे बदल रहा है, जो (5+3+3+4) प्रणाली पर आधारित है, जिसमें प्रारंभिक वर्षों को विशेष महत्व दिया गया है, तथा बाल्यावस्था में खेल आधारित और गतिविधि आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। एनसीईआरटी ने इसी प्रणाली के आधार पर कक्षा (1-8) के लिए नई पाठ्य पुस्तकें तैयार की हैं। कक्षा (9-12) के लिए नई पुस्तकें अति शीघ्र आने की उम्मीद है। एनईपी 2020 का लक्ष्य 2030 तक पूर्व प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना है और यह शिक्षा में विषमता हटाने के लिए आवश्यक कदम है। 2021 में शुरू की गई निपुण भारत योजना का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कक्षा-3 के अंत तक प्रत्येक बच्चा किताब ढंग से पढ़ सके और गणित का बुनियादी ज्ञान हासिल कर सके। एक सरकारी सर्वेक्षण में यह ज्ञात हुआ है कि भाषा में 64 प्रतिशत और गणित में 60 प्रतिशत बच्चे ही ऐसा करने में सफल हुए। यह शुरुआत तो सही प्रतीत होती है, किंतु सार्वभौमिक दक्षता से काफी दूर है।

इसके अतिरिक्त एनईपी 2020 के प्रावधानों में, कक्षा-5 तक मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाना भी है, इससे ग्रामीण और वंचित वर्गों के छात्रों को शिक्षा से जोड़ने में सरलता भी आई है। कक्षा-6 से व्यावसायिक शिक्षा जैसे कौशल, आधारित विषयों की शुरुआत की गई है। कोडिंग, कृत्रिम मेधा और वित्तीय साक्षरता जैसे कई विषय स्कूलों में पढ़ाए जा रहे हैं। ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के छात्रों को दीक्षा, पीएमई विद्या जैसे डिजिटल प्लेटफार्म्स के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। उच्च शिक्षा में भी एनईपी 2020 के प्रावधान अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

2022 में शुरू की गई सीयूईटी स्नातक प्रवेश के लिए, अब प्रमुख मार्ग बन गई है। ।एबीसी (अकादमिक क्रेडिट बैंक) का क्रियान्वयन भी छात्रों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है, इससे संस्थानों के बीच भी क्रेडिट अर्जित करना और पुनः प्रवेश करना संभव हो गया है। यह प्रणाली छात्रों को एक वर्ष बाद प्रमाण-पत्र, दो वर्ष बाद डिप्लोमा तथा चार वर्षीय बहु-विषयक डिग्री पूरी करने की अनुमति देती है।

शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए देश में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों को अपना कैंपस खोलने की अनुमति भी एनईपी 2020 की नीति का हिस्सा है। गुजरात के गिफ्ट सिटी में दो अन्य विदेशी विश्वविद्यालयों के बाद साउथेंपरन विश्वविद्यालय का कैंपस हाल ही में खुला है। 12 अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय अनुमति प्राप्त करने के कगार पर हैं। एनईपी 2020 के क्रियान्वयन में सभी कुछ सही नहीं चल रहा है। एनईपी 2020 के अंतर्गत तीन भाषाओं की बाध्यता है, जिसमें से कम से कम दो भाषाएं भारतीय होनी चाहिए, किंतु तमिलनाडु जो तामिल-अंग्रेजी मॉडल पर चलता है, इसे हिंदी थोपने की कोशिश मानता है। इसके अतिक्ति शिक्षक-शिक्षा के लिए राष्ट्रीय परिचर्चा की रूपरेखा जो 2021 में जारी होनी थी, अभी तक जारी नहीं हो पाई है। एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीपी) के तहत चार वर्षीय एकीकृत बीएड पाठ्यक्रम भी अभी तक लागू नहीं हो पाया है। यूजीसी को समाप्त करके भारतीय उच्च शिक्षा सेवा आयोग का गठन भी अधर में लटका हुआ है। एनईपी 2020 में मिड डे मील के साथ नाश्ते की भी सिफारिश की गई थी, किंतु वित्त मंत्रालय ने शिक्षा विभाग के इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।

वास्तविकता यह है कि एनईपी 2020 लागू किए जाने से हमारा ग्रामीण परिवेश भी अड़चन है। ग्रामीण क्षेत्र में इंटरनेट की समस्या, विद्युत आपूर्ति की कमी, शिक्षकों की ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करने की अनिच्छा मुख्य कारक हैं। इसके साथ ही कुछ राज्य भी एनईपी के प्रमुख प्रावधानों का विरोध करते आ रहे हैं। केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में पीएमश्री स्कूल स्थापित करने के लिए केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया है। तमिलनाडु, तीन भाषा फार्मूला एवं चार वर्षीय स्नातक ढांचे, दोनों का विरोध कर रहा है। केरल, तमिलनाडु का तर्क है कि चूंकि शिक्षा समवर्ती सूची में है, इसलिए केंद्र इन बदलावों को एकतरफा लागू नहीं कर सकता है। केंद्र ने भी इन राज्यों की समग्र शिक्षा निधि रोक दी है, क्योंकि केंद्र के अनुसार यह धनराशि एनईपी से जुड़े सुधारों के लिए है। तमिलनाडु ने इस रोक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी है।

एनईपी को यदि जमीनी स्तर पर लागू किया जाए तो यह शिक्षा व्यवस्था को समावेशी बनाएगी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए युवाओं को तैयार करेगी।

आमने

संसद में पेश बिल संविधान में निहित शक्ति-विभाजन के सिद्धांत का उल्लंघन है और चुनी हुई सरकारों के अधिकार को कमजोर करता है। इससे कार्यकारी एजेंसियों को खुली छूट मिल जाएगी। वे मामूली आरोपों और शक के आधार पर ही जज और जल्लाद दोनों बन जाएंगे। –**असदुद्दीन ओवैसी**, सांसद एआईएमआईएम

सामने

विपक्ष किसका विरोध कर रहा है नैतिकता का या भ्रष्टाचार का? भारतीय राजनीति में अगर हम नैतिकता के आधार पर और भ्रष्टाचार के खिलाफ इस्तीफा देने की बात करते हैं और फिर कानून बनाने की बात करते हैं, तो विपक्ष इसका विरोध क्यों करता है?

–**अनुराग ठाकुर**
भाजपा सांसद

स्टार्टअप्सः स्थिरता और स्थायित्व की जद्दोजहद

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

पिछले एक दशक में भारत का स्टार्टअप परिदृश्य तेजी से बदला है। जहां कभी सुरक्षित नौकरी ही पहली पसंद हुआ करती थी, वहीं आज उद्यमिता भी नई पीढ़ी की आकांक्षाओं का प्रतीक बनने लगी है। देश में 1.80 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को आधिकारिक मान्यता मिली है। सिर्फ इस साल ही 21,683 नए स्टार्टअप्स का जुड़ना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि यह केवल करियर का विकल्प नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक प्रवृत्ति का प्रतीक बनकर उभर रहा है। आज भारत के स्टार्टअप्स क्षेत्रीय और वैश्विक परिदृश्य दोनों में तेजी से अनुकूलन कर रहे हैं। फिनटेक, डीपटेक और क्लाइमेट टेक अब अग्रिम पंक्ति में आने लगे हैं। देश में दस हजार से अधिक फिनटेक कंपनियां सक्रिय हैं, जिनमें से करीब तीस ने यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया है। क्लाइमेट टेक ने तो इस साल केवल छह महीनों में ही 1.2 बिलियन डॉलर जुटाए, जो पिछले साल की तुलना में तीन गुना अधिक है।

डीपटेक को भी अब नीतिगत प्रोत्साहन मिल रहा है। ड्रोन, स्पेस-टेक और बायोटेक में ठोस प्रगति दिखाई देने लगी है। इन्क्यूबेशन हब भी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। 72 अटल इन्क्यूबेशन सेंटर्स के माध्यम से 3,500 से अधिक स्टार्टअप्स और लगभग 42,000 नई नौकरियों को बढ़ावा मिला है। साथ ही यूनिकॉर्न (कुल मूल्यांकन एक बिलियन अमेरिकी डॉलर या अधिक) की संख्या के आधार भारत विश्व के अग्रणी ईको सिस्टम्स में से एक है और हुरुन ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स 2025 के अनुसार तीसरे पायदान पर है।

इस क्रांति की चमक के पीछे कुछ गहरी छायाएं भी हैं। सफलताओं के साथ-साथ एक गहरा संकट भी आकार ले रहा है। मूल्यांकन की अंधी दौड़, पारदर्शिता का अभाव और दीर्घकालिक दृष्टि की कमी, जो यूनिकॉर्न कभी भारत की नवाचार-यात्रा के प्रतीक माने जाते थे, उनमें से कई आज नियामकीय जांच, निवेश में गिरावट और अस्तित्व संकट से जूझ रहे हैं। बायजूस जैसे एडटेक दिग्गज आज अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं।

तमाम रिपोर्ट्स के आंकड़े बताते हैं कि शुरू होने के पांच सालों के अंदर ही बंद हो जाने वाले स्टार्टअप्स की तादाद बहुत ज्यादा है। अधिकांश कंपनियां या तो बिना ठोस बाजार मांग समझे केवल 'आइडिया' के सहारे आगे बढ़ जाती हैं या फिर निवेशकों की पूंजी के बल पर आक्रामक विस्तार करती हैं। नतीजतन ग्राहक नहीं मिलते। राजस्व टिकता नहीं और बिजनेस मॉडल अस्थिर हो जाता है। तेज विस्तार की होड़ में कॉरपोरेट गवर्नेंस, पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही जैसी बुनियादी बातें पीछे छूट जाती हैं। कई मामलों में बोर्ड की भूमिका सीमित हो जाती है। निवेशक अल्पकालिक लाभ के पीछे भागते हैं और संस्थापक अपनी कंपनियों को व्यक्तिगत संपत्ति की तरह संचालित करने लगते हैं। इसका अर्थ यह है कि विफलता केवल संस्थापकों की व्यक्तिगत भूल नहीं, बल्कि नीति, पूंजी और बाजार की संरचनात्मक कमियों का प्रतिबिंब है।

यह संकट केवल बाजार का नहीं, बल्कि नीतिगत प्राथमिकताओं की विसंगति का भी परिणाम है। सरकार एक ओर मैन्युफैक्चरिंग, डीप टेक और वैज्ञानिक अनुसंधान आधारित स्टार्टअप्स की बात करती रही, लेकिन दूसरी ओर लंबे समय तक उसके प्रोत्साहन कार्यक्रम, टैक्स स्ट्रक्चर और नियामकीय ढांचा मुख्यतः उपभोक्ता सेवाओं वाले स्टार्टअप्स के पक्ष में झुके रहे। नतीजा यह कि भारत की स्टार्टअप कहानी का बड़ा हिस्सा फूड डिलीवरी, क्विक कॉमर्स, एग्रीगेटर ऐप्स और हाइपरलोकल सेवाओं तक सीमित रह गया, जहां नवाचार की गहराई कम और स्केलिंग की लालसा अधिक रही। यही कारण है कि स्विगी और जोमेटो जैसी कंपनियां अरबों डॉलर के लेन-देन तो करती हैं, लेकिन मुनाफे के नाम पर बड़ा सवाल बना रहता है। इसके विपरीत जेरोधा या जोहो जैसी कंपनियां, जिन्होंने लाभकारी और टिकाऊ मॉडल पर ध्यान दिया, अपेक्षाकृत छोटे पैमाने पर होते हुए भी स्थिर और दीर्घकालिक सफलता का उदाहरण बन गईं। आज अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50% टैरिफ तत्कालिक रूप से चुनौती जरूर हैं, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से यह भारत के लिए आत्मनिर्भरता और 'मेड फॉर द वर्ल्ड' जैसी रणनीति की दिशा में अवसर भी है। जब वैश्विक बाजार कठिन हो जाते हैं, तब घरेलू उत्पादन और नवाचार को नई गति मिलती है। यही वह समय है जब सरकार, उद्योग और पूंजी तीनों मिलकर ठोस दिशा तय कर सकते हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर पीएम के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प ने एक नई दिशा की उम्मीद जगाई है। 'मेड इन इंडिया' सेमीकंडक्टर चिप की घोषणा केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नीतिगत बदलाव का प्रतीक है। भारत अब सेवाओं का निर्यातक से गहरे नवाचारों का निर्माता बनना चाहता है। साथ ही एक लाख करोड़ रुपये की 'विकसित भारत रोजगार योजना' ने युवाओं को नवाचार और उद्यमिता की ओर प्रेरित करने का ठोस संकेत दिया। यदि 'नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म टास्क फोर्स' कर प्रणाली और अनुपालन को सरल बनाने में सफल हुई, तो यह छोटे-बड़े तमाम व्यवसायों के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। नवाचार और अनुशासन का संगम ही स्थायी विकास का सूत्र है। आज भारत की स्टार्टअप यात्रा का असली सवाल यह नहीं है कि कितने यूनिकॉर्न पैदा हो रहे हैं, बल्कि यह है कि क्या हमारे स्टार्टअप्स पारदर्शिता, गवर्नेंस और नवाचार के मानकों पर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूल बन पा रहे हैं। स्टार्टअप्स कोई त्वरित जादू नहीं, बल्कि दीर्घकालिक धैर्य और जिम्मेदारी से चलाया जाने वाला व्यवसाय हैं।

देश में इस साल 21,683 नए स्टार्टअप्स शुरू हुए हैं। यह संकेत है कि यह केवल करियर का विकल्प नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक प्रवृत्ति का प्रतीक बनकर उभर रहा है।

सामयिकी

रैबीज से घातक है कैंसर निशाने पर कुत्ते ही क्यों!

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मुताबिक दुनिया में 36 प्रतिशत कुत्ते के काटने से होने वाले रैबीज से मौत के मामले भारत में होते हैं। यह संख्या 18,000 से 20,000 है। रैबीज से मौतों में से 30 से 60 प्रतिशत मामलों में पीड़ित की उम्र 15 साल से कम होती है। इस पर कोई विवाद नहीं कर सकता कि एक भी व्यक्ति की जान इस तरह जाए तो यह मानवता पर सवाल है और उसे बचाने के लिए सरकार और समाज को कड़े कदम उठाने चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ही रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल शराब के सेवन से लगभग दो लाख साठ हजार से ज्यादा लोगों की मौत होती है। यह आंकड़ा 2019 के आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें बताया गया कि शराब सेवन से सबसे ज्यादा प्रभावित 20 से 39 वर्ष की आयु के युवक हैं।

शराब के सेवन से लीवर, दिल, कैंसर और दुर्घटनाओं से जुड़ी मौतें शामिल होती हैं। भारत में हर साल तंबाकू और गुटखा के सेवन से लगभग 13.5 लाख (1.35 मिलियन) लोगों की मृत्यु होती है।

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

यह औसतन हर दिन 3,700 से अधिक मौतें हैं। इनमें से अधिकांश मौतें कैंसर (विशेषकर ओरल कैंसर), हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों और अन्य तंबाकू जनित बीमारियों के कारण होती हैं। 90% मुंह के कैंसर के मामले भारत में तंबाकू या गुटखा सेवन से जुड़े हैं। यह आंकड़ा विश्व स्वास्थ्य संगठन का है।

सवाल उठना लाजिमी है कि जो जिम्मेदार लोग कभी शराब और गुटखे पर पूरी तरह पाबंदी के लिए सुप्रीम कोर्ट तो क्या अपने मोहल्ले की गली में खड़े नहीं हुए, उन्हें कुत्तों से अचानक इतनी नफरत क्यों हो गई! मनुष्य ने सबसे पहले कुत्ता पालना शुरू किया था। हमे पाषाण काल (नव पाषाण काल लगभग 4000 ईसा पूर्व से 2500 ईसा पूर्व) के मानव कंकाल के साथ कुत्ता दफनाने के साक्ष्य बुर्जहोम (जम्मू कश्मीर) से प्राप्त हुआ है। आदि काल में कुत्ता इंसान को शिकार करने में मदद करता था, फिर वह घर और फसल की सुरक्षा भी करता था। सबसे बड़ी बात कम भोजन में भी वफादार बने रहने के उसके गुण ने आज कुत्ते को इंसान द्वारा पाले जाने वाले सबसे विश्वस्त और सर्वाधिक पाला जाने वाला जानवर बना दिया है।

'बैलों के गले में जब घुंघरू जीवन का राग सुनाते हैं' यह गीत कोई बहुत पुराना नहीं हैं। तब बैल घर की प्रतिष्ठा और दरवाजे पर बंधी गाय पवित्रता की प्रतीक हुआ करती थी। धीरे से ट्रेक्टर आया। जब जमीन की जोत ही छोटी हो गई और ट्रैक्टर नाम का 'हाथी' दरवाजे बंध गया तो खेती घाटे का सौदा हो गई। बैल लुप्त हुए और गाय निराश्रित। जिन लोगों ने गाय को दरवाजे से हटा कर गौशाला में ले जाने को पावन कार्य बनाया, वही वर्ग अब सड़कों से कुत्ते हटाने के तर्क गढ़ रहा है। ये वही वर्ग है जो सरकार की उस योजना का समर्थक है, जिसमें प्रकृति के नियमों के विरुद्ध केवल बछिया पैदा करने के सीरम गांव-गांव बांटे जाने का समर्थन करता हैं। केवल उत्तर प्रदेश राज्य में ही 16 लाख से अधिक निराश्रित गायें मौजूद हैं। हर गांव में अनिवार्य चरागाह की जमीन कौन हड़प गया? उस पर कोई बात नहीं करता।

कहना न होगा कि गोशालाओं की संख्या इसकी तुलना में ऊंट के मुंह में जीरा है और जो हैं भी, उनमें से अधिकांश, अव्यवस्था की इस हद तक शिकार हैं कि उन्हें गायों का कब्रिस्तान कहा जाए तो अतिशियोक्ति नहीं होगा। इसी साल छह अगस्त को दिल्ली हाई कोर्ट के उस निर्देश पर भी विचार करना होगा, जिसमें जज साहब ने कहा था, 'कुत्ते दुनिया के सबसे प्यारे जानवर हैं और इंसानों के सबसे अच्छे दोस्त हैं। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कुत्तों की सुरक्षा की जाए और उन्हें सम्मान दिया जाए। या तो कुत्ते घर पर हों या आश्रय में। सड़कों पर कचरा खाते हुए नहीं। इंसान और कुत्ते, दोनों ही परेशान हैं। न तो इंसान सुरक्षित हैं, न ही कुत्ते।'

सोशल फोरम

सेकेंड हैंड ईगो

किसी को इसी बात का अहंकार है कि किसी शक्तिशाली इंसान से उसकी घनिष्ठता हो गई है। वो second hand ego का ही मजा ले रहा है। किसी को अपनी सुंदरता पर नाज है, जबकि वो सुंदर मात्र इसीलिए है कि उसे वो सुंदरता के जीन्स अपने माता-पिता से मिल गए हैं। उसके माता-पिता को उनके माता-पिता से। किसी को अपनी बुद्धिमता का घमंड है, जबकि वो भी उसकी अर्जित की हुई नहीं है, कुछ गॉड गिफ्टेड है और कुछ संयोगवसात मिली परिस्थितियों की बदौलत है। किसी को अपनी जाति का, उच्च कुल में जन्म लेने का, अपनी जीवनशैली का, तो किसी को अपने पहनावे का तो किसी को अपने खानपान का, तो किसी को अपनी पद-प्रतिष्ठा का अहंकार है। वो ईमानदारी से देखे तो सब संयोग मात्र से उपलब्ध हुआ है, अर्जित नहीं किया गया है। अर्जित करने का उसे भ्रम हो सकता है, लेकिन वो भ्रम भी हमें हमारा अहंकार ही देता है कि अरे ऐसे कैसे 'मैं कोई मामूली इंसान थोड़े न हूं। जीवन भर मेहनत की है। अपने को शून्य होता देख घबराहट होती है।' इसीलिए मुझे मोटिवेशनल, प्रेरणादाई बातें सब फिजूल लगती हैं।

विवेक मधु

ब्लॉगर

आपकी प्रेरणा देने से बदलाहट हो रही होती तो सभी बदल जाते न, जो पहुंचते हैं आगे उन्हें पहुंचना ही था, क्योंकि वो अपने अंदर समझ का बीज लेकर ही चल रहे थे। उनकी नियति को उन्हें वहां तक ले ही जाना था। हां, यह बात भी आपको अजीब लगेगी और लगनी भी चाहिए, क्योंकि मेरा भी आज इसे जान लेने का कोई ठोस दावा नहीं है, लेकिन अंदर से एक आवाज आती है कि कुछ पा लेने का जज्बा, लगन के बीज भी कुछ लोग लेकर पैदा होते हैं कुछ नहीं। यह बीज जितने हैं उस अनुपात में उसकी उपलब्धि हो जाती है। देखिए न, एक कक्षा में अध्यापक सभी को एक सा ही पाठ पढ़ाता है, मगर सभी अपनी क्षमता अनुसार ग्रहण करते हैं और उसी अनुसार डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, व्यापारी आदि आदि बन जाते हैं।

हम कितना भी धरम-करम, ध्यान-व्यान, मौन-वौन कर लें, मगर बारीकी से इस अहंकार के खेल को नहीं समझ रहे हैं, प्रेम-करुणा और विनम्रता का उदय नहीं हो रहा है तो दिशा भटक गए हैं हम। मुझे परमात्मा की कृपा से स्थूल अहंकार की व्यर्थता तो समझ आ गई है, वो रत्तिमात्र भी नहीं बचा है, मगर कहीं न कहीं सूक्ष्म अहंकार तो है और वही मेरी पीड़ा का कारण भी है। परमात्मा से यही प्रार्थना है (नहीं-नहीं यह शब्द भी भ्रम उत्पन्न करता है, केवल प्रार्थना कहना काफी है) कि इस सूक्ष्म अहंकार का खेल भी जना दे। शायद यही मुक्ति है?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

परंपरा और तकनीक का नवाचार वस्त्र प्रद्यौगिकी में सपनों का द्वार

उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नालॉजी इंस्टीट्यूट

111 वर्षों की गौरवशाली विरासत ▪ भविष्य के लीडर्स की पाठशाला ▪ यहां युवा बुनते हैं इनोवेशन और बनते हैं पेशेवर

मैनचेस्टर ऑफ द ईस्ट कहे जाने वाले कानपुर में स्थित "उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नालॉजी इंस्टीट्यूट (यूपीटीटीआई) उत्तर भारत ही नहीं, बल्कि देश के सबसे पुराने और अग्रणी टेक्सटाइल इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक है । 1914 में स्थापित इस संस्थान ने बीते 111 वर्षों की गौरवशाली यात्रा में हजारों युवाओं को तकनीकी शिक्षा, रिसर्च और उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण से सशक्त बनाकर टेक्सटाइल इंडस्ट्री के विकास को नई राह दिखाई है। यह संस्थान देश को तकनीकी रूप से दक्ष और उद्योग के अनुकूल प्रोफेशनल्स उपलब्ध करा रहा है।

ऑटोमोटिव और मेडिकल सेक्टर में टेक्सटाइल इंजीनियर्स की बढ़ी मांग

- तेजी से बदलती दुनिया के दौर में आज लगभग सभी क्षेत्रों में टेक्सटाइल इंजीनियर्स की जरूरत है। खासतौर पर ऑटोमोटिव और मेडिकल सेक्टर में टेक्सटाइल इंजीनियरिंग की जरूरत पिछले कुछ समय में तेजी से महसूस की जा रही है। कंप्यूटर साइंस व टेक्सटाइल इंजीनियरिंग के छात्र एक साथ मिलकर इस आवश्यकता को नई दिशा दे सकते हैं।

इसे ही भांपकर यूपीटीटीआई ने टेक्सटाइल से जुड़े पाठ्यक्रमों टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल केमिस्ट्री, मैन मेड फाइबर टेक्नोलॉजी और टेक्सटाइल इंजीनियरिंग के अलावा सत्र 2024-25 से कंप्यूटर साइंस में 60 सीटों वाला बीटेक कोर्स शुरू किया है। इसके पीछे संस्थान का प्रयास है कि छात्र सिर्फ नौकरी के लिए नहीं, बल्कि उद्योग के निर्माण और नेतृत्व के लिए भी तैयार हो सकें।

देश में रोजगार का दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर है टेक्सटाइल इंडस्ट्री

- टेक्सटाइल इंडस्ट्री करियर के लिहाज से देश का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार देने वाला उद्योग है। इसमें नौकरी, रिसर्च, फैशन डिजाइन, प्रोडक्शन, एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट, टेक्निकल टेक्सटाइल, क्वालिटी कंट्रोल, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, सस्टेनेबल टेक्सटाइल्स, गवर्नमेंट सेक्टर, स्टार्टअप्स, इनोवेशन, एनवायरमेंटल टेक्सटाइल जैसे क्षेत्र में काम करने के लिए राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में अपार अवसर उपलब्ध हैं। टेक्सटाइल सेक्टर में इनोवेशन और रिसर्च की भी असीम संभावनाएं हैं।

शत प्रतिशत प्लेसमेंट, उद्योग जगत के लीडर

- यूपीटीटीआई ने हाल के वर्षों में लगभग शत प्रतिशत प्लेसमेंट का रिकॉर्ड बनाया है। संस्थान के छात्रों की मांग टेक्सटाइल उद्योग में हमेशा रहती है। यहां के छात्रों को देश की शीर्ष टेक्सटाइल कंपनियों में आकर्षक पैकेज पर नौकरी मिली है।यूपीटीटीआई के छात्र देश-विदेश की नामी टेक्सटाइल कंपनियों जैसे ट्राइडेंट ग्रुप, वेलस्पन, वर्धमान टेक्सटाइल्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आदित्य बिड़ला ग्रुप, शाही एक्सपोर्ट्स, नाहर ग्रुप आदि में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। संस्थान के अनेक पूर्व छात्रों ने टेक्सटाइल सेक्टर में अपना स्टार्टअप भी शुरू करके नए आयाम स्थापित किए हैं।
- संस्थान की आधुनिक लैब्स में इंडस्ट्री स्टैंडर्ड मशीनरी और उपकरण हैं, जिससे छात्रों को वास्तविक इंडस्ट्री एक्सपोजर मिलता है। टेक्नोलॉजी-सक्षम क्लासरूम और समृद्ध लाइब्रेरी में छात्रों को प्रैक्टिकल नॉलेज और रिसर्च के लिए हर सुविधा उपलब्ध रहती है।

नवाचार को नई उड़ान, संस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान

- संस्थान का स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर एंड इनोवेशन फाउंडेशन संस्थान के छात्रों के साथ ही बाहरी युवाओं के लिए नवाचार के सशक्त केंद्र के रूप में उभर रहा है। इसे प्रदेश सरकार के स्टार्ट इन यूपी और एकेटीयू के इनोवेशन हब से मान्यता मिली हुई है।
- सेंटर युवा उद्यमियों को उनकी स्टार्टअप यात्रा में आइडिया से स्टार्टअप तक की मेंटरशिप, सरकारी ग्रांट्स और स्कीम्स की जानकारी, लीगल व अकाउंटिंग सहायता, बिजनेस प्लान डेवलपमेंट, फंडिंग और नेटवर्किंग सपोर्ट में सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करता है। इसके चलते संस्थान के नवाचारों को यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, इंटरनेशनल ट्रेड शो, स्टार्ट अप महाकुंभ-2024 एवं 25 तथा स्टार्ट अप संवाद जैसे आयोजनों में सराहना हासिल हुई है।

संस्थान में उपलब्ध पाठ्यक्रम

- बीटेक – कम्प्यूटर साइंस -60 सीटें, टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी-40 सीटें, टेक्सटाइल केमिस्ट्री-60 सीटें, मैन मेड फाइबर टेक्नोलॉजी-60 सीटें, टेक्सटाइल इंजीनियरिंग-40 सीटें (प्रवेश प्रक्रिया जेईई मेंस, सीयूईटी तथा यूपीटैक)
- एमटेक – टेक्सटाइल टेक्नालॉजी, टेक्सटाइल केमिस्ट्री (प्रवेश प्रक्रिया गेट तथा सीयूईटी(पीजी) उत्तीर्ण, सीटें रिक्त रहने पर संस्थान स्तरीय प्रवेशपरीक्षा)
- पीएचडी – रिसर्च व इनोवेशन

लेखक– प्रोफेसर जितेन्द्र प्रताप सिंह
हेड ऑफ डिपार्टमेंट ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट
उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नालॉजी इंस्टीट्यूट

नई किताबें

मनोविज्ञान के बुनियादी सिद्धांतों और प्रमुख सिद्धांतों को समझाने का प्रयास

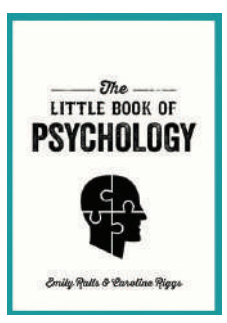

यह पुस्तक मनोविज्ञान के बुनियादी सिद्धांतों और प्रमुख सिद्धांतों को समझने के लिए एक संक्षिप्त और सुलभ परिचय प्रदान करती है। खासकर उन छात्रों के लिए जो विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान का अध्ययन शुरू करने वाले हैं। यह प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिकों, मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों, मनोवैज्ञानिक अध्ययनों और विषयों का संकलन है। यह 128 पृष्ठों की एक छोटी पुस्तक है, जो उन छात्रों के लिए एकदम सही है जिसमें मनोविज्ञान के बुनियादी ज्ञान और प्रमुख सिद्धांतों को सरल और स्पष्ट तरीके से समझाया गया है। पुस्तक : द लिटिल बुक ऑफ साइकोलॉजी

लेखक : कैरोलिन रिग्स, एमिली राल्स

मूल्य : रुपये 1,307

प्रकाशक: समर्सडेल

नगरीय समाज के विवरण पर आधारित

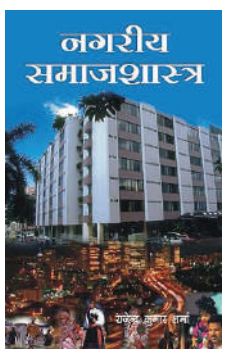

यह पुस्तक समस्त भारतीय विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर स्तर पर समाजशास्त्र के नगरीय समाजशास्त्र शीर्षक प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम का पूर्णतया विवेचन करती है। इस पुस्तक में नगरीय समाजशास्त्र का परिचय, नगरीय समाज के विवरण पर ग्रामीण और नगरीय तुलना, नगर का सामाजिक प्रभाव, भारत में नगरों में वृद्धि, नगरीय समुदाय के लक्षण तथा नगरों के प्रकार शीर्षक अध्याय दिये गए हैं। इसमें प्रमुख नगरीय समस्याओं जैसे नगरीय बेकारी, भीड़भाड़ और गन्दी बस्तियां, वेश्यावृत्ति, भिक्षावृत्ति, अपराध, किशोरापराध आदि का विवेचन भी किया गया है।

पुस्तक : नगरीय समाजशास्त्र

लेखक : राजेन्द्र कुमार शर्मा

मूल्य : रुपये 495

प्रकाशक : अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

उपलब्धता : अमेजन पर भी उपलब्ध है।

जॉब अलर्ट

एलआईसी रिक्रूटमेंट-2025

- असिस्टेंट इंजीनियर – 81 पद
- असिस्टेंट एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर – 760 पद
- अहर्ता – मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बैचलर डिग्री, बीई/ बीटेक और लॉ में ग्रेजुएट
- आयु सीमा – 8 सितंबर 2025 को कम से कम 21 साल और अधिकतम 30/32 साल
- आवेदन – ऑनलाइन www.licindia.in
- अंतिम तिथि – 8 सितंबर

यूपी पुलिस दरोगा भर्ती

- कुल पद – 4543
- योग्यता – स्नातक
- आवेदन – वेबसाइट Uppbpb.gov.in
- अंतिम तिथि- 11 सितंबर

बिहार कर्मचारी चयन आयोग स्नातक स्तरीय पदों पर नियुक्ति

- कुल पद- 1064
- योग्यता- स्नातक
- आयु सीमा – 21 से 37 वर्ष
- आवेदन- वेबसाइट Bssv.bihar.gov.in
- अंतिम तिथि- 17 सितंबर

काम की बात

स्वयं पोर्टल पर पांच फ्री एआई कोर्स लॉन्च

- शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जोड़ने के लिए स्वयं पोर्टल पर पांच फ्री एआई कोर्स लॉन्च किए हैं। स्कूल-कॉलेज के छात्र और नौकरीपेशा, सभी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।इन कोर्स को आईआईटी के प्रोफेसरों ने डिजाइन किया है। ये कोर्स बेसिक से एडवांस लेवल तक की घर बैठे पढ़ाई के लिए तैयार किए गए हैं। कोर्स पूरा करने पर छात्रों को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। 'AI/ML Using Python' कोर्स में पाइथन प्रोग्रामिंग, डेटा विज़ुअलाइजेशन और मशीन लर्निंग की बेसिक जानकारी दी जाएगी। 'AI in Physics' कोर्स में फिजिक्स के कठिन कॉन्सेप्ट्स को AI की मदद से आसान तरीके से समझाया जाएगा। इसी तरह 'AI in Chemistry' कोर्स में ड्रग डिजाइनिंग और रिएक्शन मॉडलिंग जैसे विषयों को AI के माध्यम से सीखने का मौका मिलेगा। कॉमर्स और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए 'AI in Accounting' कोर्स में अकाउंटिंग ऑटोमेशन और स्मार्ट एनालिसिस सिखाया जाएगा। इन कोर्स के लिए SWAYAM पोर्टल swayam.gov.in पर लॉग इन करना होगा। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के लिए कोई शुल्क नहीं देना है।

सैन्य कॉलेज देहरादून में एडमिशन

- राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून में जुलाई 2026 सत्र के लिए 8वीं कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। 7वीं कक्षा में पढ़ रहे या 7वीं पास कर चुके लड़के या लड़कियां इस कॉलेज में एडमिशन के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- उम्र 1 जुलाई 2026 को साढ़े ग्यारह साल से कम और 13 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। प्रवेश परीक्षा 7 दिसंबर 2025 को दिल्ली में होगी।
- आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है। प्रवेश परीक्षा दो स्तरीय होगी। लिखित परीक्षा अंग्रेजी, गणित और सामान्य ज्ञान की होगी। इसे पास करने वाले बच्चों का बाद में साक्षात्कार होगा।
- आवेदन फार्म डिमांड ड्राफ्ट भेजकर कॉलेज से मंगा सकते हैं या शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।
- राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून बच्चों को पढ़ाई के साथ अनुशासन, फिजिकल ट्रेनिंग और लीडरशिप सिखाता है। यहां कक्षा 8 से 12वीं तक की पढाई होती है।
- इस कॉलेज को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) खडकवासला और भारतीय सैन्य अकादमी (IMA), देहरादून के लिए नर्सरी ऑफ लीडरशिप माना जाता है।
- यहां से पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों के लिए सेना में अधिकारी बनने का रास्ता खुलता है।

पहली प्राइवेट नौकरी पर सरकार से 15 हजार इनाम

- **प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना**
- **खुल चुका पोर्टल, इस तरह करना है रजिस्ट्रेशन**

- देश में युवाओं को अधिक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने Employment Linked Incentive Scheme शुरू की है। इस योजना को प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना नाम दिया गया है। इस योजना के तहत निजी क्षेत्र में पहली नौकरी मिलने पर सरकार धन देगी।
- प्राइवेट सेक्टर में पहली नौकरी पाने वाले लोगों को इस योजना का लाभ लेने के लिए UAN (Universal Account Number) फेस ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी के जरिए UMANG App पर जेनरेट करना होगा। वहीं, एंप्लॉयर pmvbry.epfindia.gov.in या pmvbry.labour.gov.in पर जाकर वन-टाइम रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।
- यह योजना 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 के बीच बनने वाली नौकरियों पर लागू होगी।
- योजना का पोर्टल (https://pmvbry.epfindia.gov.in या https://pmvbry.labour.gov.in)

योजना का पहला भाग

इस योजना में दो पार्ट हैं। पार्ट ए पहली बार रोजगार पाने वालों पर केंद्रित है, वहीं दूसरा भाग नियोक्ताओं पर केंद्रित है। पार्ट ए के तहत EPFO में पहली बार पंजीकृत होने वाले कर्मचारियों को एक महीने का EPF वेतन, जो अधिकतम 15000 रुपये हो सकता है, दो किस्तों में दिया जाएगा। 6 महीने की नौकरी पूरी होने पर 7500 रुपये और बाकी 7500 रुपये 1 साल पूरा होने पर मिलेंगे 1 लाख रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारी इसके पात्र होंगे। प्रोत्साहन राशि का एक हिस्सा एक निश्चित अवधि के लिए बचत साधन या जमा खाते में रखा जाएगा और कर्मचारी बाद में इसे निकाल सकेगा।

दूसरा भाग नियोक्ताओं के लिए

नियोक्ताओं को हर अतिरिक्त कर्मचारी (पहली बार नौकरी करने वाला या पुनः जुड़ने वाला) पर रुपये 3000 प्रति माह तक का Incentive मिलेगा।
यह प्रोत्साहन सामान्य तौर पर 2 साल तक और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 4 साल तक दिया जाएगा।
लाभ तभी मिलेगा जब कर्मचारी कम से कम 6 महीने तक नौकरी में बना रहे।

पात्रता की शर्तें

- जिन प्रतिष्ठानों में 50 से कम कर्मचारी हैं, उन्हें कम से कम 2 नए कर्मचारी रखने होंगे।
- जिनमें 50 या उससे अधिक कर्मचारी हैं, उन्हें कम से कम 5 नए कर्मचारी रखने होंगे।
- Exempted Establishments भी इस योजना के तहत शामिल होंगे और उन्हें अपने सभी कर्मचारियों का UAN खोलना अनिवार्य होगा।

अंग्रेजी में कमजोरी नहीं बनेगी उच्च शिक्षा में बाधा

अंग्रेजी भाषा में कमजोर होने के कारण तमाम मेधावी छात्र-छात्राओं को एमबीबीएस, बीटेक या प्रबंधन की पढ़ाई में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को दूर करने के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यक्रम और उससे संबंधित विशिष्ट महत्वपूर्ण पुस्तकों को भारतीय भाषाओं में डिजिटल रूप में उपलब्ध कराने के लिए सरकार 'भारतीय भाषा पुस्तक' योजना को तेजी से धरातल पर लाने में जुटी है। यह कदम उन छात्रों के लिए बेहद फायदेमंद होगा, जो हिंदी मीडियम या अपने राज्य की भाषा से शुरूआती पढ़ाई करते हैं और अंग्रेजी के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई अनुभव करते हैं। इस काम के लिए शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने देश की प्रमुख यूनिवर्सिटीज व उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ाए जाने वाले कोर्सेज की मैपिंग पूरी कर ली है। राज्यों की भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के मिशन में वहां की यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों को शामिल किया गया है।

देश में हर भाषा में मिलेंगी कोर्स की किताबें

- कोर्स से जुड़ी पांच हजार किताबें भारतीय भाषाओं में होंगी तैयार
- 22 भारतीय भाषाओं में मिलेंगी इंजीनियरिंग-मेडिकल की किताबें
- जेईई 13 क्षेत्रीय भाषाओं में

हिंदी में भी शुरू मेडिकल व इंजीनियरिंग की पढ़ाई

- कई प्रमुख संस्थानों ने हिंदी में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू भी कर रखी है, मध्य प्रदेश, बिहार, और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में कराने का फैसला पहले ही लिया जा चुका है। आईआईटी, जोधपुर बीटेक कोर्स को हिंदी भाषा में उपलब्ध करा चुका है।
- छात्रों को डिजिटल प्रारूप में टेक्स्टबुक और अध्ययन सामग्री मिलेगी।
- क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और भाषा आधारित समानता सुनिश्चित होगी।
- तकनीकी, मेडिकल, लॉ और अन्य उच्च शिक्षा की किताबों का अनुवाद किया जाएगा।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,857.84	25,050.55
बढ़त	+213.45	+69.90
प्रतिशत में	0.26	0.28

सोना 1,00,020 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,12,500 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, गुरुवार, 21 अगस्त 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

दुर्लभ बीमारियों के लिए चार नई दवाएं जल्द की जाएंगी पेश

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी के पॉल ने बुधवार को कहा कि दुर्लभ बीमारियों के लिए चार नई दवाएं जल्द ही बाजार में आने की उम्मीद है, जबकि सात बीमारियों के लिए पांच दवाएं पहले ही बाजार में आ चुकी हैं। इन दवाओं से मरीजों की परेशानी कम हो रही है। उद्योग मंडल फिक्की और नीति आयोग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि स्थानीय कंपनियों द्वारा पेश जेनेरिक दवाओं से दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित लोगों को भारी बचत हुई है। वर्तमान में केंद्रीय तकनीकी समिति की सिफारिश पर राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति के अंतर्गत 63 दुर्लभ बीमारियां शामिल हैं।

ईपीएफओ ने 21.89 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जून महीने में शुद्ध रूप से 21.89 लाख सदस्य जोड़े जो अप्रैल 2018 में पेरोल यानी नियमित वेतन पर रखे गये लोगों की संख्या जारी होने की शुरुआत के बाद सबसे अधिक है। श्रम मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, ईपीएफओ ने जून 2025 में शुद्ध रूप से 21.89 लाख सदस्य जोड़े जो सालाना आधार पर 13.46 प्रतिशत और मासिक आधार पर 9.14 प्रतिशत अधिक है।

ग्वारसीड वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। हाजिर बाजार में मजबूती के रुख के बाद सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को ग्वारसीड की कीमत 9 रुपये की तेजी के साथ 5,275 रुपये प्रति 10 क्विन्टल हो गई। एनसीडीईएक्स में ग्वारसीड के सितंम्बर माह में आपूर्ति वाले अनुबंध की कीमत 9 रुपये या 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,275 रुपये प्रति 10 क्विन्टल हो गई। इसमें 55,800 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि हाजिर बाजार में मजबूती के रुख को देखते हुए सटोरियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने तथा उत्पादक क्षेत्रों से मामूली आपूर्ति होने के कारण ग्वारसीड वायदा कीमतों में तेजी आई।

जीएसटी सुधारों पर राज्यों से बनाएंगे आम सहमति

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा- अगली पीढ़ी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा यह कदम

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक कदम हैं और केंद्र सरकार आने वाले हफ्तों में इस पर राज्यों के साथ आम सहमति बनाने का प्रयास करेगी। सीतारमण ने जीएसटी में सुधारों पर गठित राज्यों के मंत्रियों के समूहों (जीओएम) के साथ मुलाकात में कहा कि जीएसटी सुधारों पर केंद्र का प्रस्ताव संरचनात्मक सुधार, दरों को युक्तिसंगत बनाने और जीवन को आसान बनाने के तीन स्तंभों पर आधारित है।

जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने, बीमा पर कराधान और क्षतिपूर्ति उपकर पर बने मंत्री समूहों ने जीएसटी प्रणाली में व्यापक सुधारों के प्रस्ताव को लेकर सीतारमण के साथ मुलाकात की। बैठक के दौरान सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार का यह प्रस्ताव देश के आत्मनिर्भर बनने की यात्रा में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की शुरुआत करने के दृष्टिकोण से है। तीनों मंत्री समूह

जीएसटी काउंसिल की बैठक लेतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

दो दिन तक केंद्र के 'अगली पीढ़ी' के जीएसटी सुधारों पर विचार-विमर्श करेंगे, जिसके तहत पांच और 18 प्रतिशत की सिर्फ दो दरें ही प्रस्तावित की गई हैं। इसके अलावा विलासिता एवं नुकसानदेह उत्पादों पर 40% कर की एक विशेष दर रखी गई है।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, केंद्र सरकार सहकारी संघवाद की भावना के साथ जीएसटी सुधारों की अगली पीढ़ी को लागू करने के लिए आने वाले हफ्तों में राज्यों के साथ व्यापक सहमति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मौजूदा समय में पांच, 12, 18 और 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाया जाता है। खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं पर शून्य या पांच प्रतिशत कर लगता है। वहीं विलासिता एवं अहितकर वस्तुओं पर 28 प्रतिशत की दर से कर लगता है, जिसके ऊपर उपकर भी लगता है। सीतारमण ने मंत्री समूहों को लगभग 20 मिनट संबोधित किया जिसमें उन्होंने केंद्र की तरफ से रखे गए कर सुधार प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की। इसमें कर दरों में कटौती और कारोबारियों के लिए अनुपालन बोझ को कम करने का प्रस्ताव है।

केंद्र व्यक्तिगत बीमा प्रीमियम पर छूट देने के पक्ष में

नई दिल्ली। बिहार के उपमुख्यमंत्री और बीमा पर गठित मंत्रियों के समूह (जीओएम) के संयोजक सम्राट चौधरी ने बुधवार को कहा कि केंद्र ने व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से छूट देने का प्रस्ताव रखा है। फिलहाल जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम भुगतान पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता है। बीमा पर गठित मंत्री समूह की यहां आयोजित बैठक में लगभग सभी राज्यों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। हालांकि, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्यों ने यह सुनिश्चित करने की मांग रखी है कि कर कटौती का लाभ बीमा कंपनियों को नहीं बल्कि सीधे पॉलिसीधारकों को मिले। उन्होंने कहा, राज्य चाहते थे कि कर की दर या तो घटाई जाए या फिर इसमें छूट दी जाए। साथ ही कई राज्यों ने कहा कि कोई ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए ताकि दरों में कटौती का लाभ लोगों तक पहुंच सके। जीएसटी परिषद इसकी एक व्यवस्था तय करेगी। विक्रमार्क ने कहा कि व्यक्तिगत बीमा पॉलिसी पर जीएसटी छूट दिए जाने से सालाना करीब 9,700 करोड़ रुपये की राजस्व क्षति होने का अनुमान है। चौधरी ने कहा कि मंत्री समूह अब अपनी रिपोर्ट जीएसटी परिषद को सौंपेगा जिसमें राज्यों की राय और चिंताएं शामिल होंगी। चौधरी ने कहा, केंद्र का प्रस्ताव स्पष्ट है कि व्यक्तिगत बीमा पॉलिसी पर जीएसटी से छूट दी जाए। सभी राज्यों ने दरों को कम करने पर अपनी रजामंदी दी है। हालांकि, कुछ राज्यों ने इस पर अपने विचार रखे हैं। इस बारे में अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद लेगी। बीमा पर जीएसटी छूट देने का प्रस्ताव केंद्र के अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का हिस्सा है।

जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने के लिए गठित मंत्री समूह को कर स्लैब एवं दरों में बदलाव और कुछ क्षेत्रों में शुल्क उलटफेर की समस्या खत्म करने का दायित्व सौंपा गया है। यह समूह 21 अगस्त को फिर बैठक करेगा। बीमा संबंधी मंत्री समूह स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा प्रीमियम पर कर दर घटाने पर विचार कर रहा है जबकि क्षतिपूर्ति उपकर पर बना समूह ऋण भुगतान अवधि के बाद उपकर के भविष्य पर निर्णय लेगा।

कपड़ा, हीरा व रसायन क्षेत्र के एमएसएमई अमेरिकी शुल्क से सबसे अधिक होंगे प्रभावित

- क्रिसिल इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट में किया गया दावा

कोलकाता, एजेंसी

अमेरिका के उच्च शुल्क लगाए जाने से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र पर काफी असर पड़ेगा, जो भारत के निर्यात में 45 प्रतिशत का योगदान करता है। कपड़ा, हीरा और रसायन क्षेत्र के एमएसएमई पर इसका सबसे गंभीर असर होने की आशंका है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर 25% का शुल्क लगाता है और 25% का अतिरिक्त शुल्क 27 से प्रभावी होगा। इससे कुल शुल्क 50% होगा जिसका भारत के कई क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ेगा। अमेरिका को भारत के निर्यात में कपड़ा, रत्न व आभूषण की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है और इसके सबसे अधिक प्रभावित होने की आशंका है। इन क्षेत्रों में एमएसएमई की हिस्सेदारी 70% से अधिक है और इन पर इसका सबसे अधिक असर पड़ेगा। एक अन्य क्षेत्र जिसे दबाव का सामना करना पड़ सकता है, वह है रसायन जहां एमएसएमई की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है।

रसायन क्षेत्र में जापान व द. कोरिया से प्रतिस्पर्धा

रिपोर्ट में कहा गया कि गुजरात के सूरत स्थित रत्न एवं आभूषण क्षेत्र, शुल्क का झटका महसूस करेगा। देश के रत्न एवं आभूषण निर्यात में हीरे की हिस्सेदारी 50% से अधिक है और अमेरिका इसका एक प्रमुख उपभोक्ता है। रसायन क्षेत्र में भी भारत को जापान और दक्षिण कोरिया से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। इन देशों में शुल्क कम है। इस्पात क्षेत्र में अमेरिकी शुल्क का एमएसएमई पर नगण्य प्रभाव पड़ने का अनुमान है क्योंकि ये इकाइयां मुख्यत: री-रोलिंग और लंबे उत्पादों में लगी हुई हैं।

शुल्क अनिश्चितताओं के बीच केंद्रीय बैंक को सतर्क रहने की जरूरत: मल्होत्रा

मुंबई, एजेंसी

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि शुल्क को लेकर अनिश्चितताएं अभी भी जारी हैं, इसलिए केंद्रीय बैंक को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने इस महीने के शुरू में मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो दर को यथावत रखने के पक्ष में मतदान करते हुए यह बात कही थी।

आरबीआई ने बुधवार को चार-छह अगस्त के दौरान हुई एमपीसी की बैठक का ब्योरा जारी किया। केंद्रीय बैंक के गवर्नर के साथ एमपीसी के अन्य सभी पांच सदस्यों ने रेपो दर को

- आरबीआई गवर्नर बोले- निकट भविष्य में मुद्रास्फीति लक्ष्य से कम रहने की संभावना

5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने के पक्ष में मतदान किया था। मल्होत्रा ने कहा, कुल मिलाकर हमारी अर्थव्यवस्था मजबूती, स्थिरता और अवसर की तस्वीर पेश करती है। भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति, विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियां और दूरदर्शी रणनीति देश को एक मजबूत स्थिति में रखती हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि वृद्धि दर स्थिर बनी हुई है, लेकिन खाद्य कीमतों में नरमी के कारण मुद्रास्फीति के परिणाम अपेक्षाकृत अधिक अनुकूल रहे हैं। मल्होत्रा ने कहा, हालांकि निकट भविष्य में मुद्रास्फीति लक्ष्य से कम रहने की संभावना है और मासिक आंकड़े दो प्रतिशत के निचले संतोषजनक स्तर को भी पार कर सकते हैं, लेकिन तीसरी तिमाही से सकल (हेडलाइन) मुद्रास्फीति में थोड़ी वृद्धि होने का अनुमान है।

आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि जुलाई में सुस्त पड़कर दो प्रतिशत पर

नई दिल्ली। देश के आठ बुनियादी क्षेत्रों की वृद्धि दर जुलाई, 2025 में सुस्त पड़कर दो प्रतिशत रही। एक साल पहले इसी माह में इन क्षेत्रों का उत्पादन 6.3 प्रतिशत बढ़ा था। आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन जून में 2.2 प्रतिशत बढ़ा था। कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पादों जैसे पांच प्रमुख क्षेत्रों के उत्पादन में जुलाई में गिरावट दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जुलाई अवधि में आठ बुनियादी ढांचा उद्योगों का उत्पादन 1.6 प्रतिशत बढ़ा है जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि 6.3 प्रतिशत रही थी।

निर्यात पर अंकुश में ढील सकारात्मक संकेत लेकिन भारत को इस पर निर्भरता घटानी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को दुर्लभ खनिजों और उर्वरकों के निर्यात पर पाबंदियों में ढील देने का चीन का फैसला एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि भारत को पड़ोसी देश पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए काम करना चाहिए जिसके साथ उसका 100 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार घाटा चिंताजनक है।

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने बुधवार को यह बात कही। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि 2014 से 2024 के बीच भारत के आयात

- जीटीआरआई ने कहा- 100 अरब डॉलर का व्यापार घाटा चिंताजनक

परिदृश्य पर चीन का प्रभुत्व और अधिक बढ़ गया है। भारत के दूरसंचार और इलेक्ट्रॉनिक आयात में इसकी हिस्सेदारी 57.2 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि मशीनरी एवं हार्डवेयर में यह 44 प्रतिशत है। रसायन एवं दवा के आयात में 28.3 प्रतिशत के साथ यह दूसरे स्थान पर रहा। जीटीआरआई के अनुसार, भारत के लिए एकमात्र वास्तविक सुरक्षा उपाय, निर्भरता कम करके, गहन विनिर्माण में निवेश करके और एक सच्चा उत्पाद राष्ट्र बनकर घरेलू स्तर पर मजबूती बनाना है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, एक मजबूत एवं अधिक आत्मनिर्भर भारत, चीन के साथ समान स्तर पर बातचीत करने में बेहतर स्थिति में होगा तथा अचानक बदलावों का शिकार होने के बजाय संबंधों को स्थिर एवं व्यावहारिक बनाए रखेगा।

राष्ट्रीय

संशोधन विधेयक की प्रतियां फाड़ कागज उछाले

लोकसभा में सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्य हुए आमने-सामने, सदन में हुई तीखी नोकझोंक

नई दिल्ली, एजेंसी

गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किए जाने के दौरान हंगामे की स्थिति रही और विपक्षी सदस्यों ने विधेयकों की प्रतियां फाड़ी तथा कागज फाड़कर भी उछाले। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए।

बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया। इस दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के कुछ सदस्यों को आमने-सामने आते

लोकसभा में फाड़े गए कागज के टुकड़े गृह मंत्री के सामने उड़ते हुए।

हुए देखा गया और उनके बीच तीखी नोकझोंक हुई। तृणमूल कांग्रेस के कुछ सदस्यों को इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह की ओर बढ़ते देखा गया। दो बार के स्थगन के बाद सदन की बैठक दोपहर 2 बजे फिर शुरू हुई तो विपक्षी सदस्य पहले से ही खड़े होकर इन तीनों विधेयकों के खिलाफ नारे लगा रहे थे जिन्हें सरकार पेश करने जा रही थी। तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने विधेयक की प्रतियां फाड़ दीं और कागज के टुकड़े गृह मंत्री के सामने फेंके। इस दौरान गृह मंत्री विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव पेश कर रहे थे।

इसी हंगामे में, तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी को शाह के सामने लगे माइक्रोफोन को खींचते हुए और उसके पास नारे लगाने की कोशिश करते देखा गया। उधर भाजपा के सांसद भी आसन के सामने मौजूद विपक्षी सांसदों की तरफ बढ़ने लगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू जहां सत्ता पक्ष के आगे वाली सीटों के सामने आ गए, वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू को गृह मंत्री के बगल में खड़े देखा गया। कांग्रेस सदस्य जोतिमणि और

वाम दलों ने दमनकारी, लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया

नई दिल्ली। वामपंथी दलों ने बुधवार को कहा कि गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्रियों को हटाने का प्रावधान करने वाले नए विधेयक लोकतंत्र और संघीय ढांचे पर सीधा हमला हैं और उन्होंने इसका पूरी ताकत से विरोध करने का संकल्प लिया। इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए माकपा महासचिव एमए बेबी ने एक्स पर कहा, मोदी सरकार द्वारा प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को 30 दिनों की हिरासत में रखने के बाद पद से हटाने के तीन विधेयक उसके नव-फासीवादी चरित्र को उजागर करते हैं। हमारे लोकतंत्र पर यह सीधा हमला है और माकपा डटकर इसका विरोध करेगी। हम सभी लोकतांत्रिक ताकतों से इस दमनकारी कदम के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह करते हैं। उन्होंने कहा, उच्च पदों पर अपराध से निपटने के नाम पर पेश किए गए ये विधेयक वास्तव में सरकार के असली इरादे को उजागर करते हैं क्योंकि आरएसएस-नियंत्रित मोदी सरकार का इतिहास निर्वाचित राज्य सरकारों को कमजोर करने का रहा है।

ममता ने पीएम, सीएम व मंत्रियों को हटाने संबंधी विधेयक की निंदा की

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार होने के बाद प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक की बुधवार को निंदा की और आरोप लगाया कि यह भारत में लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त कर देगा। बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह भी दावा किया कि संशोधन विधेयक एक 'सुपर-आपातकाल' से भी बड़ा कदम है और यह देश की न्यायपालिका की स्वतंत्रता को समाप्त कर देगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच लोकसभा में बुधवार को 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025', 'संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' पेश किए। बाद में उनके प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का निर्णय लिया है।

पैसा आधारित ऑनलाइन गेम गंभीर सामाजिक मुद्दा: वैष्णव

- कहा- समाज पर नकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि पैसे से जुड़ा ऑनलाइन गेम एक गंभीर सामाजिक और जन स्वास्थ्य समस्या बन गया है और इसका समाज पर नकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में पैसे से खेले जाने वाले ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक को पारित करने के बाद कहा कि प्रस्तावित कानून ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देगा और भारत को ऐसे गेम के विकास का केंद्र बनाएगा।

वैष्णव ने बताया, हमारा प्रयास ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग, ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा देना है और हम चाहते हैं कि भारत एक गेमिंग विकास का केंद्र बने। इसके लिए पहले से ही कई प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि जहां तक डिजिटल तकनीक का सवाल है, ऑनलाइन गेमिंग तीन मुख्य क्षेत्रों के

साथ एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, दो क्षेत्र, ई-स्पोर्ट्स व ऑनलाइन सोशल गेमिंग, समाज के लिए अच्छे हैं। हम तीन में से दो क्षेत्रों को बढ़ावा दे रहे हैं। इन दोनों को कानूनी मान्यता मिलेगी और इनका प्रचार किया जाएगा। यह विधेयक एक प्राधिकरण बनाएगा जो मूलरूप से ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम और योजनाएं बनाएगा। मंत्री ने कहा कि तीसरा क्षेत्र, पैसे से जुड़ा ऑनलाइन गेम है, जो समाज को नुकसान पहुंचा रहा है और यह एक प्रमुख सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभरा है।

दिल्ली के 50 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस ने शुरू किया तलाश अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों को बम की धमकी मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब दिल्ली के करीब 50 स्कूलों को बुधवार को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद पुलिस और अन्य आपातकालीन एजेंसियों ने तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दिल्ली के लगभग 50 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें द्वारका स्थित राहुल मॉडल स्कूल और मैक्सफोर्ट स्कूल, मालवीय नगर स्थित एसकेवी और प्रसाद

- 18 अगस्त को दिल्ली के 32 स्कूलों को इसी तरह की धमकी मिली थी

नगर स्थित आंध्रा स्कूल शामिल हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, दो स्कूलों- मालवीय नगर स्थित एसकेवी और प्रसाद नगर स्थित आंध्रा स्कूल में बम की धमकी की सूचना क्रमशः सुबह सात बजकर 40 मिनट पर और सात बजकर 42 मिनट पर मिली। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस टीम, अग्निशमनकर्मी और बम निरोधक दस्ते तुरंत स्कूल पहुंचे। महज दो दिन पहले 18 अगस्त को दिल्ली के 32 स्कूलों को इसी तरह की धमकी मिली थी, जो बाद में झूठी निकलीं।

हाईकोर्ट को बम की धमकी वाला ईमेल मिला

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय को बुधवार को एक ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें परिसर में बम रखे होने की धमकी दी गई थी। ईमेल मिलने के बाद, अदालत प्रशासन ने तुरंत चंडीगढ़ पुलिस को सूचित किया जिसने परिसर में तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान परिसर में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गयी। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय को धमकी भरा ई-मेल मिलने की सूचना प्राप्त होने के बाद पुलिस ने बम निरोधक दस्ता, तोड़फोड़ निरोधक दल और श्वान दस्ते को तैनात किया।

दिल्ली के दरियागंज में इमारत ढहने से तीन मजदूरों की मौत

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के दरियागंज में सद्भावना पार्क के पास बुधवार को तीन मंजिला इमारत के ढह जाने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान जुबैर, गुलसागर और तौफीक के रूप में हुई है जो एक निर्माण स्थल पर काम कर रहे थे, तभी वह ढांचा ढह गया। ये तीनों मलबे में दब गए और अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

अधिकारी ने बताया, घटना की सूचना दोपहर 12 बजकर 14 मिनट पर मिली, जिसके बाद पुलिस की एक टीम, दमकल की 4 गाड़ियां व बचाव दल के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया है।

- निर्माण कार्य के दौरान हुआ हादसा, बचाव कार्य जारी

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सहित नगर निगम के अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है और बचाव कार्य जारी है। तथ्यों की पुष्टि के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि निर्माण कार्य जारी था, तभी अचानक इमारत ढह गई। अधिकारी ने बताया, तीन को मलबे से निकाला गया और तुरंत अस्पताल ले जाया गया। घटना के तुरंत बाद एनडीआरएफ की कई टीम दिल्ली पुलिस, दमकल कर्मियों और डीडीएमए के कर्मचारियों के साथ मिलकर काम कर रही है।

जद्दोजहद

देश के कई राज्यों में भारी बारिश हो रही है, इसको लेकर अलर्ट जारी किया गया है। गुजरात में एनडीआरएफ के जवान बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंसे लोगों को बचाते हुए। एजेंसी

वर्ल्ड ब्रीफ

नासा ने यूरेनस की कक्षा में नया लघु चंद्रमा खोजा

न्यूयॉर्क। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा है कि उसके वेब स्पेस टेलीस्कोप ने सौरमंडल के सातवें ग्रह यूरेनस की कक्षा में एक नया, अत्यंत छोटा चंद्रमा खोजा है। नासा द्वारा मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, यह चंद्रमा लगभग 10 किलोमीटर चौड़ा प्रतीत होता है और इसे इसी वर्ष फरवरी में वेब टेलीस्कोप के 'नियर इन्फ्रारेड कैमरे' के माध्यम से देखा गया था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह चंद्रमा अपनी अत्यंत क्षीण चमक और छोटे आकार के कारण अब तक छिपा रहा, यहां तक कि लगभग 40 वर्ष पहले यूरेनस के समीप से गुजरे वॉयेजर-2 अंतरिक्ष यान की निगाहों से भी यह बचा रहा। यूरेनस के अब तक 28 ज्ञात चंद्रमा हैं, जिनके नाम विलियम शेक्सपियर और अलेक्जेंडर पोप की रचनाओं के पात्रों पर रखे गए हैं।

यूक्रेन में सैनिक तैनात नहीं करेंगे ब्रिटेन, फ्रांस

मास्को। ब्रिटेन और फ्रांस यूक्रेन में अपने हजारों सैनिक तैनात करने का कोई इरादा नहीं है लेकिन तथाकथित "इच्छुक गठबंधन" यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी के लिये वैकल्पिक तरीकों पर विचार कर रहा है। द टाइम्स अखबार की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में यह खबर दी गयी। जिसके अनुसार इच्छुक गठबंधन यूक्रेन को हवाई और समुद्री हमलों से बचाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। साथ ही वह यूक्रेनी सशस्त्र बलों को फिर से मजबूत करने में मदद के लिये जमीनीस्तर पर सैन्य प्रशिक्षकों को तैनात कर रहा है।

व्हाइट हाउस ने टिकटॉक अकाउंट शुरू किया

वाशिंगटन। अमेरिका में 'व्हाइट हाउस' ने मंगलवार को आधिकारिक तौर पर अपना टिकटॉक अकाउंट लॉन्च किया। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इस सोशल मीडिया ऐप को लगभग सितंबर तक नये मालिक की तलाश करने या फिर देश में प्रतिबंध का सामना करने की समय सीमा संबंधी धमकी के बीच हुआ है। इस अकाउंट पर मंगलवार दोपहर को पहला वीडियो पोस्ट किया गया। यह 27 सेकंड की एक क्लिप है जिसमें श्री ट्रम्प को अपने समर्थकों के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया है।

मैक्सिको अमेरिकी सैन्य अभ्यास पर नाराज

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने मंगलवार को वेनेजुएला के पास कैरेबियन सागर में अमेरिकी सैन्य अभ्यास की आलोचना की। शीनबाम ने कहा कि सभी विवादों का समाधान बातचीत के ज़रिए होना चाहिए, उन्होंने अपनी सरकार के हस्तक्षेप न करने और लोगों के आत्मनिर्णय के आह्वान को दोहराया। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने कहा कि उन्होंने अपने देश के खिलाफ युद्ध की अमेरिकी धमकी विफल करने के लिए देश में 45 लाख स्वयं सेवकों को संगठित करने का फैसला किया है।

आस्ट्रेलिया: सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे बच्चे

सिडनी, एजेंसी

- अगले चार महीने में लागू होगा कानून, 16 तक के बच्चों पर लगाया जाएगा प्रतिबंध

अगले चार महीनों में ऑस्ट्रेलिया में लागू होने जा रहे एक कानून के तहत 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के फेसबुक, स्नैपचैट, टिकटॉक, इंस्टाग्राम, एक्स, रेडिट और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया मंच का उपयोग करने पर प्रतिबंध लग जाएगा।

संघीय सरकार ने कहा है कि सोशल मीडिया कंपनियों को 10 दिसंबर तक इन नाबालिग उपयोगकर्ताओं के सोशल मीडिया खातों को हटाने और आयु सत्यापन सॉफ्टवेयर के माध्यम से इन्हें नए खाते बनाने से रोकने के लिए उचित कदमउठाने होंगे। इस कानून के तहत माता-पिता की अनुमति से भी बच्चों को इन सोशल मीडिया मंचों तक पहुंच नहीं दी जा सकेगी। इस फैसले पर देशभर में तीखी बहस हो रही है।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया के माध्यम से युवा स्वयं को व्यक्त करते हैं, अपनी पहचान बनाते हैं और सामाजिक जुड़ाव महसूस करते हैं। एक ऐसे समाज में, जहां हर पांच में से दो बच्चे खुद को अकेला महसूस करते हैं, यह जुड़ाव काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। वहीं दूसरी ओर, सोशल मीडिया की लत से वंचित रह जाने का अंदेशा बच्चों को इन सोशल मीडिया मंचों पर अत्यधिक समय बिताने के लिए प्रेरित करता है।

किस मुकाम पर ले जा सकती है..

चीन से नई साझेदारी

अमेरिका के भारत पर 50 प्रतिशत का बड़ा और दंडात्मक टैरिफ लगाने के घटनाक्रम से उपजी परिस्थितियों का नतीजा है कि चीन से आपसी संबंधों में लंबे समय तक खटास के बाद भारत अब एक बार फिर उसके साथ नई साझेदारी की ओर बढ़ा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी की यात्रा के दौरान सीमा पर शांति, सीमा व्यापार फिर खोलने और दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान शुरू करने जैसे कई प्रमुख समझौते हुए हैं, जिनके आगे चलकर दूरगामी परिणाम सामने आने की उम्मीद है। हालांकि यह बड़ा सवाल अपनी जगह कायम है कि अमेरिका से संबंधों में तनाव का सामना कर रहे भारत को पुराने तमाम कटु अनुभवों को देखते हुए चीन के साथ नई साझेदारी से कितनी राहत मिलेगी।

दोनों देशों के बीच प्रमुख समझौते

- दोनों देशों ने व्यापार घाटे को कम करने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नया समझौता किया है।
- सीमा विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने और शांति बनाए रखने के लिए दोनों देशों ने सहमति जताई है।
- सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच संबंध मजबूत करने का फैसला, सीधी उड़ान शुरू करना इसी के तहत।

चीन के साथ नई साझेदारी से क्या हैं उम्मीदें

- भारत और चीन के बीच संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के रूप में देखा जा रहा है, जो एक-दूसरे के हितों को मान्यता देने और सहयोग को बढ़ावा देने पर आधारित है।
- दोनों देशों की यह साझेदारी व्यापार, निवेश, सीमा प्रबंधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ कई और क्षेत्रों में सहयोग पर केंद्रित है।
- दोनों देशों के संबंधों में बीच पिछले कई वर्षों से विश्वास की कमी रही है, इसलिए इस नई साझेदारी का उद्देश्य विश्वास की बहाली और आपसी समझ को बढ़ाना भी है।

दूरगामी परिणाम

- भारत को अपने निर्यात को बढ़ाने और व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सकती है।
- एक मजबूत साझेदारी से भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिल सकती है।
- चीन की साझेदारी से अमेरिका पर दबाव बनाने में मदद मिल सकती है, खासकर अमेरिकी टैरिफ मामले में।

रहना होगा सतर्क

विशेषज्ञों के मुताबिक भारत को चीन के साथ सीमा विवादों के प्रति सतर्क रहने की जरूरत होगी, साथ ही उस पर अपनी आर्थिक निर्भरता कम करनी होगी। चीन के साथ संभावित सैन्य संघर्ष के लिए अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना भी जारी रखना होगा।

अमेरिका पर दबाव

- भारत-चीन साझेदारी का असर अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी पर तुरंत नहीं पड़ेगा क्योंकि टैरिफ नीतियां जियोइकॉनॉमिक-रणनीति पर आधारित होती हैं।
- चीन के साथ बेहतर पहुंच भारत को अमेरिकी बाजार के नुकसान का आंशिक प्रतिस्थापन और तीसरे बाजारों में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने का मौका दे सकती है।
- चीन के सहयोग से विनिर्माण बढ़ने पर भारत कुछ अमेरिकी टैरिफ-प्रभावित क्षेत्रों में वैश्विक सप्लायर के रूप में उभर सकता है, मगर ये आसान नहीं होगा।
- भारत-चीन समीकरण से वैश्विक ब्लॉकों में कोई बड़ा बदलाव आता है, तो अमेरिका पर दबाव बन सकता है कि वह अपनी व्यापार नीति पर पुनर्विचार करे।

एक्सपर्ट कमेंट...

सामरिक मामलों के जाने-माने विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी ने कहा है, भारत और चीन के के रिश्तों पर जमी बर्फ के पिघलने की संभावना तो बढ़ी है लेकिन लग रहा है कि सीमा की समस्या पर उनका नजरिया अलग है, साथ ही हाल के दिनों में जिन मुद्दों पर उनकी सहमति बनी है वो भी अलग-अलग हैं। दोनों ओर के बयानों से ऐसा लगता है दोनों देशों की सेनाएं डिसइंगेजमेंट की पहल करेंगी, तनाव कम करेंगी और आखिर में अपने-अपने क्षेत्र में लौट जाएंगी, लेकिन ये लंबी और मुश्किल प्रक्रिया होगी।

रूस ने दिलाया भरोसा, भारत पर ट्रंप के लगाए प्रतिबंधों से निपटने में सक्षम

रूस के दूत रोमन बाबुश्किन ने कहा- ट्रंप का भारत पर दबाव डालना अनुचित

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने बुधवार को कहा कि रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए भारत के खिलाफ अमेरिका की दंडात्मक कार्रवाई से उत्पन्न होने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए रूस के पास एक विशेष तंत्र है। भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद भारत और अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण हुए हैं।

बाबुश्किन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई दिल्ली के साथ अपने देश के संबंधों में तेजी से सुधार होने की उम्मीद जताई और कहा कि विभिन्न सैन्य साजोसामान व उपकरण की आवश्यकता के लिए रूस भारत का पसंदीदा साझेदार रहा है। उन्होंने रूसी तेल की खरीद बंद करने को लेकर भारत पर अमेरिका की ओर से निरंतर दबाव बनाए जाने को अनुचित बताया और कहा कि इस तरह का दृष्टिकोण और प्रतिबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता व ऊर्जा सुरक्षा के लिए हानिकारक है।

बाबुश्किन ने कहा, भारत के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है। हमें भारत के साथ अपनी साझेदारी पर भरोसा है। हम दोनों देशों के बीच ऊर्जा संबंधों में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत-रूस ऊर्जा सहयोग बढ़ता रहेगा। पिछले हफ्ते अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चेतावनी दी थी कि अगर भारत रूसी कच्चे तेल की ख़रीद जारी रखता है तो ट्रंप प्रशासन भारत पर शुल्क बढ़ा सकता है। अमेरिका ने रूस के साथ ऊर्जा संबंधों के कारण भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है, लेकिन उसने रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदार चीन के ख़िलाफ़ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की है। भारत रूसी कच्चे तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है।

जयशंकर ने मॉस्को में प्रमुख विद्वानों और थिंक टैंक के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

भारतीय निर्यात का स्वागत, ब्रिक्स की शक्ति बढ़ेगी

बाबुश्किन ने कहा, प्रतिबंध का असर उन्हें लगाने वालों पर ही पड़ रहा है। हमें विश्वास है कि बाहरी दबाव के बावजूद भारत-रूस ऊर्जा सहयोग जारी रहेगा। उन्होंने कहा, रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और भारत की मांग बढ़ रही है। निस्संदेह, यह हमारी अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सामंजस्य और पूरकता का एक आदर्श उदाहरण है। बाबुश्किन ने कहा कि दोनों पक्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि रूसी बाजार भारतीय निर्यात का स्वागत करेगा। मौजूदा वैश्विक उथल-पुथल के बीच एक स्थिर शक्ति के रूप में ब्रिक्स की भूमिका बढ़ेगी।

यूक्रेन युद्ध रुकवाने को भारत पर लगाईं पाबंदी : व्हाइट हाउस

न्यूयॉर्क। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए भारत पर पाबंदियां लगाई हैं। ट्रंप ने अमेरिका आने वाली भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगा रखा है। रूसी तेल की खरीद को लेकर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क 27 अगस्त से प्रभावी होगा। एक प्रश्न का उत्तर देते हुए लेविट ने कहा कि ट्रंप ने करीब चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए जबर्दस्त सार्वजनिक दबाव डाला है। उन्होंने कहा, जैसा कि आपने देखा है उन्होंने भारत पर पाबंदियों सहित कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस युद्ध को समाप्त होते देखना चाहते हैं। लेविट ने कहा, 'राष्ट्रपति जल्द से जल्द इस युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं। रूस ने फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हमला कर दिया था। इससे पहले 'सीएनबीसी' के साथ साक्षात्कार में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत पर रूस से तेल खरीद उसे अन्य स्थान पर फिर से बेचकर मुनाफाखोरी करने का आरोप लगाया था। भारत ने अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क को अनुचित बताया है।

पाकिस्तान के बजाय अफगानिस्तान पहुंचे चीनी विदेश मंत्री

नई दिल्ली। चीन के विदेश मंत्री वांग यी अपनी प्रस्तावित पाकिस्तान यात्रा के कार्यक्रम में बदलाव करते हुए अफगानिस्तान पहुंच गए हैं। वह काबुल में छठी चीन-अफ़ग़ानिस्तान-पाकिस्तान त्रिपक्षीय विदेश मंत्रियों की वार्ता में भाग लेने वहां गए हैं।

इस वार्ता में तीनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और क्षेत्रीय सहयोग सहित कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। वांग यी की बीते तीन सालों में यह पहली अफगानिस्तान यात्रा है। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार इस बैठक में भाग लेने के लिए काबुल पहुंच चुके हैं। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने काबुल में त्रिपक्षीय वार्ता के लिए वांग यी और डार के आगमन की घोषणा करते हुए कहा, इस बैठक में तीनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और क्षेत्रीय सहयोग सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी।

कहा गया है कि चर्चाएँ विशेष रूप से राजनीतिक, आर्थिक और क्षेत्रीय सहयोग के साथ-साथ आपसी हितों, समझ और संवर्धित सहयोग के आधार पर संबंधों के भविष्य पर केंद्रित होंगी।

इजराइली सेना की गाजा में और तीव्र युद्ध की तैयारी

यरूशलम, एजेंसी

- 50 हजार रिजर्व सैनिक भेजकर दोगुनी की जाएगी तैनाती

इजराइली सेना गाजा में नए चरण के तहत और तीव्र युद्ध की तैयारी कर रही है। इसके तहत 50 हजार रिजर्व सैनिकों की तैनाती की जा रही है जिसके बाद सैनिकों की तैनाती दोगुनी हो जाएगी। इस बीच टैंक और बख्तरबंद गाड़ियों के निर्माण के लिए 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर की योजना भी मंजूर की गई है।

इजराइली सेना के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने गाजा के कुछ सबसे घनी आबादी वाले इलाकों में अभियान के एक नए चरण को शुरू करने की योजना को मंजूरी दे दी। अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि सेना गाजा शहर के उन हिस्सों में अभियान चलाएगी, जहां इजराइली सेना ने अभी तक कार्रवाई नहीं की है और जहां हमास अब भी सक्रिय है।

अधिकारी ने बताया कि सैन्य अधिकारियों से मंजूरी मिलने के बाद योजना अब अंतिम चरण की ओर बढ़ेगी। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि अभियान कब शुरू होगा। अधिकारी ने बताया कि आने वाले महीने में 50,000 रिजर्व सैनिकों को बुलाया जाएगा, जिससे सक्रिय रिजर्व सैनिकों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 1,20,000 हो जाएगी।

वेस्ट बैंक को विभाजित करने वाली बस्ती परियोजना मंजूर

तेल अवीव। इजराइल ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में एक विवादास्पद बस्ती परियोजना को बुधवार को अंतिम मंजूरी दे दी जो इस क्षेत्र को व्यावहारिक रूप से दो हिस्सों में विभाजित करेगी। फलस्तीनियों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि यह योजना भविष्य में संभावित फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना की संभावनाओं को समाप्त कर सकती है। यरुशलम के पूर्व में खुले भूभाग 'ई-1' में बस्ती के विकास पर दो दशकों से विचार किया जा रहा है, लेकिन अमेरिका के पूर्ववर्ती प्रशासनों के दबाव के कारण इस योजना को स्थगित कर दिया गया था। बुधवार को, इस परियोजना को योजना एवं निर्माण समिति से अंतिम मंजूरी मिल गई, क्योंकि इसके खिलाफ याचिकाएं छह अगस्त को खारिज कर दी गई थीं।

महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा पर भारत की संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को खरी-खरी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में एक खुली बहस के दौरान पाकिस्तान की कड़ी आलोचना करते हुए 1971 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हुए 'यौन हिंसा के जघन्य अपराधों' की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि यह सिलसिला आज भी बिना किसी दंड के जारी है।

बहस के दौरान पाकिस्तानी प्रतिनिधि की ओर से लगाए गए 'बेबुनियाद आरोप' पर मंगलवार को संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए भारतीय राजनयिक एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की 1971 की घटनाएं शर्मनाक रिकॉर्ड का मामला है। पुन्नूस ने संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा से बचे लोगों के लिए जीवन रक्षक सेवाओं और सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अभिनव रणनीति विषय पर खुली बहस में अपनी राय रखी।

- भारतीय राजनयिक एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने कश्मीर में यौन हिंसा के आरोपों पर दिया कड़ा जवाब

उन्होंने कहा, पाकिस्तानी सेना ने 1971 में जिस तरह बेखौफ होकर पूर्वी पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के जघन्य अपराध किए, वह शर्मनाक है। भारतीय राजनयिक स्पष्टतः 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (मौजूदा बांग्लादेश) में बड़े पैमाने पर हुए नरसंहार और बलात्कार की घटनाओं का उल्लेख कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह निंदनीय प्रवृत्ति आज भी बेरोकटोक और बिना किसी दंड के जारी है। पुन्नूस ने कहा, धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ उत्पीड़न के हथियार के रूप में हजारों कमजोर महिलाओं और लड़कियों के अपहरण, तस्करी, बाल विवाह, घरेलू दासता, यौन हिंसा और जबरन धर्मांतरण की खबरें एवं विवरण हाल ही में जारी ओएचसीएचआर रिपोर्ट में भी दिए गए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह विडंबनापूर्ण है कि जो लोग इन अपराधों को अंजाम देते हैं, वे अब न्याय के चैंपियन के रूप में मुखौटा पहन रहे हैं। भारतीय राजनयिक ने कहा, दोहरापन और पाखंड स्वयंसिद्ध है। पुन्नूस संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के भारत पर लगाए गए इस आरोप का जवाब दे रहे थे कि कश्मीर में समुदायों को दंडित करने और अपमानित करने के लिए लंबे समय से यौन हिंसा का सहारा लिया जा रहा है।

वैश्विक चुनौतियों से मिलकर लड़ेंगे भारत और चीन

चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा- दोनों देशों में सीमा प्रबंधन पर साझा समझ बनी

बीजिंग, एजेंसी

विदेश मंत्री वांग यी की नयी दिल्ली यात्रा के दौरान भारत और चीन के बीच सीमा प्रबंधन और नियंत्रण पर एक साझा समझ बनी है। चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह घोषणा की।

वांग ने 18 और 19 अगस्त को भारत की यात्रा की, जिस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ व्यापक वार्ता की। वांग की यात्रा के परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दोनों पक्ष विभिन्न क्षेत्रों में वार्ता तंत्र को बहाल करने, पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को गहरा करने, बहुपक्षवाद को कायम रखने, वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटने और धमकाने वाली एकतरफा कार्रवाइयों का विरोध करने पर भी सहमत हुए।

उन्होंने कहा, सीमा के मुद्दे पर, दोनों पक्षों के बीच नई साझा समझ बनी है, जिसमें सामान्य प्रबंधन एवं नियंत्रण, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने और उन क्षेत्रों में सीमा वार्ता शुरू करने पर सहमति व्यक्त की गई है जहां शर्तें पूरी होती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क घोषणाओं का स्पष्ट संदर्भ देते हुए निंग ने कहा कि अपनी बैठकों में, वांग ने यह भी कहा, मौजूदा परिस्थितियां चीन-भारत संबंधों के रणनीतिक महत्व और द्विपक्षीय सहयोग के रणनीतिक मूल्य को रेखांकित करती हैं।

शरीफ की चीन यात्रा के दौरान सीपीईसी का दूसरा चरण

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की इस महीने के अंत में निर्धारित चीन यात्रा के दौरान चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत होगी। योजना मंत्री अहसान इकबाल ने मंगलवार को सीपीईसी के दूसरे चरण की संयुक्त सहयोग समिति के आगामी सत्र और प्रधानमंत्री की निर्धारित बीजिंग यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान इसकी आधिकारिक घोषणा की। 'डॉन' अखबार ने मंत्री इकबाल के हवाले से कहा, प्रधानमंत्री की आगामी चीन यात्रा के दौरान सीपीईसी के दूसरे चरण की औपचारिक शुरुआत होगी।

बांग्लादेश : फरवरी 2026 में आम चुनाव कराने की घोषणा

ढाका। बांग्लादेश के कानूनी मामलों के सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा है कि देश की अंतरिम सरकार अगले साल फरवरी में आम चुनाव कराने की अपनी प्रतिबद्धता पर "अडिग" है।

सरकारी संस्था बांग्लादेश संगबाद संस्था ने नजरुल के हवाले से कहा, सरकार चुनाव की सभी तैयारियां करते हुए आगे बढ़ रही है। मंगलवार को कैबिनेट विभाग में एक बैठक के बाद उन्होंने कहा, चुनाव फरवरी में होंगे और इस पर सरकार का रुख अटल है। कानूनी सलाहकार की यह टिप्पणी चुनावों को लेकर बढ़ती अटकलों के बीच आई है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 अगस्त, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 13.44 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

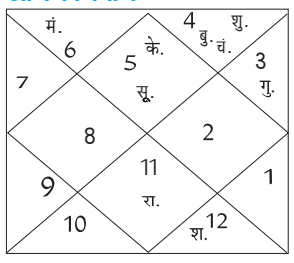

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। चन्द्रबल वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।

मेष — विवादों से दूर रहें। कार्यक्षेत्र में विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर शांत रहने की सलाह है। वाणी पर संयम रखना होगा। किसी भी विवाद में पड़ने से परेशानी खड़ी हो सकती है। आपको किसी से अहम सहयोग मिल सकता है। कार्य स्थल पर विरोधी पस्त रहेंगे।

वृष — आज धन और पद में वृद्धि के योग हैं। आज आर्थिक मामलों में लाभ होने की उम्मीद है। नौकरी करने वालों को प्रमोशन मिलने की आशा है। छात्र अगर किसी परीक्षा के लिए मेहनत कर रहे हैं तो उन्हें शुभ समाचार मिल सकता है। वैवाहिक जीवन में भी खुशियां रहेंगी।

मिथुन — आज हर मामले में आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। कार्य क्षेत्र में लाभ के योग बन रहे हैं। आपके पराक्रम में भी वृद्धि होने की आशा है। धन लाभ के शुभ योग बन रहे हैं। धन में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा। रुके काम भी पूरे हो सकते हैं। सत्ता का सहयोग मिल सकता है।

कर्क — आज आपको कोई बात परेशान कर सकती है। कोई भी फैसला सोच-समझकर लें। व्यवसाय के मामले में योजना आगे बढ़ने के संकेत हैं। स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां आने की संभावना है।

सिंह — आपको आज आर्थिक मामलों में सावधान रहना चाहिए। पैसों के लेन-देन के समय सतर्क रहें और जल्दबाजी में कोई फैसला न लें वरना नुकसान हो सकता है। अधीनस्थ कर्मचारी तनाव की वजह बन सकता है। धैर्य के साथ काम करें।

कन्या — कार्य क्षेत्र में कोई निर्णय लेने से उलझन हो सकती है। आर्थिक मामलों में दिन अच्छा होने के संकेत हैं। आज आपको सफलता मिल सकती है। मधुर वाणी और व्यवहार के कारण प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है। ससुराल पक्ष से लाभ मिल सकता है।

तुला — नौकरी की तलाश में लगे लोगों को शुभ समाचार मिल सकता है। पराक्रम में वृद्धि के योग हैं। आर्थिक मामलों में किए गए प्रयासों से उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र या पास-पड़ोस में विवाद या झगड़े में पड़ने से बचना होगा।

वृश्चिक — लंबे समय से चले आ रहे कर्ज से छुटकारा मिलने की संभावना है। व्यापार के मामले में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य भी बेहतर होता जाएगा। खानपान पर ध्यान जरूर दें। आर्थिक मामलों में आपको कुछ अनावश्यक खर्चे करने पड़ सकते हैं। सफलता मिलने के योग हैं।

धनु — आज आपको विरोधियों से सावधान रहना होगा। आर्थिक मामलों में सफलता प्राप्त हो सकती है। वाणी और व्यवहार के चलते आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। धन के मामले में ससुराल पक्ष से सहयोग और लाभ मिलने के संकेत हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मकर — धैर्य के साथ काम करने से आपके जरूरी काम समय पर पूरे होंगे। नौकरी करने वालों को भी सफलता मिलने के संकेत हैं। कोई उपहार या विशेष सम्मान भी प्राप्त हो सकता। दूसरों से सहयोग मिलने से भी मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ — राजनीति के क्षेत्र में किए गए प्रयासों से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में बजट बनाकर खर्चे करना बेहतर रहेगा। आपकी मुलाकात किसी घनिष्ठ मित्र से भी हो सकती है।

मीन — आज व्यवसाय के मामले में दिन अच्छा रहने के आसार हैं। लाभ कमाने के मौके मिल सकते हैं। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी समस्या या विवाद से भी छुटकारा मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी कार्य के पूरे होने से आपकी सराहना की जाएगी।

सुडोकू-75

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	7	1				4		3
			2			7		
5	6			1		9		
9		6		3				8
		4				6		
1				7				5
		7		4			2	
		2			5			
8					1	3	9	

सुडोकू - 74 का हल

7	8	3	4	2	9	6	1	5
5	1	2	7	6	8	4	3	9
9	4	6	3	5	1	8	2	7
6	9	5	1	4	2	3	7	8
4	3	1	8	7	6	5	9	2
8	2	7	5	9	3	1	6	4
3	5	4	9	1	7	2	8	6
2	7	8	6	3	5	9	4	1
1	6	9	2	8	4	7	5	3

यह अधिनियम अब भारतीय खेलों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए ठोस ढांचा प्रदान करता है। इस अधिनियम में कई सकारात्मक तत्व हैं जिनमें खेल पंचाट भी शामिल है।
–अभिनव बिंद्रा, पूर्व ओलंपिक चैंपियन

स्टेडियम

कानपुर, गुरुवार, 21 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

जम्पा को आईसीसी ने लगाई फटकार

दुबई। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एडम जम्पा को मंगलवार को केर्न्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है। जम्पा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते पाया गया, जो अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान सुनाई देने वाली अश्लीलता के प्रयोग से संबंधित है। जम्पा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था।

अमेरिकी लीग व सऊदी क्रिकेट के बीच करार

ह्यूस्टन। सऊदी अरब क्रिकेट महासंघ (एसएसीएफ) और डलास स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) ने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए जमीनी स्तर पर क्रिकेट को मजबूत करने और खिलाड़ियों के लिए सुगम राह तैयार करने के लिए साझेदारी की घोषणा की है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों से क्रिकेट 128 वर्ष बाद इस खेल महाकुंभ में वापसी करेगा। यह साझेदारी स्कूल और सामुदायिक कार्यक्रमों, कोचिंग और अंपायरिंग प्रमाणन, तकनीकी विशेषज्ञता के आदान-प्रदान और उत्तरी अमेरिका में एनसीएल कार्यक्रमों के माध्यम से सऊदी अरब के खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर केंद्रित होगा। इनमें कॉलेजिएट क्रिकेट लीग और पाथ टू क्रिकेट प्रो टैलेंट हंट शामिल हैं, जिनका उद्देश्य अगली पीढ़ी के पेशेवर खिलाड़ियों को तैयार करना है।

सिनर यूएस ओपन मिश्रित युगल से हटे

न्यूयॉर्क। इटली के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर बीमारी का हवाला देते हुए सिनसिनाटी ओपन के फाइनल मैच से रिटायर होने के बाद यूएस ओपन मिश्रित युगल से अपना नाम वापस ले लिया है। यूएस ओपन 2025 ने मंगलवार को पुष्टि की कि जैनिक सिनर ने कैटरीना सिनियाकोवा के साथ अपने निर्धारित मिश्रित युगल के पहले दौर से नाम वापस ले लिया है। सिनर और सिनियाकोवा की जोड़ी को लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में बेलिंडा बेनसिक और अलेक्जेंडर ज्वेरेव की मिश्रित युगल जोड़ी से मुकाबला करना था लेकिन सिनर के इस टूर्नामेंट से हटने के बाद अब उनकी जगह वैकल्पिक टीम में डेनियल कॉलिन्स और क्रिश्चियन हैरिसन को जगह दी गई है।

महिला चैंपियनशिप में भारत ने नेपाल को हराया

थिम्पू। भारत ने नीरा चानू लोंगजैम, अभिष्टा बेसनेट और अनुष्का कुमारी के दो-दो गोल की मदद से सैफ अंडर-17 महिला चैंपियनशिप के अपने पहले मैच में नेपाल को 7-0 से रौंद दिया। भारत की ओर से नीरा (25वें और 56वें मिनट), अभिष्टा (16वें और 41वें मिनट) और अनुष्का (37वें और 62वें मिनट) ने दो-दो गोल दागे जबकि कप्तान जूलन नोंगमेथेम ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में एक गोल किया। भारतीय टीम मध्यांतर तक 5-0 से आगे थी।

कोचिंग में हाथ आजमाना चाहते हैं पूर्व गेंदबाज ब्रॉड

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड कोच की भूमिका निभाने की योजना बना रहे हैं जहां वह एक दिन जोफ्रा आर्चर और जिमी एंडरसन जैसे गेंदबाज तैयार कर सकें।

टेस्ट क्रिकेट में एंडरसन के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले ब्रॉड ने कहा कि उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के प्रबंध निदेशक रॉब की से बात की और अंडर-17-19 खिलाड़ियों को तैयार करने की इच्छा व्यक्त की है। टेस्ट क्रिकेट में 604 विकेट लेने वाले ब्रॉड ने कहा, निश्चित रूप से मैं कोचिंग से जुड़ना चाहता हूं। मैंने रॉब से बात की कि जब कार्यक्रम अनुकूल हो तो मैं इंग्लैंड की टीम में युवा गेंदबाजों के साथ काम करना चाहता हूं। उन्होंने कोचिंग में कदम रखने के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि वह अगले साल की शुरुआत में कोचिंग से जुड़ सकते हैं। ब्रॉड के लिए कोचिंग नई चीज नहीं है। वह लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के गेंदबाजी सलाहकार थे।

प्रस्तावित प्रतिबंध से हो सकता है क्रिकेट उद्योग को नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक

लोकसभा में पेश ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म का अंत कर सकता है, जिनकी भारतीय खेलों, विशेषकर क्रिकेट के प्रायोजन बाजार में हिस्सेदारी है। इसका उद्देश्य तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक को विनियमित करना है जो ई-स्पोर्ट्स जगत के लिए सुखद खबर है। लेकिन अरबों डॉलर के फैंटेसी गेमिंग उद्योग के राजस्व में भारी गिरावट देखी जा सकती है, जिसमें क्रिकेट के प्रायोजन में बड़ी रकम खर्च करने वाली कंपनियां हैं।

एक शृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया के रूप में यह खेल प्रायोजन बाजार को भी प्रभावित कर सकता है जिसमें व्यक्तिगत खिलाड़ियों का प्रायोजन और कबड्डी तथा फुटबॉल जैसे खेलों की फ्रैंचाइजी आधारित घरेलू लीग शामिल हैं। विधेयक में एक नियामक संस्था बनाने की बात है जो ई-स्पोर्ट्स, एजुकेशनल गेमिंग, सोशल और कैजुअल गेमिंग और पैसे के वास्तविक लेनदेन की गेमिंग चार विविध क्षेत्रों को देखेगी। दस्तावेज के अनुसार इनमें से 'ऑनलाइन मनी गेम्स' पर प्रतिबंध लगेगा। 'प्रतिबंध' अनुच्छेद के अनुसारः कोई व्यक्ति ऑनलाइन मनी गेम और गेमिंग सेवा की पेशकश में सहायता, प्रोत्साहन, प्रेरित करने या अन्यथा इसमें शामिल नहीं होगा। कोई भी बैंक, वित्तीय संस्थान, या वित्तीय लेनदेन या धन के प्राधिकरण की सुविधा देने वाला कोई व्यक्ति किसी भी ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवा के भुगतान के लिए धन के किसी भी लेनदेन या प्राधिकरण में संलग्न नहीं होगा, सहायता नहीं करेगा, प्रेरित नहीं करेगा या अन्यथा सुविधा नहीं देगा। सरकार स्पष्ट करती है कि वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म से कई सामाजिक समस्याएं पैदा हो रही हैं और इसके लिए किसी प्रकार के नियमन की आवश्यकता है।

विधेयक से सिकुड़ सकता है व्यक्तिगत प्रायोजन बाजार

क्रिकेट ऐसा खेल है, जिसमें वास्तविक धन की गेमिंग का चलन काफी बढ़ गया है और भारतीय टीम का टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 है। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग का आधिकारिक फैंटेसी स्पोर्ट्स भागीदार वास्तविक धन वाला ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'माई11 सर्कल' है। ड्रीम 11 ने भारतीय टीम के टाइटल अधिकार 44 मिलियन डॉलर (358 करोड़ रुपये) में खरीदे। माई11 सर्कल ने आईपीएल फैंटेसी गेमिंग अधिकार पांच वर्षों के लिए 625 करोड़ रुपये (125 करोड़ रुपये प्रति वर्ष) में खरीदे। शीर्ष क्रिकेटरों (पूर्व और वर्तमान) के कई वास्तविक धन वाले गेमिंग प्लेटफार्म के साथ विज्ञापन करार हैं। खेल वकील विदुषपत सिंघानिया ने कहा कि भारतीय क्रिकेट और उसकी संपत्तियों के लिए प्रायोजकों की कमी नहीं होगी। इस विधेयक से व्यक्तिगत प्रायोजन बाजार सिकुड़ सकता है। फैंटेसी गेम्स सब्सक्रिप्शन आधारित मॉडल हैं। आप गेमिंग ऐप के लिए 100 रुपये का भुगतान करते हैं और फैंटेसी गेमिंग में अपने कौशल को देखते हैं। लेकिन वास्तविक धन वाली गेमिंग इस विधेयक के अनुसार प्रतिबंधित है जिसमें पैसे देकर कमाई की जाती है।

वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके कुलदीप

यादव के अलावा रविंद्र जडेजा एकमात्र ऐसे भारतीय जो गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल

दुबई, एजेंसी

भारत के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव बुधवार को जारी गेंदबाजों की नवीनतम आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज शीर्ष पर हैं। महाराज ने केर्न्स में तीन मैच की शृंखला के पहले एकदिवसीय मैच में अपनी टीम को ऑस्ट्रेलिया पर 98 रन से जीत दिलाने के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया।

मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए बाएं हाथ के 35 वर्षीय स्पिनर महाराज ने 33 रन देकर पांच विकेट चटकाए। उन्होंने कुलदीप और श्रीलंका के महेश तीक्षणा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराज इससे पहले नवंबर और दिसंबर 2023 में कुछ समय के लिए शीर्ष पर थे। कुलदीप के अलावा रविंद्र जडेजा एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जो गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं। भारतीय टीम ने चैंपियन्स ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद से कोई एकदिवसीय मैच नहीं खेला है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स भी गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाने में सफल रहे।

784 अंक के साथ शीर्ष पर काबिज शुभमन गिल

पुरुषों की बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन गिल 784 अंक के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। श्रेयस अय्यर छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं। पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी वनडे में नाबाद 120 रन बनाने वाले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर हैं जबकि एडेन मार्करम (चार पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर), तेम्बा बावुमा (पांच पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर) और मिचेल मार्श (छह पायदान ऊपर 48वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

टी-20 में अभिषेक और तिलक शीर्ष दो स्थानों पर

पुरुषों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव छठे और यशस्वी जायसवाल 10वें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस सुधार जारी रखते हुए नौ स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्श और ग्लेन मैक्सवेल क्रमशः चार और 10 स्थान की छलांग लगाकर 25वें और 30वें स्थान पर हैं। टी-20 अंतर्राष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस (तीन स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) और जोश हेजलवुड (दो स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) ने महत्वपूर्ण सुधार किया है जबकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा 44वें स्थान से 37वें स्थान पर पहुंच गए।

- कप्तान सूर्यकुमार छठे व यशस्वी 10वें स्थान पर काबिज

उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के आखिरी मैच में 18 रन देकर छह विकेट लिए थे। वह 15 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए। पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद (15 पायदान के फायदे से 39वें स्थान पर) और वेस्टइंडीज के ऑफ स्पिनर रोस्टन चेस (पांच पायदान के फायदे से 58वें स्थान पर) भी रैंकिंग में आगे बढ़ने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं।

गुकेश ने अब्दुसत्तोरोव पर जीत से की वापसी

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने शुरुआती दौर की असफलता को पीछे छोड़ते हुए सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर जीत दर्ज की। गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञाननंदा ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे।

एक अन्य मैच में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिज़्सटॉफ़ को हराया। अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने हमवतन सैमुअल सेवियन के साथ ड्रॉ खेला और संयुक्त बढ़त बनाए रखी। एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने 10 खिलाड़ियों के 3,75,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेला। अभी सात दौर का खेल बाकी है तब प्रज्ञाननंदा, अरोनियन और फिरोजा 1.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। गुकेश, कारूआना, वेस्ली सो, सेवियन व वाचियर-लाग्रेव संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। डूडा आधे अंक के साथ नौवें, जबकि अब्दुसत्तोरोव दूसरी बाजी हारने के बाद खाता नहीं खोल पाए हैं।

सिंकफील्ड कपः

क्लच शतरंज : आनंद कास्पोरोव में मुकाबला

नई दिल्ली। भारत के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद अमेरिका के सेंट लुईस में अक्टूबर में होने वाले क्लच शतरंज नुमाइशी मैच में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रहे रूस के गैरी कास्पोरोव से खेलेंगे जबकि विश्व चैम्पियन डी गुकेश की टक्कर मैग्नस कार्लसन से होगी। कास्पोरोव और आनंद की टक्कर आखिरी बार 2021 में क्रोएशिया रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में जगरेब में हुई थी, जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने जीत दर्ज की। दोनों के बीच 82 मुकाबले हो चुके हैं, जिनमें से 30 ड्रॉ रहे और जीत के मामले में कास्पोरोव का दबदबा रहा। सेंट लुईस शतरंज क्लब ने कहा कि दो पूर्व विश्व चैंपियन गैरी कास्पोरोव और विश्वनाथन आनंद विशेष क्लच शतरंज (लीजैंड्स) नुमाइशी मैच (7-11 अक्टूबर) में आमने सामने होंगे।

सौरभ और सुरूचि की जोड़ी ने जीता कांस्य

- चीनी ताइपै को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में हराया
- भारतीय जोड़ी ने क्वालीफाइंग दौर में पांचवां स्थान किया हासिल

शिमकेंट (कजाखस्तान), एजेंसी

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप

सौरभ चौधरी और सुरूचि इंदर सिंह की भारतीय जोड़ी ने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में बुधवार को चीनी ताइपै को हराकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग का कांस्य पदक जीता। दोनों ने लियू हेंग यू और सियेह सियांग चेन को 17 .9 से हराया।

इससे पहले मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य पदक जीता था। भारतीय जोड़ी ने क्वालीफाइंग दौर में पांचवां स्थान हासिल किया जब सुरूचि ने 292 और सौरभ ने 286 स्कोर किया। दोनों का कुल स्कोर 578 रहा और आठ टीमों के पदक दौड़ में प्रवेश के समय वे पांचवें स्थान पर थे। स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा शीर्ष दो टीम चीन और दक्षिण कोरिया के बीच थी। इसमें चीन ने 16-12 से जीत हासिल कर पहला स्थान हासिल किया। अन्य चार टीमों ने दो कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा की जिसमें भारत ने पहले कांस्य पदक के मुकाबले में चीनी ताइपे को हराया और दूसरे मुकाबले में ईरान ने वियतनाम को 16-8 से मात दी। इस साल चार विश्व कप पदक जीत चुकी सुरूचि ने क्वालीफिकेशन दौर में परफेक्ट 100 के साथ शुरूआत की। दूसरे में 94 और तीसरे में 98 स्कोर किया। चौधरी का स्कोर 95, 96 और 95 रहा। कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में पहले 16 अंक तक पहुंचने वाली टीम जीत जाती है।

वंशिका और गेविन ने भी जीता कांस्य

जूनियर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में वंशिका चौधरी और गेविन एंथनी की भारतीय जोड़ी ने किम येजिन और किम डूयोन की कोरियाई जोड़ी को 16-14 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारतीय टीम क्वालीफिकेशन में 578 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही थी जिसमें वंशिका ने 282 और गेविन ने 296 अंक बनाए।

डाइमंड लीग फाइनल्स में जगह पक्की होने से ब्रसेल्स में नहीं खेलेंगे चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

डाइमंड लीग फाइनल्स में जगह पक्की करने के बाद स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा इस प्रतिष्ठित सीरीज के शुक्रवार को बेल्जियम के ब्रसेल्स में होने वाले अंतिम चरण में हिस्सा नहीं लेंगे। डाइमंड लीग की 14 प्रतियोगिताओं में से चार में पुरुष भाला फेंक को जगह मिली है।

नीरज ने सिर्फ दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, लेकिन स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 28 अगस्त को होने वाले डाइमंड लीग फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। भारतीय खिलाड़ी ने 16 अगस्त को सिलेसिया चरण में भी हिस्सा नहीं लिया था। नीरज ने मई में दोहा डाइमंड लीग में 90.23 मीटर के प्रयास के साथ 90 मीटर का जादुई आंकड़ा पार किया था लेकिन जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर थे। उन्होंने 88.16 मीटर के प्रयास से पेरिस डाइमंड लीग का खिताब जीता। ब्रसेल्स चरण के बाद शीर्ष छह खिलाड़ी ज्यूरिख में होने वाले डाइमंड लीग फाइनल्स में जगह बनाएंगे। नीरज ने पिछला टूर्नामेंट पांच जुलाई को बेंगलुरु में एनसी क्लासिक के रूप में खेला था जहां उन्होंने 86.18 मीटर के साथ अपनी मेजबानी में टूर्नामेंट जीता था। नीरज ने मौजूदा सत्र में छह प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया जिसमें से चार में उन्होंने खिताब जीता। चोपड़ा तोक्यो में 13-21 सितंबर तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करेंगे।

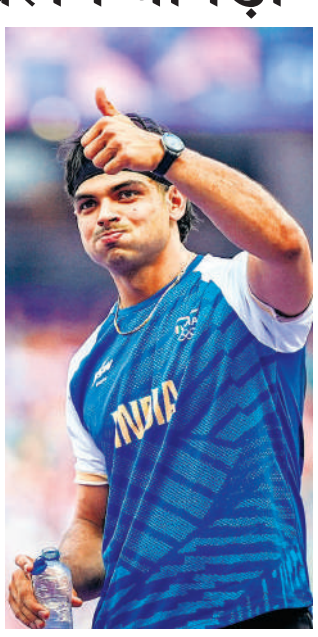

एमबाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदला, रियाल मैड्रिड जीता

मैड्रिड, एजेंसी

काइलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1-0 से जीत दर्ज की।

पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेज़बान टीम को जीत दिलाई। एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे।

रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की। बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत दर्ज की थी। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड स्पेनिश लीग में बार्सिलोना के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। ओसासुना नौवें स्थान पर रहा था।

सालाह-कैल्डेन्टी को इंग्लिश फुटबॉल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

लंदन। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह और आर्सेनल की मिडफील्डर मैरियोना कैल्डेन्टी को मंगलवार को प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन पुरस्कारों में पिछले सत्र के लिए इंग्लिश फुटबॉल में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी चुना गया। इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। मिस्र के इस अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ने प्रीमियर लीग में 29 गोल किए, जिसकी बदौलत लिवरपूल ने रिकॉर्ड 20वीं बार चैंपियनशिप जीती। महिला वर्ग में 29 वर्षीय कैल्डेन्टी ने आर्सेनल के साथ अपने पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया और सभी प्रतियोगिताओं में 19 गोल किए।

भारतीय हॉकी | बिहार में होगा टूर्नामेंट, विजेता को मिलेगा एफआईएच पुरुष विश्व कप में सीधा प्रवेश

एशिया कप के लिए टीम में लाकड़ा और दिलप्रीत

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार में होने वाले एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान बुधवार हुआ, जिसमें फॉरवर्ड शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह को जगह दी गई है। टूर्नामेंट 29 अगस्त से 7 सितंबर तक होगा, जिसके विजेता को एफआईएच पुरुष विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा जो 14-30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होना है।

ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम के कप्तान होंगे। राजिंदर सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत आस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा थे। राजिंदर को शमशेर सिंह की जगह चुना गया जबकि लाकड़ा ने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने वाले ललित उपाध्याय की जगह ली है। दिलप्रीत को गुरजंत सिंह पर तरजीह मिली है। स्ट्राइकर ललित उपाध्याय ने जून में एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के बाद अंतर्राष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया था। भारत को एशिया कप में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ पूल ए मिला है।

भारतीय टीम 29 अगस्त को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद 31 अगस्त को जापान और एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलना है। गोलकीपिंग का दारोमदार कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा पर होगा। डिफेंस में हरमनप्रीत और अमित रोहिदास के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह हैं। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत जिम्मा संभालेंगे। नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति को रिजर्व में रखा गया है। टीम चयन के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि हमने अनुभवी टीम चुनी है। विश्व कप क्वालीफिकेशन को देखते हुए एशिया कप हमारे लिये महत्वपूर्ण है लिहाजा हमें दबाव में अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी चाहिए।

भारतीय हॉकी टीम

गोलकीपर : सूरज करकेरा, कृशन बी पाठक
डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह **मिडफील्ड :** मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह **फॉरवर्ड :** मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह **रिजर्व खिलाड़ी :** नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति।